MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 08 अक्टूबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-276

चुनाव आयोग के खिलाफ इंडिया गठबंधन का लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन

ज्ञानेश के इस्तीफे पर अड़ा विपक्ष

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस तथा इंडिया गठबंधन के अन्य दलों के नेताओं ने लगातार दूसरे दिन बुधवार को यहां मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा तथा कुछ अन्य नेताओं को हिरासत में लिया। बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया।

श्री गांधी और गठबंधन के कुछ अन्य नेताओं को मंगलवार को भी हिरासत में लिया गया था। गठबंधन के नेता बुधवार को प्रदर्शन के लिए बस में सवार होकर जंतर-मंतर जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने बैरिकेड लगाकर उन्हें पहले ही रोक दिया। इसके बाद वे सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। कुछ देर बाद पुलिस ने श्री गांधी, श्रीमती वाड्रा तथा अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया।

जंतर-मंतर जाने से पहले रोका, सड़क पर दिया धरना

पुलिस श्री गांधी को बाराखंभा रोड थाने ले गई, जहां से थोड़ी देर बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। मंगलवार को दोनों नेताओं को किंग्सवे कैंप पुलिस थाने में हिरासत में रखने के बाद देर रात रिहा किया गया था। प्रदर्शन में बुधवार को भी इंडिया गठबंधन के कई दलों के सांसद शामिल हुए। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पहुंचने से पहले रोके जाने के बाद सांसदों ने वहीं धरना दिया। पुलिस श्री गांधी और श्रीमती वाड्रा को धरना स्थल से उठाकर ले गई। श्रीमती वाड्रा ने पहले वहां से हटने से इनकार किया और जमीन पर लेट गईं। बाद में पुलिसकर्मी उन्हें उठाकर बाराखंभा रोड पुलिस थाने ले गए।

हिरासत में लिए जाने के बाद श्री गांधी ने कहा, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफा देने तक प्रदर्शन नहीं रुकेगा। हम तब तक प्रदर्शन नहीं रोकेंगे, जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते। यह देश की सबसे पवित्र चीज की रक्षा की लड़ाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह जो कुछ कर सकते हैं, करें, लेकिन वे हमें रोक नहीं सकते। हम विरोध प्रदर्शन करते रहेंगे।उन्होंने कहा कि यह लड़ाई संविधान और जनता की आवाज की रक्षा के लिए है तथा इसके लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। उन्होंने कहा, जुल्मी जब-जब जुल्म करेगा, सत्ता के गलियारों से चप्पा-चप्पा गूंज उठेगा इंकलाब के नारों से।

प्रियंका बोलीं-पीछे नहीं हटेंगे

श्रीमती वाड्रा ने कहा, निर्वाचन आयोग से मिलने की मांग कर रहे सांसदों के साथ पुलिस ने मारपीट की। महिला पुलिसकर्मियों ने मुझे जमीन पर गिराया है और मुझे कई जगह खरोंचें आई हैं। कुछ भी हो जाए, हम पीछे नहीं हटेंगे। ▶8पर

राहुल की 'गुरिल्ला राजनीति'

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कभी अचानक धरना, कभी थाने की ओर कूच और कभी बिना किसी पूर्व सूचना के किसी स्थान पर पहुंच जानाराहुल गांधी की राजनीति में 'सरप्राइज' अब रणनीति का हिस्सा बनता दिखाई दे रहा है। हाल के दिनों में उनके कई राजनीतिक कदमों में औचक कार्रवाई, सीमित संख्या में समर्थकों के साथ पहुंचना और सरकार के खिलाफ सीधे विरोध का तरीका नजर आया है।

औचक कार्रवाई और सीमित दस्ता

राहुल गांधी लगातार केंद्र सरकार को घेरने के लिए जिस रणनीति का इस्तेमाल करते दिखाई दे रहे हैं, उसे राजनीतिक विश्लेषण में 'गुरिल्ला रणनीति' के रूप में देखा जा रहा है। कभी औचक धरना, कभी पुलिस थाने की ओर कूच और कभी अचानक किसी स्थान पर पहुंच जानाइन कार्रवाइयों में पहले से व्यापक सूचना नहीं होने की बात सामने आती रही है। कई मौकों पर राहुल

गांधी बड़ी भीड़ के बजाय अकेले या छोटे समूह के साथ पहुंचते दिखाई दिए हैं। इससे उनके राजनीतिक कार्यक्रमों में अचानकपन और प्रत्यक्ष टकराव का संदेश सामने आता है। हालांकि, इस तरह की रणनीति राहुल गांधी के लिए पूरी तरह नई नहीं है। इसकी झलक पहले भट्टा-पारसौल में भी दिखाई दी थी, जब वह मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसानों से मिलने पश्चिमी उत्तर प्रदेश पहुंच गए थे। ▶8पर

कांग्रेस आज मनाएगी 'काला दिवस', देशभर में प्रदर्शन का आह्वान

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अपने आंदोलन को और तेज करने का फैसला किया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कांग्रेस के कई नेता लगातार सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। इंडिया गठबंधन के तहत दिल्ली में भी लगातार विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। कांग्रेस समेत विपक्षी दल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। निर्वाचन आयोग के मामले को लेकर प्रदर्शन के दौरान विपक्षी इंडिया गठबंधन के सांसदों के साथ कथित बदसलूकी के विरोध में कांग्रेस ने 8 अक्टूबर को 'काला दिवस' मनाने का फैसला किया है। इसके तहत देशभर में राज्य, जिला और प्रखंड स्तर पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बुधवार ▶8पर

सीईसी नियुक्ति कानून पर विभाजित फैसले को वापस लेने की मांग

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति, सेवा शर्तों और कार्यकाल से संबंधित 2023 के कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं को बड़ी पीठ के पास भेजने के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के हालिया विभाजित फैसले को वापस लेने की मांग करते हुए शीर्ष अदालत में एक आवेदन दाखिल किया गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष आवेदन का उल्लेख किया। सीजेआई सूर्यकांत ने सुनवाई के लिए आवेदन सूचीबद्ध करने के अनुरोध पर कहा कि अदालत इस मामले की जांच करने के बाद निर्णय लेगी।शंकरनारायणन ने अदालत को बताया कि उन्होंने इससे पहले न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष भी इस आवेदन का उल्लेख किया था। उन्होंने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त से संबंधित मामले में विभाजित फैसला आया है और उस फैसले को ▶8पर

इंडिगो विमान पर गिरी बिजली

पटना से लखनऊ आ रही उड़ान के अगले हिस्से को नुकसान

लखनऊ, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पटना से लखनऊ आ रही इंडिगो की एक उड़ान बुधवार को खराब मौसम के बीच आकाशीय बिजली की चपेट में आ गई। घटना के समय विमान करीब 17 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। बिजली गिरने से विमान के अगले हिस्से यानी नोज को नुकसान पहुंचा। पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए विमान को सुरक्षित लखनऊ हवाईअड्डे पर उतार लिया।

उड़ान संख्या 6ई 925 ने पटना हवाईअड्डे से दोपहर 3:10 बजे उड़ान भरी थी। इसे शाम 4:20 बजे लखनऊ पहुंचना था, लेकिन आपात स्थिति को देखते हुए विमान की 4:05 बजे ही सुरक्षित लैंडिंग करा दी गई। विमान में कुल 104 यात्री सवार थे। लखनऊ हवाईअड्डे पर सभी यात्रियों को सुरक्षित विमान से बाहर उतार लिया गया।

यह घटना उस समय हुई, जब विमान खराब मौसम के बीच करीब 17 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। इसी दौरान आकाशीय बिजली विमान से टकरा गई, जिससे उसके अगले हिस्से को नुकसान पहुंचा। बिजली गिरने के बाद पायलट ने स्थिति को संभाला और विमान को लखनऊ हवाईअड्डे की ओर लाया गया।

पायलट ने विमान को लखनऊ हवाईअड्डे पर सुरक्षित उतारा। लैंडिंग के बाद सभी 104 यात्रियों को विमान से बाहर निकाल लिया गया। किसी यात्री के घायल होने की जानकारी नहीं है। तकनीकी दिक्कत के बाद विमान को लखनऊ हवाईअड्डे पर ही रोक दिया गया। फिलहाल इंजीनियरों की टीम विमान की तकनीकी जांच कर रही है। पटना से लखनऊ आने के बाद इसी विमान को उड़ान संख्या 6ई 6968 के रूप में लखनऊ से अहमदाबाद जाना था। हालांकि, विमान को हुए नुकसान के बाद इंडिगो ने ▶8पर

25 साल की सेवा यात्रा व्यक्तिगत महिमामंडन का अवसर नहीं

विकसित भारत का संकल्प दोहराने का दिन : मोदी

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में सरकार के प्रमुख के तौर पर 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर बुधवार को नई दिल्ली के सरोजनी नगर स्थित श्री विनायक मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। इसके बाद आयोजित विकसित भारत संकल्प सभा में उन्होंने कहा कि 25 वर्षों की यह यात्रा उनके लिए व्यक्तिगत महिमामंडन का अवसर नहीं, बल्कि देश के लिए नए संकल्प और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने का दिन है।

प्रधानमंत्री सुबह सबसे पहले सरोजनी नगर स्थित श्री विनायक मंदिर पहुंचे और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, आज नई दिल्ली के श्री विनायक मंदिर में पूजा-अर्चना की। भगवान श्री गणेश से देशभर के अपने परिवारजनों की सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। विघ्नहर्ता की कृपा से सबका कल्याण हो और देश निरंतर प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ता रहे।

विकसित भारत संकल्प सभा में प्रधानमंत्री ने 2047 तक विकसित भारत बनाने, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण और भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा, हम करके रहेंगे... वी विल डू इट। उपस्थित लोगों ने भी उनके साथ इस नारे को दोहराया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के 140 करोड़ देशवासी मिलकर 2047 का विकसित भारत जरूर बनाएंगे और देश अब रुकने वाला नहीं है।

जनता का विश्वास और सहयोग 25 वर्ष की यात्रा की सबसे बड़ी ताकत

प्रधानमंत्री ने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को जब उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी, तब उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि सरकार के प्रमुख के रूप में लगातार 25 वर्ष पूरे करने का अवसर भी आएगा। उन्होंने इस लंबी यात्रा को जनता के विश्वास, आशीर्वाद और सहयोग का परिणाम बताया।

उन्होंने कहा कि जीवन में उनके साथ खड़े होने वाले हर व्यक्ति ने उन्हें विश्वास की शक्ति दी। जिसने उन्हें जीत दिलाई, उसने विनम्र रहना सिखाया और जिसने गिराया, उसने फिर खड़े होकर आगे बढ़ना सिखाया। शुभचिंतकों ने प्रोत्साहित किया, जबकि आलोचकों ने उन्हें अपने भीतर झांकने का अवसर दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हर संकट उनके धैर्य की परीक्षा रहा और हर सफलता ने उनके भीतर दायित्व बोध को और मजबूत किया। उनके जीवन की कोई घटना व्यर्थ नहीं गई, बल्कि प्रत्येक घटना ने उन्हें कुछ न कुछ सिखाया। कोरोना महामारी ने उन्हें राष्ट्र के महत्व और सामूहिक शक्ति की चेतना दी, जबकि गांवों और गरीबों ने सिखाया कि साधन सीमित हो सकते हैं, लेकिन सपने बड़े और हौसले बुलंद होने चाहिए।

उन्होंने कहा कि हजारों वर्षों के सांस्कृतिक अनुभव वाले राष्ट्र की सेवा करते हुए उन्हें कभी अकेलापन महसूस नहीं हुआ। उन्होंने देश के करोड़ों स्वयंसेवकों और कार्यकर्ताओं को नमन करते हुए कहा कि उनके जीवन का ध्येय मां भारती की निस्वार्थ सेवा है और ऐसे स्वयंसेवकों का उन्हें हमेशा भरपूर सहयोग मिला है। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33^0
न्यूनतम : 21^0

भारत में स्टारलिंक को रोक रहे कुछ धन्नासेठ : एलन मस्क

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत में स्पेसएक्स की उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा स्टारलिंक अभी तक व्यावसायिक रूप से शुरू नहीं हो पाई है। सेवा शुरू करने के लिए जरूरी अंतिम मंजूरियों का इंतजार कर रही कंपनी के संस्थापक एलन मस्क ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस देरी को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने किसी व्यक्ति या कंपनी का नाम लिए बिना आरोप लगाया कि कुछ प्रभावशाली कारोबारी हित स्टारलिंक को भारत में प्रवेश करने से रोक रहे हैं, ताकि भारतीय उपभोक्ताओं पर अपना एकाधिकार बनाए रखा जा सके।

मस्क ने लिखा, दुर्भाग्य से कुछ धन्नासेठ हमें रोक रहे हैं, ताकि भारतीय लोगों पर

अपना एकाधिकार बनाए रखा जा सके। आप अंदाजा लगा सकते हैं कि वे कौन हैं... यह भारत की जनता के खिलाफ अपराध है।

गौरतलब है कि मस्क की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2026 के उद्घाटन से कुछ घंटे पहले सामने आई। स्टारलिंक की ओर से उसी दिन भारत में अपनी तैयारियों और नियामकीय मंजूरियों को लेकर भी जानकारी दी गई।

मस्क ने जिस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी, उसमें भारत के उन इलाकों में तेज इंटरनेट पहुंचाने के लिए स्टारलिंक की जरूरत पर जोर दिया गया था, जहां पारंपरिक दूरसंचार ढांचा पहुंचाना मुश्किल है। इसी पोस्ट के जवाब में मस्क ने बिना किसी का नाम लिए कुछ प्रभावशाली कारोबारी समूहों पर स्टारलिंक के प्रवेश में बाधा डालने का आरोप लगाया।मस्क की प्रतिक्रिया वाली पोस्ट में दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, मई 2026 तक भारत के 11,256 गांवों में 4जी कवरेज नहीं पहुंच पाई थी। वहीं, मार्च 2026 के आंकड़ों के अनुसार भारत में कुल 1.093 अरब इंटरनेट ग्राहक थे, लेकिन इनका वितरण समान नहीं था। ▶8पर

तसलीमा ने बांग्लादेश सरकार पर उठाए सवाल

कट्टरपंथ खत्म करने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में बढ़ते कट्टरपंथ को लेकर लेखिका तसलीमा नसरीन ने तारिक रहमान सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कट्टरपंथी समूहों को बढ़ावा दे रही है। तसलीमा नसरीन ने कहा कि सरकार के समर्थन की वजह से बांग्लादेश में जिहादी कट्टरपंथी समूह बढ़े हैं। अगर देश को स्वस्थ और सभ्य बनाना है तो इन अतिवादी कट्टरपंथियों का विरोध करना ही होगा।

उन्होंने कहा कि इस कट्टरपंथ को खत्म करने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है।कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पहुंचने के बाद पत्रकारों से बातचीत में तसलीमा नसरीन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि बांग्लादेश और भारत के बीच दोस्ताना रिश्ते बने रहेंगे।

बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान की भारत यात्रा की संभावना और दोनों देशों के संबंधों पर इसके असर के बारे में पूछे जाने पर नसरीन ने कहा कि स्थिति अभी अनिश्चित है।

उन्होंने कहा, जिस तरह बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी को बढ़ावा दिया जा रहा है और कट्टरपंथियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई से बचा जा रहा है, उससे यह साफ नहीं है कि रिश्ते किस दिशा में जाएंगे। ▶8पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पाकिस्तान ने वियना और जिनेवा में सिंधु जल संधि को बनाया मोहरा

वियना (आस्ट्रिया) /जिनेवा (स्विट्जरलैंड)

पाकिस्तान ने एक बार फिर सिंधु जल संधि को मोहरा बनाते हुए भारत को घेरने की कोशिश की। उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने तो वियना में इंटरनेशनल वाटर सिम्पोजियम में भारत को गंभीर परिणाम की चेतावनी दे डाली।

जिनेवा में सचिव (प्रथम) अदील मुमताज खोखर ने संयुक्त राष्ट्र में राजनीतिक दबाव बनाने के लिए पानी के इस्तेमाल पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि सिंधु जल संधि को लेकर भारत का कदम पानी को हथियार बनाने जैसा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि साझा जल संसाधनों का इस्तेमाल दबाव डालने, राजनीतिक लाभ उठाने या युद्ध के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इशाक डार ने वियना की डिप्लोमैटिक एकेडमी के तत्वावधान में आयोजित इंटरनेशनल वाटर सिम्पोजियम (अंतरराष्ट्रीय जल संगोष्ठी) में कहा कि सिंधु जल का हिस्सा न देने की किसी भी कोशिश के क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं। डार ने कहा कि इस्लामाबाद को पता है कि उसे अपने अधिकारों की रक्षा कैसे करनी है।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल अप्रैल में भारत ने इस जल समझौते को स्थगित कर दिया था। यह कदम भारत ने कश्मीर में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद उठाया था। इसके बाद मई 2025 में दोनों देशों के बीच सैन्य संघर्ष हुआ था। डार ने जोर देकर कहा कि सिंधु जल संधि और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने अधिकारों और हितों की रक्षा करने के पाकिस्तान के दृढ़ संकल्प के बारे में किसी को कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, सिंधु नदी का जल देश के 25 करोड़ से ज्यादा लोगों की जिंदगी और रोजी-रोटी का जरिया है। पाकिस्तान के सचिव (प्रथम) खोखर ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 63वें सत्र में पाकिस्तान का पक्ष रखा। परिषद सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता के मानवाधिकार पर एक प्रस्ताव पर विचार कर रही थी। इस प्रस्ताव को जर्मनी और स्पेन ने पेश किया। इस प्रस्ताव को बिना मतदान के अपना लिया गया। खोखर ने कहा, जहां पानी साझा किया जाता है, वहां जिम्मेदारियां भी साझा होती हैं। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों के बीच साझा जल संसाधनों पर सहयोग कोई एहसान या रियायत का मामला नहीं है, बल्कि एक साझा जिम्मेदारी है।

खोखर ने कहा, कोई भी अपस्ट्रीम देश (नदी के बहाव की दिशा में ऊपर स्थित देश) पानी का इस्तेमाल राजनीतिक दबाव या प्रभाव डालने के साधन के तौर पर नहीं कर सकता है। उन्होंने जोर दिया कि पानी का प्रबंधन सहयोग और आपसी जिम्मेदारी के सिद्धांतों के आधार पर किया जाना चाहिए, न कि राजनीतिक दबाव के साधन के तौर पर। खोखर ने सिंधु जल संधि से जुड़े भारत के एकतरफा कदम को पानी को हथियार बनाना बताया और कहा कि पानी कभी भी दबाव डालने, राजनीतिक लाभ उठाने या युद्ध का साधन नहीं बनना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

सऊदी अरब में तैनात होंगे पाकिस्तान और तुर्की के सैनिक, यमन में हूतियों के खिलाफ आर-पार की जंग शुरू

सना। यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान हो चुका है। हूती और सऊदी समर्थित यमनी सेना के बीच छिड़ी इस जंग के बीच अब मक्का डिफेंस पैक्ट पूरी तरह सक्रिय हो गया है, जिसके तहत पाकिस्तान और तुर्की की सैन्य एंट्री हो रही है। सऊदी अरब की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए दोनों देश तेजी से अपने सैनिक तैनात करेंगे। यह कड़ा फैसला यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा लगातार बढ़ाए जा रहे हमलों और क्षेत्रीय तनाव के मद्देनजर लिया गया है। यह बड़ा रणनीतिक निर्णय सोमवार को रियाद में आयोजित एक उच्चस्तरीय आपात बैठक के बाद सामने आया। सऊदी अरब की राजधानी में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व ने हिस्सा लिया। विचार-विमर्श के बाद तीनों देशों द्वारा जारी संयुक्त बयान में स्पष्ट किया गया कि सऊदी अरब की सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ किसी भी खतरे या हमले को पूरी तरह से खारिज किया जाता है। सामूहिक रक्षा प्रतिबद्धताओं को अब तुरंत जमीन पर उतारने पर सहमति बनी है, जिसके तहत आवश्यक सैन्य बल और संसाधन तेजी से सऊदी अरब भेजे जाएंगे। गौरतलब है कि सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की के बीच यह आपसी रक्षा समझौता इसी साल अगस्त में हुआ था। इस समझौते के प्रावधानों के अनुसार, यदि गठबंधन के किसी भी देश पर बाहरी हमला होता है, तो बाकी देश उसकी रक्षा के लिए एकजुट होकर आगे आएंगे।

रूस में ब्लैक सी तट के पास तेल टैंकर पर ड्रोन हमला, चालक दल के 23 सदस्यों को बचाया गया

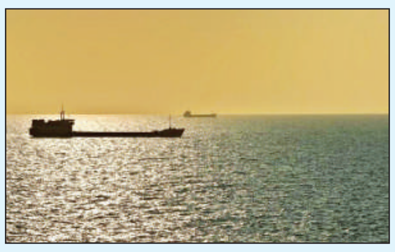

मास्को। रूस के काला सागर (ब्लैक सी) तट पर ड्रोन और बिना चालक वाली सतही नावों से किए गए हमले से लाइबेरिया के ध्वज वाले तेल टैंकर एफ्रामैक्स रियो में आग लग गई। इस टैंकर पर चालक दल के 23 सदस्य सवार थे। रूसी अधिकारियों के अनुसार, सभी को सुरक्षित बचा लिया गया और किसी को चोट नहीं आई। तास की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया है कि बचाए गए चालक दल के सदस्य भारतीय नागरिक हैं। तास की रिपोर्ट के अनुसार, रूस के परिवहन मंत्रालय ने बताया कि टैंकर पर हमले के बाद सोची के पास ब्लैक सी में आग लग गई। क्रूड आयल खुले समुद्र में जलने लगा। मंत्रालय ने बताया कि टैंकर पर आग लगी हुई है। आग बुझाने का काम उसकी तीव्रता कम होने के बाद शुरू किया जाएगा। परिवहनमंत्री आंद्रे निकितिन ने कहा कि आग बुझाने के लिए उपलब्ध संसाधन और बल काफी हैं। टैंकर पर हमले के बाद रूस के परिवहनमंत्री आंद्रे निकितिन ने संकट से निपटने के लिए आपात बैठक की। परिवहन मंत्रालय ने बताया कि एफ्रामैक्स रियो टैंकर के क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया और किसी की जान नहीं गई। इस दौरान सिरीयस संघीय क्षेत्र में समुद्र तट बंद कर दिए गए और हवा व पानी की गुणवत्ता की निगरानी की जा रही है।

फ्लाईदुबई सुरक्षा चूकः ओमान, यूएई और इजराइल की नाकाम सुरक्षा व्यवस्था

रियाद। फ्लाईदुबई की उड़ान में हुई घटना, जहां कप्तान के पीछे खड़े एक पायलट ने आपातकालीन कुल्हाड़ी उठाने का प्रयास किया, काकपिट से पहले ही रोकी जा सकती थी। इस घटना ने ओमान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और इजरायल की सुरक्षा प्रणालियों में गहरी और बहु-स्तरीय खामियों को दिखाया है। रिपोर्ट के अनुसार, इस पूरे मामले की शुरुआत ओमान में हुई थी, जहां पायलट हमाम अल-हम्मामी को लेकर पहली बार चिंताएं सामने आई थीं। ओमान एयर ने हम्मामी की आनलाइन गतिविधियों की जांच की और जिसमें पाया कि वह कट्टरपंथी विचारधारा में अत्यधिक प्रभावित था। इसके परिणामस्वरूप, हम्माली को उड़ान ड्यूटी से हटाकर एक डी-रेडिकलाइजेशन प्रोग्राम से गुजारा गया और बाद में डेस्क जाब दी गई। हालांकि, यहीं पहली बड़ी चूक हुई कि ओमान ने हम्मामी को खतरे के तौर पर पहचाना, लेकिन उसकी यह महत्वपूर्ण जानकारी व्यापक तौर पर अन्य देशों या एयरलाइंस के साथ साझा नहीं की। इसी चूक का सीधा फायदा हम्मामी को मिला। ओमान की जानकारी साझा न करने के कुछ समय बाद, फ्लाईदुबई ने नौकरी पर रख लिया। रिपोर्ट के मुताबिक, एयरलाइन ने उसकी पिछली नौकरी के बारे में ओमान एयर से संपर्क नहीं किया और न ही उसके बारे में सामने आई गंभीर चिंताओं की जानकारी ली। फ्लाईदुबई ने केवल उसका क्रिमिनल बैकग्राउंड चेक किया, जो अपर्याप्त साबित हुआ।

अगर धमकियों के पीछे ईरान का हाथ हुआ तो उसे चुकानी पड़ेगी भारी कीमत

अमेरिका ने ब्रिटेन से हटाए थे अपने सबसे खतरनाक बमवर्षक विमान

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर ब्रिटेन में मिली धमकियों के पीछे ईरान का हाथ हुआ, तो उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इन धमकियों के बाद अमेरिका ने ब्रिटेन से अपने सबसे खतरनाक बमवर्षक विमानों को वहां से हटा लिया था। हालांकि, ट्रंप ने यह भी कहा कि वह ईरान के साथ सीधी बातचीत करने के लिए तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप से पूछा गया कि क्या किसी खास खतरे की वजह से अमेरिका ने अपने बमवर्षक विमानों को ब्रिटेन से हटाया, तो उन्होंने कहा कि धमकियां मिली थीं। ट्रंप ने कहा कि दुश्मन को मौका देने के बजाय हम उसे पकड़ेंगे और हराएंगे। हमें अपने विमानों को वहां छोड़ने की क्या जरूरत है इसलिए हमने उन्हें थोड़ा इधर-उधर कर दिया है। हालांकि, शुरुआत में ट्रंप ने यह नहीं बताया कि इन धमकियों के पीछे कौन था। बाद में उनसे पूछा गया कि क्या ईरान के ब्रिटेन में लड़ाकू ड्रोन लाने का खतरा था और क्या इसी वजह से अमेरिकी सैन्य संसाधनों को दूसरी जगह भेजा गया।

इस पर ट्रंप ने कहा कि मैं आपको यह नहीं बता सकता, लेकिन अगर उन्होंने ऐसा किया है तो उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसके बाद ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों को पता है कि धमकी के पीछे कौन लोग थे। हमें यह भी पता है कि धमकी देने वाले लोग कौन हैं और अब वे बड़ी मुश्किल में हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या ब्रिटेन अभी भी अमेरिकी बलों के लिए सुरक्षित है, ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि हां। आपके नए प्रधानमंत्री के साथ मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह ईरान के साथ सीधी बातचीत के लिए तैयार हैं, तो उन्होंने कहा कि हां, हमेशा।

ट्रंप ने कहा कि हां, मुझे ऐसा लगता है। व्यक्तिगत तौर पर मैं यही मानता हूं। हालांकि, इस बातचीत के दौरान ट्रंप ने अपने आरोप के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया और न ही ज्यादा जानकारी साझा की। तेल और ईंधन की कीमतों के साथ रूसी रिफाइनरियों पर हमलों के असर की बात करते हुए भी ट्रंप ने ईरान का जिक्र किया।

550 सालों से खड़ा हवाई का ऐतिहासिक होलेई सी आर्च समुद्री तूफान में ढहा

आइलैंड। प्रशांत महासागर की तूफानी लहरों के बीच 550 सालों से खड़ा हवाई का ऐतिहासिक होलेई सी आर्च अब इतिहास के पन्नों में दर्ज हो चुका है। ज्वालामुखी के लावे से बनी यह करीब 90 फीट ऊंची प्राकृतिक मेहराब एक भयंकर चक्रवाती तूफान और समुद्री लहरों के प्रचंड दबाव को झेल नहीं सकी और ताश के पत्तों की तरह ढहकर प्रशांत महासागर की गहराइयों में समा गई। हवाई के बिग आइलैंड पर स्थित हवाई वोल्केनो नेशनल पार्क में मौजूद यह चट्टान, सैलानियों और फोटोग्राफरों के लिए एक बहुत पसंदीदा ठिकाना थी, जो अब हमेशा के लिए मिट गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी नेशनल पार्क सर्विस ने इस प्राकृतिक धरोहर के खत्म होने की पुष्टि की है। रिपोर्ट के मुताबिक 23 सितंबर तक यह विशाल सी आर्च अपनी जगह पर सुरक्षित था, लेकिन 27 सितंबर को जब पार्क के कर्मचारी निरीक्षण करने पहुँचे तो वह विशाल ढांचा गायब था। माना जा रहा है कि उस दौरान इलाके में आए भयंकर उष्णकटिबंधीय तूफान नोलो के कारण उठी विशाल लहरों और तूफानी हवाओं के दबाव ने इस जर्जर चट्टान को धराशायी कर दिया है। गनीमत यह रही कि तूफान के चलते पार्क को पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया था, जिससे हादसे के समय वहां कोई मौजूद नहीं था और किसी तरह का जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। होलेई सी आर्च का निर्माण करीब 550 साल पहले हुआ था जब कीलाउए ज्वालामुखी से बहता गर्म लावा सीधे समुद्र के ठंडे पानी में गिरा, जिससे कठोर काले पत्थर की एक चट्टानी ढलान बन गई। इसके बाद सैकड़ों सालों तक प्रशांत महासागर की ताकतवर लहरों ने चट्टान के निचले नरम हिस्से को काटकर एक खूबसूरत मेहराब बना दिया। रिपोर्ट के मुताबिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह चट्टान अचानक नहीं गिरी, बल्कि इसकी तबाही पिछले कुछ सालों में लिखी जा चुकी थी। साल 2018 में कीलाउए ज्वालामुखी के भयानक विस्फोट और लगातार आए भूकंपों ने इस प्राचीन चट्टान की नींव हिला दी थी। जनवरी 2020 में इसमें नई और गहरी दरारें पड़ गई थीं, जिसके बाद पर्यटकों के लिए व्यूइंग एरिया को सील कर दिया गया था। आखिरकार 2026 के चक्रवाती तूफान नोलो की भीषण लहरों ने इस विरासत पर आखिरी चोट की, और एक प्राकृतिक अजूबा हमेशा के लिए समुद्र में समाकर खत्म हो गया।

सूरज और चांद का गुरुत्वाकर्षण कर सकता है धरती के भीतर हलचल पैदा

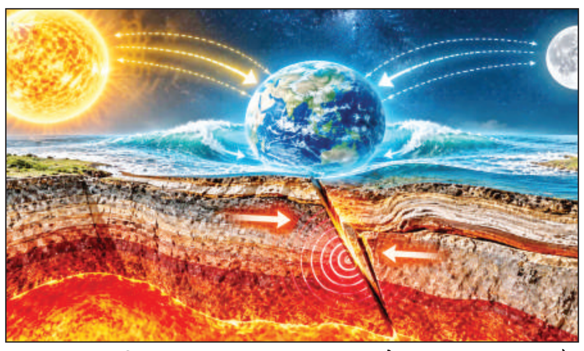

वाशिंगटन

शोधकर्ता वैज्ञानिकों का दावा है कि सूरज और चांद का गुरुत्वाकर्षण धरती की ठोस सतह और उसके भीतर मौजूद चट्टानों पर भी हल्का दबाव डालता है। यह गुरुत्वाकर्षण केवल समुद्र में ज्वार-भाटा पैदा है नहीं करता, बल्कि यही टाइडल स्ट्रेस कुछ विशेष फाल्ट्स में बेहद धीमी गति से होने वाले भूकंप यानी स्लो अर्थक्वेक को ट्रिगर भी कर सकता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, लंबे समय से यह जानकारी थी कि सूरज और चांद का गुरुत्वाकर्षण धरती के भीतर हलचल पैदा कर सकता है, लेकिन इसके पीछे काम करने वाला सटीक तंत्र पूरी तरह स्पष्ट नहीं था। नई कंप्यूटर माडलिंग से संकेत मिला है कि इसमें रेजोनेंस यानी तालमेल की भूमिका हो सकती है। जब टाइडल फोर्स की आवृत्ति किसी फाल्ट के प्राकृतिक प्रतिक्रिया समय से मेल खाने लगती है, तो मामूली दबाव भी चट्टानों की धीमी हलचल को बढ़ा सकता है। इसे झूले के उदाहरण से समझा जा सकता है। यदि झूले को सही समय और सही लय के साथ बार-बार धक्का दिया जाए तो हल्का धक्का भी उसके झूलने की गति बढ़ा देता है। इसी तरह, पहले से तनावग्रस्त फाल्ट पर अंतरिक्षीय गुरुत्वाकर्षण का मामूली प्रभाव चट्टानों के खिसकने में योगदान दे सकता है। रिसर्च में टाइडल दबाव की मात्रा महज कुछ किलोपास्कल बताई गई है। यह दबाव बहुत कम है, लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में फाल्ट की धीमी हलचल शुरू करने के लिए पर्याप्त हो सकता है।

वैज्ञानिकों ने इसे समझने के लिए रेट-एंड-स्टेट फ्रिक्शन के नियमों पर आधारित स्प्रिंग-ब्लाक माडल का इस्तेमाल किया। इस माडल में चट्टानों के बीच घर्षण और उनके खिसकने की गति को शामिल किया गया। दक्षिण-पश्चिम जापान और उत्तरी अमेरिका के कैस्केडिया क्षेत्र में दर्ज होने वाले कुछ भूमिगत ट्रेमर्स भी इस अध्ययन के संदर्भ में महत्वपूर्ण हैं। इन क्षेत्रों में कंपन की गतिविधि लगभग 12 और 24 घंटे के चक्र के साथ बढ़ती देखी गई है, जो ज्वार-भाटा के चक्र से मेल खाता है। हालांकि वैज्ञानिकों का कहना है कि टाइडल फोर्स और भूकंपीय गतिविधि के बीच संबंध सीधा और हर स्थिति में एक जैसा नहीं है। अध्ययन फिलहाल फाल्ट के एक सीमित हिस्से पर केंद्रित है।

हिमालयी ग्लेशियल झीलों का खतरा कम करेगा नेपाल

काठमांडू । हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने के कारण ग्लेशियल झीलों (ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड - जीएलओएफ) के बढ़ते खतरे को देखते हुए, नेपाल सरकार ने एक महत्वपूर्ण परियोजना शुरू करने की योजना बनाई है। इसके तहत, देश की चार सबसे संवेदनशील झीलों का जलस्तर कम किया जाएगा ताकि अचानक बाढ़ आने के जोखिम को कम किया जा सके। लगभग 415 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना का उद्देश्य संभावित ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड से होने वाले नुकसान को नियंत्रित करना है, जिसका असर न केवल नेपाल में बल्कि भारत के सीमावर्ती मैदानी इलाकों तक भी पहुंच सकता है। परियोजना के अंतर्गत, जिन चार झीलों का जलस्तर नियंत्रित किया जाएगा, वे हैं दुलागी, लोअर बारुण, लुमडिंग त्शो और होंगू द्वितीय। ये झीलें मध्य और पूर्वी नेपाल के दुर्गम हिमालयी क्षेत्रों में स्थित हैं, जिनकी ऊंचाई समुद्र तल से लगभग 13,280 से 18,000 फीट के बीच है। इतनी ऊंचाई पर कम तापमान, आक्सीजन की कमी, हिमस्खलन और अचानक बाढ़ जैसी परिस्थितियां इस परियोजना को बेहद चुनौतीपूर्ण बनाती हैं। इन कठिनाइयों के बावजूद, नेपाल सरकार इस महत्वपूर्ण कार्य को अंजाम देने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि लाखों लोगों के जीवन और संपत्ति की रक्षा की जा सके।

धार्मिक गतिविधियों में शामिल दंपतियों में शारीरिक संबंधों की आवृत्ति ज्यादा: अध्ययन

वाशिंगटन

अमेरिका में हुए ताजा अध्ययन में धार्मिक प्रवृत्ति वाले दंपतियों के यौन जीवन को लेकर अलग तस्वीर सामने आई है। नियमित रूप से धार्मिक गतिविधियों में शामिल होने वाले दंपतियों में शारीरिक संबंधों की आवृत्ति और उनसे मिलने वाली संतुष्टि, धर्मनिरपेक्ष लोगों की तुलना में अधिक पाई गई। यह अध्ययन अमेरिका के लोगों पर इंस्टीट्यूट फार फैमिली स्टडीज की ओर से किया गया। रिपोर्ट में मुख्य रूप से ईसाई दंपतियों को शामिल किया गया था, हालांकि अन्य धार्मिक समूहों में भी इसी तरह के रुझान देखने की बात कही गई है। अध्ययन ऐसे समय में सामने आया है, जब अमेरिका समेत कई देशों में युवाओं के बीच यौन संबंधों को लेकर रुचि में कमी की चर्चा हो रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक 1990 के दशक में 20 से 54 वर्ष की आयु के करीब 64 प्रतिशत दंपति सप्ताह में कम से कम एक बार यौन संबंध बनाते थे। उस समय धार्मिक और धर्मनिरपेक्ष लोगों के बीच इस मामले में बहुत बड़ा अंतर नहीं था। हालांकि, मौजूदा आंकड़ों में धर्मनिरपेक्ष लोगों के बीच यह अनुपात घटकर करीब 48 प्रतिशत रह गया है, जबकि धार्मिक प्रवृत्ति वाले करीब 62 प्रतिशत लोग नियमित रूप से शारीरिक संबंध बनाने की बात सामने आई है। अध्ययन में यह भी दावा किया गया है कि धार्मिक प्रवृत्ति वाले दंपतियों में यौन संतुष्टि का स्तर अधिक पाया गया। रिपोर्ट के अनुसार, जब विवाह और यौन जीवन को पवित्रता और पारिवारिक मूल्यों से जोड़ा जाता है, तो दंपतियों के बीच संबंधों को लेकर सकारात्मक माहौल बन सकता है। साथ ही, एक-दूसरे के प्रति वफादारी और क्षमा जैसे गुण वैवाहिक संबंधों को मजबूत करने में मदद कर सकते हैं।

रिपोर्ट में साथ मिलकर प्रार्थना करने को भी दंपतियों के बीच भावनात्मक नजदीकी से जोड़ा गया है। इसके अनुसार, धार्मिक गतिविधियां पति-पत्नी के बीच आपसी समझ और भावनात्मक जुड़ाव बढ़ाने में भूमिका निभा सकती हैं। ऐसे दंपति पारिवारिक तनाव और वैवाहिक मतभेदों को बेहतर तरीके से संभालने की कोशिश करते हैं।

जापान ने बनाई हाइपरसोनिक मिसाइल, स्पीड में ब्रह्मोस से ज्यादा खतरनाक

रफ्तार 6200 किमी प्रति घंटा, 20 मिनट में मचा सकती है बीजिंग में तबाही

टोक्यो

एशिया-पैसिफिक में दुनिया के अन्य क्षेत्रों की तरह ही हथियारों की होड़ बढ़ गई है, वजह है चीन से खतरा। डोनाल्ड ट्रंप जब से अमेरिका के दोबारा राष्ट्रपति का पद संभाला है, मित्र देशों के प्रति वाशिंगटन का रवैया बदल गया है। ऐसे में जापान समेत एशिया-पैसिफिक के कई देशों को अपनी सुरक्षा खुद करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यह वजह है कि इस क्षेत्र के कई देशों ने भारत से दुनिया की सबसे खतरनाक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस खरीदने का फैसला किया है। रिपोर्ट के मुताबिक कुछ देशों ने करार कर लिया है, तो कई अन्य देश कतार में हैं। इन सब डेवलपमेंट के बीच जापान से बड़ी खबर सामने आई है।

जापान ने हाइपरसोनिक मिसाइल डेवलप की है, जिसकी रफ्तार 6200 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा है। मान लिया जाए कि जापानी मिसाइल की रफ्तार मैक-5 ही है तो तकरीबन 20 मिनट में चीन की राजधानी बीजिंग में तबाही लाई जा सकती है। जापान की नई हाइपरसोनिक मिसाइल चीन के लिए बड़ा खतरा है, क्योंकि अत्यधिक तेज गति वाली मिसाइल को इंटरसेप्ट करना किसी भी एयर डिफेंस सिस्टम के लिए बड़ा चैलेंज है।

रिपोर्ट के मुताबिक कैंप फूजी में सामने आए नए वीडियो में जापान ग्राउंड सेल्फ-डिफेंस फोर्स की इकाई को इस हथियार प्रणाली को फायरिंग पोजिशन पर ले जाते, लान्चर को तैयार करते और फिर वहां से वापस हटते देखा गया। यह जापान के पहले घरेलू स्तर पर विकसित हाई-स्पीड ग्लाइड वेपन की आपरेशनल कैपेबिलिटी का अब तक का सबसे स्पष्ट प्रदर्शन माना जा रहा है। टाइम 25 को 31 मार्च को जापानी सेना में शामिल किया गया था। यह पहली बार है जब जापान ने घरेलू स्तर पर निर्मित स्टैंड-आफ मिसाइलों को अपनी सेल्फ-डिफेंस फोर्स की आपरेशनल यूनिट को सौंपा है। जापान ने अभी तक टाइप 25 की सटीक मारक दूरी सार्वजनिक नहीं की है। हालांकि, वह इससे अधिक दूरी तक मार करने वाले एडवांस वेरिएंट पर काम कर रहा है।

यह सिस्टम जापान की व्यापक लान्ग-रेंज स्ट्राइक रणनीति का हिस्सा है, जिसमें एडवांस टाइम 12 मिसाइलों, अमेरिकी क्रूज मिसाइलों और नई स्वदेशी हाइपरसोनिक मिसाइलों का विकास एवं खरीद शामिल है। इस तरह जापान की टाइप 25 रेंज और स्पीड के मामले में ब्रह्मोस से दोगुनी खतरनाक है।

जापान के 2026 डिफेंस व्हाइट पेपर में अलग-अलग दूरी, गति, फ्लाइट प्रोफाइल और लान्च प्लेटफार्म वाली स्टैंड-आफ मिसाइलों के विकास, उत्पादन और अधिग्रहण में तेजी लाने की बात कही गई है। टाइप 25 का विकास ऐसे समय में हुआ है जब चीन की बढ़ती नौसैनिक और एयर पावर जापान के लिए बड़ी रणनीतिक चुनौती बन रही है। लंबी दूरी और तेज गति वाले ग्लाइड हथियार जापान को अपने लड़ाकू विमानों, पनडुब्बियों या युद्धपोतों को सीधे खतरे में डाले बिना दुश्मन के युद्धपोतों और एयरबेस को निशाना बनाने की क्षमता दे सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

इच्छाशक्ति की कमी आपको भावनात्मक और मानसिक परेशानियों में फँसा सकती है। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है पारिवारिक सदस्यों की मदद आपकी ज़रूरतों का ख़याल रखेगी। अगर आप खुले दिल से अपनी बात रखें, रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जीवन की गाड़ी को अच्छे से चलाना चाहते हैं तो आज आपको पैसे की आवाजाही पर विशेष ध्यान देना होगा। अगर आप अपने आकर्षण और होशियारी का इस्तेमाल करें, तो लोगों से मनचाहा व्यवहार पा सकते हैं। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आज आप एक ऐसी परियोजना पूरी कर राहत की सांस लेंगे, जिसे आपके बहुत पहले शुरू किया था। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। जीवनसाथी के साथ वाद–विवाद होने की काफ़ी संभावना है। काम से फुर्सत लेकर कुछ रिलैक्स करें ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता हैं हालात का सामना धैर्य से करना ही अच्छे परिणाम दे सकता है। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ दिलचस्पी पैदा करेगा अचानक आज आप काम से छुट्टी लेने का प्लान बना सकते हैं और अपने परिवार के साथ वक्त बिता सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अनचाहा कोई महमान आज आपके घर आ सकता है पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। जो भी बोलें, सोच–समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी । भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। आज घर में किसी पार्टी की वजह से आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

दोस्तों के साथ शाम सुखद रहेगी लेकिन ज़्यादा खाने से बचें। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। अपने बच्चों को अपने उदार बर्ताव का बेजा फ़ायदा न उठाने दें। अचानक हुई रोमांटिक मुलाक़ात आपके लिए उलझन पैदा कर सकती है। दूसरे आपसे काफ़ी ज़्यादा समय की मांग कर सकते हैं। उनसे किसी भी तरह का वादा करने से पहले यह देख लें कि आपका काम उससे प्रभावित न हो किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगें

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप महसूस करेंगे कि आस–पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को ख़ुश करने के लिए ख़ुद को तनाव से नहीं थकाएँ। अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद आप थकान के चंगुल में फँसने से बचे रहेंगे। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े–बुजुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। अपने प्रिय को आज निराश न करें आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। जीवनसाथी की ओर से इससे निबटने में काफ़ी मदद मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सकारात्मक सोच के ज़रिए इस समस्या से निजात पाएँ। वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। अपने प्रिय की बेजा मांग के आगे न झुकें। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ उन लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा, जो आप पर नज़दीकी से ग़ौर करते हैं। पूजा–पाठ का आयोजन घर मे होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। आपका आकर्षक स्वभाव और ख़ुशमिज़ाज व्यक्तित्व नए दोस्त बनाने में आपकी मदद करेगा और आपके सम्पर्क में इज़ाफ़ा करेगा। आप दफ़्तर में माहौल में बेहतरी और कामकाज के स्तर में सुधार को महसूस कर सकते हैं। घर के छोटे सदस्यों के साथ गप्पें लगाकर आज आप अपने खाली समय का अच्छा इस्तेमाल कर सकते हैं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा ।

आज का पंचांग

दिनांक : 08 अक्टूबर 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आश्विन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 10:17 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी रात्रि 09:20 तक
योग : शुक्ल रात्रि 12:57 तक
करण : गर प्रातः 10:45 तक
चन्द्रराशि : सिंह रात्रि 03:18 तक
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 05:58 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:04 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 05:56 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 05:50 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत, त्रयोदशी श्राद्ध , मासिक शिवरात्रि व्रत

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

दिव्यांग बच्चों के विकास में अभिभावकों की भूमिका महत्वपूर्ण : श्रीनिवास रेड्डी

निजामाबाद, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। निजामाबाद शहर के तारकराम नगर में स्नेहा सोसाइटी फॉर रूरल रिकंस्ट्रक्शन द्वारा संचालित अंडुला विशेष विद्यालय में अभिभावकों की बैठक मंगलवार को आयोजित की गई। कार्यक्रम में श्रीनिवास रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और अभिभावकों को संबोधित किया।इस अवसर पर श्रीनिवास रेड्डी ने 100 विद्यार्थियों के अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों का सावधानीपूर्वक पालन–पोषण करें तथा उनकी दिव्यांगता को नजरअंदाज किए बिना उन्हें समाज के उपयोगी नागरिक बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करें। उन्होंने कहा कि बच्चों को अच्छा विद्यार्थी एवं जिम्मेदार नागरिक बनाने में अभिभावकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि उन्होंने बच्चों के अनुशासन एवं प्रगति के लिए काम करने वाले कई संगठनों के बारे में सुना है, लेकिन समाज में बच्चों के लिए समर्पित भाव से कार्य करने वाले संगठन बहुत कम देखने को मिलते हैं। उन्होंने स्नेहा सोसाइटी के अंडुला विशेष विद्यालय के विद्यार्थियों की प्रगति की सराहना की।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्नेहा सोसाइटी के सचिव ने अंडुला विशेष विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए संस्था द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की जानकारी दी। साथ ही केंद्र सरकार के आदेशों के अनुसार विद्यालय में गठित की जाने वाली स्थानीय परियोजना समिति के चुनाव की प्रक्रिया की समीक्षा की गई।

इस दौरान अंडुला विशेष विद्यालय के विद्यार्थियों के अभिभावकों ने नई समिति का चुनाव किया। बताया गया कि नई समिति दो वर्ष तक कार्य करेगी। इससे पहले गठित समिति में पूर्व पार्षद श्रीमती चंद्रकला अध्यक्ष, जीवन राव उपाध्यक्ष, जी. सुधा शिक्षक संयोजक तथा अभिभावक तलारी अब्राहम और इसरत बेगम सदस्य थीं। उनका कार्यकाल पूरा होने के बाद नई समिति का गठन किया गया।नई समिति में माला कोंडैया को अध्यक्ष, कनकैय्या को उपाध्यक्ष, वेंकटेश को शिक्षक संयोजक तथा अभिभावक अन–राधा और हरि किरण नायक को समिति सदस्य चुना गया।

कार्यक्रम में अंडुला विशेष विद्यालय की प्रधानाचार्य एस. ज्योति, मानसिक रूप से दिव्यांग विद्यालय की प्रधानाचार्य राजेश्वरी, मानसिक रूप से दिव्यांग विद्यार्थियों के अभिभावक तथा विद्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

जैविक कृषि का भविष्य तय करने के लिए शुरू हुआ बायोएग्री 2026

हैदराबाद, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत में टिकाऊ जैविक कृषि (सस्टेनेबल बायोलॉजिकल एग्रीकल्चर) के अग्रणी सम्मेलन 'बायोएग्री 2026' का छठा वार्षिक संस्करण आज हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में शुरू हुआ। बायोएग्री इनपुट प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (बीआईपीए) द्वारा आयोजित दो दिवसीय इस शिखर सम्मेलन का उद्घाटन भारत सरकार के पूर्व संयंत्र संरक्षण सलाहकार डॉ. जे.पी. सिंह ने किया। इस वर्ष सम्मेलन का मुख्य विषय बायोलॉजिकल इंटेलिजेंस एंड स्मार्ट एग्रीकल्चर रखा गया है, जिसमें 20 से अधिक राज्यों के 1,000 से अधिक प्रतिनिधि, 60 से अधिक प्रदर्शक और दर्जनों स्टार्टअप्स भाग ले रहे हैं।

जैविक समाधान और स्मार्ट तकनीक ही भविष्य

उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण देते हुए डॉ. जे.पी. सिंह ने कहा कि जैविक कृषि अब केवल एक सीमित क्षेत्र नहीं रह गया है, बल्कि यह टिकाऊ खेती का एक प्रमुख स्तंभ बन रहा है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारतीय कृषि का भविष्य वैज्ञानिक अनुसंधान, जैविक समाधानों और स्मार्ट तकनीकों को किसानों की व्यावहारिक जरूरतों से जोड़ने पर निर्भर करता है। सम्मेलन के पहले दिन निवेश और व्यावसायिक अवसर, मृदा स्वास्थ्य (सॉइल हेल्थ)और बायो–एग्री उद्योग के लिए

तकनीकी अवसर जैसे विषयों पर गहन विचार–विमर्श हुआ।

इस वर्ष सम्मेलन का सबसे बड़ा आकर्षण बीआईपीए स्टार्टअप चैलेंज 2026 है। यह प्रतियोगिता शुरुआती चरण के उन स्टार्टअप्स को एक मंच प्रदान करती है, जो जैविक कृषि क्षेत्र में नए और अभिनव समाधान विकसित कर रहे हैं। चयनित स्टार्टअप्स को उद्योगपतियों, निवेशकों और वैज्ञानिकों के समक्ष अपने विचारों को प्रस्तुत करने का अवसर मिल रहा है, जिससे कृषि क्षेत्र में उद्यमिता और नए अनुसंधानों को बढ़ावा मिलेगा।

सेवा की राह पर समाज को जोड़ना ही सच्ची मानवता : वंशिका तोषनीवाल

हैदराबाद। समाज में जब संवेदनाएं मजबूत होती हैं, तो सेवा केवल एक कार्य नहीं रहती, बल्कि मानवता की पहचान बन जाती है। इसी भावना को साकार करते हुए राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने शनिवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेवा के इस क्रम में जरूरतमंदों को अन्नसेवा कर समाज के प्रति जिम्मेदारी, करुणा और सहयोग का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए वंशिका तोषनीवाल ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्य समाज के लिए एक अनुकरणीय पहल हैं। आज के समय में जब हर व्यक्ति अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी में व्यस्त है, ऐसे में जरूरतमंदों के लिए समय निकालकर उनके साथ खड़ा होना मानवता का सबसे बड़ा परिचय है। अन्नसेवा के माध्यम से किसी भूखे व्यक्ति की जरूरत पूरी करना केवल भोजन देना नहीं, बल्कि उसके सम्मान और जीवन के प्रति संवेदना व्यक्त करना है।

उन्होंने कहा कि समाज को केवल सेवा कार्यों को देखने वाला नहीं, बल्कि उनमें सहभागी बनने वाला समाज बनना होगा। यदि प्रत्येक परिवार अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की सहायता करने का संकल्प ले, तो समाज में कोई भी व्यक्ति स्वयं को अकेला या असहाय महसूस नहीं करेगा। सेवा की शुरुआत बड़ी राशि या बड़े आयोजन से नहीं होती, बल्कि एक छोटे से मानवीय भाव से होती है। जरूरतमंद के चेहरे पर संतोष की मुस्कान लाना ही सेवा की सबसे बड़ी सफलता है।

वंशिका तोषनीवाल ने समाजजनों का आह्वान करते हुए कहा कि सेवा किसी एक व्यक्ति, संस्था या परिवार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों को भी सेवा और संस्कारों से जोड़ना होगा, ताकि बच्चों में केवल सफलता प्राप्त करने की इच्छा ही नहीं, बल्कि समाज के लिए कुछ करने की भावना भी विकसित हो। जिस समाज में युवा शक्ति, महिला शक्ति और वरिष्ठजन मिलकर सेवा के लिए आगे आते हैं, वह समाज निश्चित रूप से मजबूत और संवेदनशील बनता है।

कार्यक्रम में विनोद तोषनीवाल, दिनेश तोषनीवाल, उमा तोषनीवाल, वंशिका तोषनीवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय, लता गोयल एवं दीपचंद अग्रवाल सहित राधे–राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए जरूरतमंदों के प्रति संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया।

अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस समापन समारोह आज

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महात्मा गांधी की 157वीं जयंती एवं अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के समापन समारोह के अवसर पर तेलंगाना इंटेलेक्चुअल्स फोरम की राज्य शाखा द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 19 वैज्ञानिकों, प्रोफेसरों, शिक्षाविदों एवं समाजसेवियों को महात्मा गांधी शांति पुरस्कार–2026 से सम्मानित किया जाएगा।समारोह 8 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे अबिड्स स्थित बोगुलकुंटा के तेलंगाना सारस्वत परिषद सभागार में आयोजित होगा। फोरम के राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने बताया कि सम्मानित होने वाली विभूतियों को प्रशस्ति–पत्र, स्मृति–चिह्न, पुष्पमाला एवं शॉल भेंट किए जाएंगे।

पुरस्कार के लिए डॉ. टी. अंजनी देवी, डॉ. वी. दीपिका, मडिगला विजय भास्कर रेड्डी, गाजुला अंजैया, डॉ. एम. संगीता रेड्डी, डॉ. रवितेजा, डॉ. एम. राज कुमार, डॉ. पी. अश्विनी रेड्डी, एस. मधुसूदन, पी. सुंदर, तरुण कुमार मेहता, एडला बालराज, कुंबार्ती रविंदर, एम. किरण माई, मित्र जॉन बनियन, मोहम्मद साहेब रूमी, के. जोजी रेड्डी, के. प्रपूर्णा रेड्डी और जमील रब्बानी का चयन किया गया है।समारोह में तेलंगाना राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. वी. बालकृष्ण रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

गुरु नानक इंस्टीट्यूशंस में जुटे 350 से अधिक पूर्व छात्र

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गुरु नानक इंस्टीट्यूशंस में 25 वर्ष, एक परिवार थीम के तहत ग्रैंड एलुमनी मीट–2026 का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न बैचों के 350 से अधिक पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

गुरु नानक इंस्टीट्यूशंस के उपाध्यक्ष एवं गुरु नानक विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सरदार गगनदीप सिंह कोहली और संस्थान के प्रबंध निदेशक एवं विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एच.एस. सैनी ने पूर्व छात्रों से संस्थान से जुड़े रहने तथा अपने अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा करने का आह्वान किया। माइक्रोसॉफ्ट, विप्रो, इन्फोसिस, आईबीएम, टीसीएस, एक्सेंचर, लंदन स्टॉक एक्सचेंज और एचएसबीसी से जुड़े पूर्व छात्रों ने अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं। सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, परिसर भ्रमण, बैचवार फोटोग्राफी और 'स्मृति गली' कार्यक्रम के आकर्षण रहे। आयोजन से संस्थान और पूर्व छात्रों के संबंध और मजबूत हुए।

बजरंग सेना ने नवरात्रि आयोजनों के लिए सख्त सुरक्षा उपायों की मांग की

हैदराबाद, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव, कोंडल रेड्डी तथा अन्य टीम सदस्यों ने शहर पुलिस आयुक्त श्री सज्जनार, आईपीएस से मुलाकात कर नवरात्रि, डांडिया और गरबा आयोजनों के लिए सुरक्षा एवं नियामक उपायों को मजबूत करने संबंधी ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने महिलाओं की सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी, भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, अग्नि सुरक्षा तथा निर्धारित समय और शोर सीमा के सख्त पालन पर जोर दिया।

एन.आर. लक्ष्मण राव ने कहा, नवरात्रि उत्सव आनंदमय, शांतिपूर्ण और सुरक्षित होने चाहिए। जन सुरक्षा और महिलाओं की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि शोर संबंधी नियमों और निर्धारित समय का पालन सभी आयोजनों तथा प्रतिष्ठानों पर बिना किसी भेदभाव के समान रूप से लागू किया जाना चाहिए।

बजरंग सेना तेलंगाना ने उत्सवों के दौरान शांति, सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने में प्रशासन को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया।

मंचेरियल में नए 450 बेड के अस्पताल को तत्काल शुरू करने की मांग

मंचेरियल, 7 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस के राज्य नेता नडिपेल्ली विजित कुमार ने बुधवार को मंचेरियल जिला मुख्यालय स्थित सरकारी सामान्य अस्पताल का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान अस्पताल की इमारत जर्जर हो चुकी है और छत से प्लास्टर गिरने के बावजूद मरीजों का इलाज किया जा रहा है। विजित कुमार ने बताया कि बीआरएस सरकार के कार्यकाल में कॉलेज रोड पर 450 बेड वाले नए अस्पताल भवन का निर्माण पूरा हो चुका है और यह उद्घाटन के लिए तैयार है। उन्होंने मांग की कि नए अस्पताल को तत्काल शुरू कर मरीजों को वहां स्थानांतरित किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व विधायक नडिपेल्ली दिवाकर राव के प्रति राजनीतिक नाराजगी के कारण वर्तमान विधायक प्रेम सागर राव नए अस्पताल को शुरू नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुराने अस्पताल में किसी मरीज के साथ अप्रिय घटना होने पर इसकी जिम्मेदारी विधायक की होगी। हालांकि, ये आरोप विजित कुमार के हैं।

बीआरएस नेता नडिपेल्ली विजित कुमार ने सीतारामपल्ली गांव में सूख रही फसलों का निरीक्षण कर सरकार से कडेम परियोजना, गुडेम लिफ्ट सिंचाई योजना और एल्लमपल्ली परियोजना से तत्काल पानी छोड़ने की मांग की। उन्होंने कहा कि गोदावरी नदी के किनारे स्थित खेतों में भी फसलें सूख रही हैं, जिससे दूरदराज के खेतों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। विजित कुमार ने सरकार और विधायक प्रेम सागर राव से सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने तथा बिजली व्यवस्था सुचारु करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की लापरवाही के कारण किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। विरोध स्वरूप सूखे पड़े गोदावरी क्षेत्र में क्रिकेट खेलकर प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, पूर्व जनप्रतिनिधि, टीबीजीकेएस नेता, बीआरएस कार्यकर्ता एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

माता रानी का 18वां विशाल जागरण 17 को

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। धूलपेड़ नवरात्रि उत्सव समिति के तत्वावधान में अश्विन नवरात्रि के अवसर पर माता रानी का 18वां विशाल जागरण 17 अक्टूबर को रात 8 बजे से डॉ. अंबेडकर भवन, रहीमपुरा में लंगर व आरती के साथ शुरू होगा। जागरण में भजन गायक विजय जाजू, ठाकुर रवि सिंह, एस. राजन कुमार तथा वृंदावन की भजन गायिका तान्या लाडली प्रस्तुति देंगी। कथा वाचक अनूप कुमार और दिल्ली से माउण्टी नटराजन अपने दल के साथ नृत्य झांकियां प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर समिति कार्यालय में माता रानी की पूजा–अर्चना के बाद नव निर्वाचित अध्यक्ष एम. सदानंदम गुप्ता अण्णा ने पूजा की। इसके बाद वरिष्ठ अध्यक्ष के. सत्यनारायण ने प्रचार सामग्री का विमोचन किया। कार्यक्रम में टी. जितेंद्र सिंह, पा. कृष्णा, ठाकुर विपीन राज सिंह, एस. राजन कुमार, ठाकुर सचिन राज सिंह, पी. रंजीत कुमार, वी. नीतिन, अशोक बाबू, ठाकुर आशीष राज सिंह और ठाकुर कुलदीप सिंह सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे। समिति ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया।

देवों के पितामह ब्रह्मदेव

पुराणों में ब्रह्मा का स्वरूप विष्णु के सदृश ही निरूपित किया गया है। वह ज्ञान-स्वरूप, परमेश्वर, अज, महान, तथा सम्पूर्ण प्राणियों के जन्मदाता और अंतर्रात्मा बतााए गए हैं...

त्रिदेवों में ब्रह्मा प्रमुख देवता हैं। इन्हें सृष्टि का रचयिता कहा जाता है। पुराणों के अनुसार ब्रह्मा जी के चार मुख हैं। इस कारण ब्रह्मा जी चतुर्मुख नाम से भी प्रसिद्ध हैं। इनका निवास स्थान ब्रह्मालोक है। ब्रह्मा जी वैदिक प्रजापति के रूप का विकास हैं। प्रजापति की समस्त वैदिक गाथाएं ब्रह्मा जी पर आरोपित कर ली गई हैं। प्रजापति और उनकी दोहिता की कथा पुराणों में ब्रह्मा और सरस्वती के रूप में वर्णित हुई है। धर्म ग्रंथों के अनुसार क्षीरसागर में शेषशायी विष्णु के नाभि कमल से ब्रह्मा की उत्पत्ति हुई। इसलिए वह स्वयंभू कहलाते हैं। प्रकट होने के पश्चात ब्रह्मा ने घोर तपस्या करके ब्रह्माण्ड की सृष्टि की। वास्तव में सृष्टि ही ब्रह्मा का प्रमुख कार्य है। सावित्री इनकी पत्नी और सरस्वती पुत्री हैं। इनका वाहन हंस है। ब्रह्मा पुराणों में ब्रह्मा का स्वरूप विष्णु के सदृश ही निरूपित किया गया है। वह ज्ञान-स्वरूप, परमेश्वर, अज, महान, तथा सम्पूर्ण प्राणियों के जन्मदाता और अन्तर्रात्मा बतााए गए हैं। कार्य, कारण और चल-अचल सभी इनके अन्तर्गत हैं। समस्त कला और विद्या इन्होंने ही प्रकट कीं। ये त्रिगुणात्मक माया से अतीत ब्रह्मा हैं। यह हिरण्यगर्भ हैं और सारा ब्रह्माण्ड इन्हीं से निकला है। यद्यपि ब्राह्म पुराणों में त्रिदेवों के अन्तर्गत ये अग्रगण्य और प्रथम बने रहे, किन्तु धार्मिक संप्रदायों की दृष्टि से इनका कोई अलग संप्रदाय नहीं बन पाया। वृद्ध पिता की भांति इनका देव परिवार में स्थान उपेक्षित होता गया। जबकि ब्रह्मा सपूर्ण चराचर जगत के प्रकटकर्ता हैं।

ब्रह्मा की उत्पत्ति : महाप्रलय के बाद भगवान नारायण दीर्घ काल तक योगनिद्रा में मग्न रहे। योगनिद्रा से जगने के पश्चात उनकी नाभि से एक दिव्य कमल प्रकट हुआ, जिसकी कार्णिकाओं पर स्वयंभू ब्रह्मा प्रकट हुए। उन्होंने अपने नेत्रों को चारों और घुमाकर शून्य में देखा। इस चेष्टा से चारों दिशाओं में इनके चार मुख प्रकट हुए। जब चारों और देखने पर भी उन्हें कुछ दिखाई नहीं पड़ा तो उन्होंने विचार किया, इस कमल पुष्प पर बैठा हुआ मैं कौन हूं? मैं कहां से आया हूं तथा यह कमल कहां से निकला है। तब ब्रह्मा जी ने दीर्घ काल तक तपस्या की। उन्हें शेषशैय्या पर बैठे विष्णु भगवान के दर्शन हुए। अपने एवं विश्व के कारण परम पुरूष का दर्शन करके उन्हें प्रसन्नता हुई और उन्होंने विष्णु भगवान की स्तुति अनेक प्रकार से की। भगवान विष्णु ने ब्रह्मा से कहा कि अब आप तप शक्ति से सपन्न हो गए हैं और आपको मेरा अनुग्रह भी प्राप्त हो गया है। अत: आप सृष्टि को उत्पन्न करने का कार्य आरभ करें।

तब भगवान विष्णु की प्रेरणा से ब्रह्मा जी ने अपने कमडंल से जल लेकर अभिमंत्रित करके उसे सभी दिशाओं में छिड़क दिया तथा सृष्टि की उत्पत्ति करने लगे। विष्णु भगवान की प्रेरणा से सरस्वती देवी ने ब्रह्म जी को सपूर्ण वेदों का ज्ञान कराया। ब्रह्मा जी मानसिक संकल्प से प्रजापतियों को उत्पन्न कर उनके द्वारा सपूर्ण प्रजा की सृष्टि करते हैं। इसलिए वह प्रजापतियों के भी पिता कहे गए हैं। समस्त प्रजापतियों की उत्पत्ति ब्रह्मा जी से ही हुई है। दस मुख्य प्रजापति : मरीचि, अत्रि, अंगिरा, पुलस्त्य, पुलह, क्रतु, मृगु, वशिष्ठ, दक्ष और कर्दम ये दस मुख्य प्रजापति हैं। सभी ब्रह्मा जी के मानस पुत्र हैं। इन्हें उत्पन्न करने के पश्चात ब्रह्मा जी ने इन्हें सृष्टि के विकास कार्य को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी। भगवत पुराणों के अनुसार भगवान रूद्र भी ब्रह्माजी के ललाट से उत्पन्न हुए। मानव सृष्टि के मूल महाराज मनु ब्रह्मा जी के दक्षिण भाग से उत्पन्न हुए और वाम भाग से मनु की पत्नी की उत्पत्ति हुई। स्वायंभु मनु और उनकी पत्नी से ही मैथुनी सृष्टि प्रारम्भ हुई। सभी देवता ब्रह्मा जी के पौत्र माने गए हैं। अत: वह पितामह के रूप में जाने जाते हैं। वैसे ब्रह्मा देवता, दानव, तथा सभी जीवों के पितामह हैं। फिर भी वह विशेष रूप से धर्म के पक्षपाती हैं। जब देवासुर संग्रामों में पराजित देवता ब्रह्मा जी के पास आते हैं, वह धर्म की स्थापना के लिए भगवान विष्णु को अवतार लेने के लिए प्रेरित करते हैं। अत: भगवान विष्णु के 24 अवतारों में यह ही निमित्त बनते हैं। शैव तथा शाक्त आगमों की भांति ब्रह्मा जी की उपासना का भी एक वशिष्ट सप्रदाय है, जो वैखानस संप्रदाय के नाम से जाना जाता है। परन्तु ये संप्रदाय अन्य संप्रदायों की अपेक्षा सीमित ही रहा। जबकि वैखानस संप्रदाय की सभी संप्रदायों में मान्यता आवश्य है। पुरूणादि सभी शास्त्रों के यह ही आदि वक्ता माने जाते हैं। ब्रह्मा जी की प्राय अर्मूत उपासना ही होती है। सर्वतोमद, लिंगतोभद्र आदि चक्रों में उनकी पूजा अमूर्त रूप से होती है। मूर्तरूप में इनकी पूजा केवल पुष्कर तथा ब्रह्मावर्त क्षेत्र (बिठुर) में ही होती है, जहां सत्युग के समय का पीपल आज भी हरा भरा है। शास्त्रों में वर्णित है कि यहां ब्रह्मा जी ने तपस्या की थी।

दानवों के उपास्य : माध्य सप्रदाय के आदि आचार्य भगवान ब्रह्मा जी माने जाते हैं। इसलिए आदि मुय मध्यपीठों में इनकी पूजा-आराधना की विशेष परंपरा है। देवताओं तथा असुरों की तपस्या में प्राय: सबसे अधिक वरदान आदि काल में ब्रह्मा ने ही दिए हैं।

'ॐ नम: शिवाय' से मिलती है ऊर्जा

ओम त्रयंबकम यजामहे सुगंधिम पुष्टिवर्धनम
उर्वारूकमेव बंधनात मृत्योमोक्षिमार्मतात...
नार्गद्रहराय, त्रलोचनाय, भस्मंगारागाय महेश्वराय...

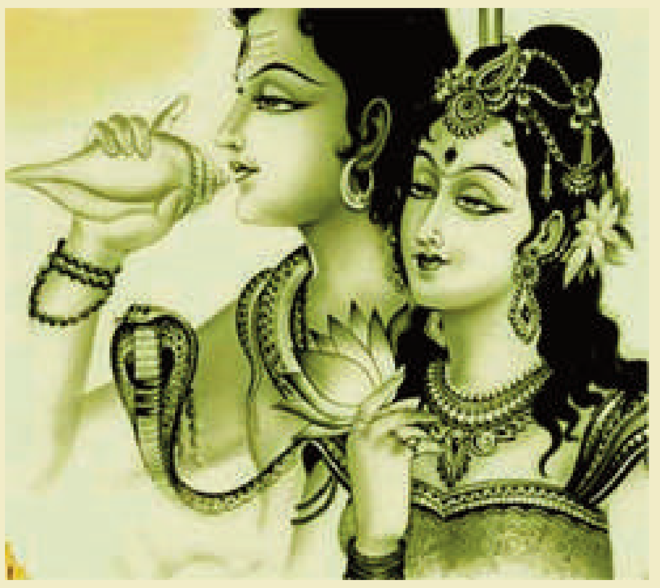

इन स्त्रोतों से श्रावण माह गुंजायमान है। भगवान सदाशिव की कृपा का पात्र बनने के लिए बुजुर्गों के साथ-साथ युवा वर्ग भी इन दिनों शिव आराधना में लीन है। भगवान शिव का अभिषेक करने के साथ ही व्रत रखने का चलन भी युवाओं में काफी जोरों पर हैं। कई युवा तो ऐसे भी हैं जो पूरे महीने भर के श्रावण का व्रत करने को लेकर काफी उत्सुक है और वे इस धर्म का पालन भी बहुत अच्छी तरह कर रहे हैं।

शिव मंदिरों में भगवान को जल अर्पण करने के लिए श्रद्धालु महिला, पुरुष व युवाओं और बच्चों की लंबी कतारें लगी रहती है। भूतभावन भोले के अभिषेक में खास तौर पर श्रद्धालु पंचगव्य, धतूरा, कनेर, बिल्वपत्र, शमीपत्र, आक के फूलों को अर्पित कर शिव आराधना में लीन है।

जीवन को सद्गति देते हैं शिव

-विनोद केशरवानी कहते हैं कि वेदों में उल्लेख किया गया है कि इस सृष्टि में शिव के समान दूसरा कोई दाता नहीं है। मैं हर बार श्रावण में भगवान के दर्शन करने जाता हूं। मुझे लगता है यही एक रास्ता है अपने जीवन को सद्गति देने का।

मन को मिलती है शांति

-बलराम यादव कहते हैं मेरा खुद का व्यवसाय है। आज जो कुछ भी मेरे पास है सब भोलेनाथ ही कृपा है। इसीलिए में व्रत रखता हूं और श्रावण में दर्शन जरूर आता हूं। शिव मंदिर में आकर मन को शांति मिलती है।

ॐ नम: शिवाय कहने से ऊर्जा का संचार

-वीरेन्द्र चौधरी के अनुसार मैं प्राइवेट जॉब करता हूं और मुझे लगता है कि शिव आराधना से बढ़कर कोई और रास्ता नहीं शांति पाने का। सिर्फ ॐ नम: शिवाय कहने भर से ऊर्जा का संचार हो जाता है। इसीलिए मैं पूरे श्रावण के महीने में शिव के दर्शन करने मंदिर जरूर जाता हूं।

मैं श्रावण सोमवार का व्रत सालों से करता आ रहा हूं, शिवशंकर ने मेरी सभी मनोकामनाएं पूरी की हैं।

युवाओं ने भी उत्साह के साथ महादेव की आराधना की और इस बात को सिद्ध कर दिया कि युवा मनों में भी आस्था की लौ जगमगा रही है।

शनिदेव को प्रसन्न करने के उपाय

भविष्यपुराण में ऐसा उल्लेख है कि शनि अमावस्या के दिन शनि का पूजन विशेष फलदायी होता है। जिन जातक की कुंडली या राशियों पर साढ़ेसाती व ढैया का प्रभाव है वे अच्छे फल प्राप्त करने के लिए 24 दिसंबर को पड़ने वाली शनिश्चरी अमावस्या पर शनिदेव का विधिवत पूजन कर पर्याप्त लाभ उठा सकते हैं। बताए गए उपाय सभी जातकों को सफलता दिलाएंगे।

ज्योतिषाचार्य राजकुमार शास्त्री के अनुसार 24 दिसंबर को शनिश्चरी अमावस्या का मुहूर्त प्रात: 6.30 से प्रारंभ होकर रात्रि 3.40 तक रहेगा।

शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए ये करें उपाय

- शनि अमावस्या के दिन या रात्रि में शनि चालीसा का पाठ, शनि मंत्रों का जाप एवं हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- इस दिन पीपल के पेड़ पर सात प्रकार का अनाज चढ़ाएं और सरसों के तेल का दीपक जलाएं।
- तिल से बने पकवान, उड़द से बने पकवान गरीबों को दान करें।
- उड़द दाल की खिचड़ी दरिद्रनारायण को दान करें।
- अमावस्या की रात्रि में 8 बादाम और 8 काजल की डिब्बी काले वस्त्र में बांधकर संदूक में रखें।
- शनि यंत्र, शनि लॉकेट, काले घोड़े की नाल का छल्ला धारण करें।
- इस दिन नीलम या कटैला रत्न धारण करें। जो फल प्रदान करता है।
- काले रंग का श्वान इस दिन से पालें और उसकी सेवा करें।

सर्वधर्म समभाव का प्रतीक स्वस्तिक

मांगलिक प्रतीक सकारात्मक उर्जा की खान होते हैं, जो हमें नकारात्मक ऊर्जाओं से लड़ने की ताकत तो देते ही हैं, हमारी प्रगति की राहें भी सहज करते हैं। तभी लोग प्रतीकों को धारण करते हैं। इन्ही प्रतीकों में अहम है स्वस्तिक, जिसे दुनियाभर के तमाम धर्म, वर्ग और समाज में मांगलिक माना जाता है। अपने घर में, घर के मुख्य द्वार और वस्तुओं पर इस प्रतीकको अंकित करते हैं। इसके प्रयोग का उद्देश्य यही रहता है कि हमारे आसपास सकारात्मक उर्जा का संचार होता रहे और हमारा घर-परिवार खुशहाल, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील रहे। जानिए, यह मांगलिक प्रतीक हमें क्या-क्या लाभ देता है -

स्वस्तिक मंत्र

किसी भी मंगल कार्य की शुरुआत स्वस्ति मंत्र उच्चारण के साथ की जाती है। यह मंत्र है-

ऊं स्वस्ति न इंद्रो वृद्ध-श्रवा-हा स्वस्ति न-ह पूषा विश्ववेदा- हा।
स्वस्ति न-ह ताक्षर्यो अरिष्टि-नेमि-हि स्वस्ति नो बृहस्पति-हि-दधातु ॥

महान कीर्ति वाले इंद्र हमारा कल्याण करो, विश्व के ज्ञानस्वरूप पूषादेव हमारा कल्याण करो। जिसका हथियार अटूट है ऐसे गरुड़ देव हमारा मंगल करो। बृहस्पति देव हमारा मंगल करो। यानी जहां शुभ, मंगल और कल्याण का भाव होता है, वहीं स्वस्तिक का वास होता है। इसे सरल रूप में देखें, तो जहां परिवार, समाज या रिश्तों में प्यार, सुख, श्री, उमंग, उल्लास, सद्भाव, सुंदरता और विश्वास का भाव हो।

स्वस्तिक शब्द सु एवं अस्ति का योग है। सु का अर्थ है... शुभ और अस्ति का अर्थ है होना। इस तरह स्वस्तिक अर्थात शुभ हो, कल्याण हो। स्वस्तिक किसी व्यक्ति, जाति या वर्ग का प्रतीक नहीं, यह समग्र विश्व का कल्याणकारक है और इसमें 'वसुधैवकुटुंबकम', यानी विश्व बंधुत्व की भावना निहित है। भारतीय संस्कृति में प्राचीनकाल से ही इसे विशेष महत्व दिया जाता है, मंगल का प्रतीक माना जाता है और कोई भी शुभ कार्य करने से पहले स्वस्तिक चिह्न निर्मित कर उसका पूजन किया जाता है। अमरकोश में भी स्वस्तिक का अर्थ आशीर्वाद, मंगल या पुण्यकार्य करना बताया गया है। अर्थात सभी दिशाओं में सबका कल्याण हो।

आकृति का अर्थ

स्वस्तिक का रूपांकन छह रेखाओं के प्रयोग से होता है। स्वस्तिक में एक-दूसरे को काटती हुई दो सीधी रेखाएं होती हैं या स्वस्तिक बनाने के लिए धन चिह्न बनाकर उसकी चारों भुजाओं के कोने से समकोण बनाने वाली एक रेखा दाहिनी ओर खींचने से स्वस्तिक बन जाता है। यह रेखा खींचना लंबवत भुजा से प्रारम्भ करना चाहिए और इसमें दक्षिणवर्ती गति होती है। दिशाएं मुख्यत: चार हैं, खड़ी तथा सीधी रेखा खींचकर जो धन चिह्न जैसा आकार बनता है, यह चार दिशाओं का द्योतक सर्वत्र और सदैव यही माना गया है। ऋग्वेद की ऋचा में स्वस्तिक को सूर्य का प्रतीक माना गया है और उसकी चार भुजाओं को चार दिशाओं की उपमा दी गई है। सिद्धांत सार ग्रंथ में उसे विश्व ब्रह्मांड का प्रतीक चिह्न माना गया है। उसके मध्य भाग को विष्णु की कमल-नाभि और रेखाओं को ब्रह्माजी के चार मुख, चार हाथ और चार वेदों के रूप में निरूपित किया गया है। अन्य ग्रंथों में चार युग, चार वर्ण, चार आश्रम एवं धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के चार प्रतिफल प्राप्त करने वाली समाज व्यवस्था एवं वैयक्तिक आस्था को जीवंत रखने वाले संकेतों को स्वस्तिक में ओत-प्रोत बताया गया है। प्राचीन काल में राजा-महाराज द्वारा किलों का निर्माण स्वस्तिक के आकार में किया जाता रहा है, ताकि किले की सुरक्षा अभेद्य बनी रहे। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार स्वस्तिकनुमा दुर्ग का निर्माण पूर्णत: वास्तु-सम्मत होता था।

पौराणिक महत्व

पुराणों के अनुसार स्वस्तिक में शक्ति, प्रगति, प्रेरणा और शोभा का समन्वय माना जाता है। इन्ही के समन्वय से यह जीवन और संसार समृद्ध बनता है। स्वस्तिक की चार भुजाओं को विष्णु की चार भुजाओं के रूप में माना गया है, जो विकास और विनाश के बीच संतुलन बनाकर सृष्टि को चला रहे हैं। भगवान विष्णु अपने चारों हाथों से दिशाओं का पालन करते हैं। स्वस्तिक का केन्द्र-बिंदु है नारायण का नाभि-कमल, यानी सृष्टिकर्ता ब्रह्मा का उत्पत्ति-स्थल। इससे सिद्ध होता है कि स्वस्तिक सृजनात्मक है। स्वस्तिक की चारों भुजाओं को चारों दिशाओं के कल्याण की कामना के प्रतीक के रूप में भी स्वीकार किया जाता है, जिन्हें बाद में इसी भावना के साथ रेडक्रॉस सोसायटी ने भी अपनाया।

स्वस्तिक का लाल रंग

भारतीय संस्कृति में लाल रंग को बहुत शुभ माना जाता है और मांगलिक कार्यों में उसका प्रयोग सिंदूर, रोली या कुमकुम के रूप में किया जाता है। लाल रंग सजीवता का प्रतीक है और हमारे शरीर में व्याप्त होकर प्राण शक्ति का पोषक है। मूलत: यह रंग ऊर्जा, शक्ति, स्फूर्ति और महत्वाकांक्षा का संकेतक है। नारी के जीवन में इसका विशेष स्थान है और उसके सुहाग चिह्न व शृंगार में सर्वाधिक प्रयुक्त होता है।

स्त्री की मांग का सिंदूर, माथे की बिंदी, हाथों की चूड़ियां, पांव का आलता-महावर, करवाचौथ की साड़ी, शादी का जोड़ा आदि के रूप में लाल रंग की महत्ता मौजूद है। नाभि स्थित मणिपुर चक्र का पर्याय भी लाल रंग है। शरीर में लाल रंग की कमी से अनेक रोग उत्पन्न हो जाते हैं। लाल रंग से ही केसरिया, गुलाबी, मेहरून और अन्य रंग बनाए जाते हैं। इन सब तथ्यों से प्रमाणित होता है कि स्वस्तिक लाल रंग से ही अंकित किया जाना चाहिए या बनाना चाहिए।

विश्वभर में मान्यता

स्वस्तिक को भारत में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के कई देशों में विभिन्न स्वरूपों में मान्यता प्राप्त है। जर्मनी, यूनान, फ्रांस, रोम, मिस्र, ब्रिटेन, अमरीका, स्कैंडिनेविया, स्पेन, सीरिया, तिब्बत, चीन, साइप्रस और जापान आदि देशों में भी स्वस्तिक का प्रचलन है।

अधिकांश लोगों की मान्यता है कि स्वस्तिक सूर्य का प्रतीक है। जैन धर्मावलंबी अक्षत पूजा के समय स्वस्तिक चिह्न बनाकर तीन बिंदु बनाते हैं। पारसी उसे चतुर्दिक दिशाओं एवं चारों समय की प्रार्थना का प्रतीक मानते हैं। व्यापारी वर्ग इसे शुभ-लाभ का प्रतीक मानते हैं।

बहीखातों में ऊपर की ओर श्री लिखा जाता है और उसके नीचे स्वस्तिक बनाया जाता है। भले ही विभिन्न देशों के रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-पद्धतियों में भी जबतब परिवर्तन होता रहता है, लेकिन यह सच है कि सुख-समृद्धि एवं रक्षित जीवन के लिए दुनियाभर में कई जगह स्वस्तिक का इस्तेमाल किया जाता है।

समृद्धि लाती है लकी कैट

हर सभ्यता में पशु-पक्षियों के साथ अलग-अलग धारणाएं जुड़ी होती हैं। यह भी हो सकता है कि एक ही जानवर के बारे में अलग-अलग सभ्यताओं में परस्पर विपरीत धारणाएं देखने सुनने को मिलें। ऐसा ही बिल्ली के साथ है। फेंगशुई में बिल्ली को प्राचीन समय से ही शुभ माना जाता है। बिल्ली को धन-संपत्ति और लक्ष्मी जी के साथ भी जोड़ा जाता है। भारत में एक मान्यता यह भी है कि दीवाली की रात लक्ष्मीपूजन के समय बिल्ली का घर में आना या दिखाई देना समृद्धि सूचक होता है। भारत में ही नहीं, जापान, हांगकांग व सिंगापुर में भी बिल्ली को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। वहां बिल्ली के स्टेचू (टॉय, जिसमें बिल्ली का अगला एक पांव उठा हुआ प्रतीत होता है) अक्सर देखने को मिल जाती है। बिल्ली के इस स्टेचू को लकी कैट कहा जाता है, जिसे ऑफिस, घर व दुकान में रखना शुभ समझा जाता है। सौभाग्य व समृद्धि के लिए इसे घर और ऑफिस में रखा जाता है। सफेद और पीले रंग की बिल्ली को पश्चिम दिशा में रखने से समृद्धि आती है। परपल रंग की बिल्ली को मध्य भाग में रखने से पारिवारिक जीवन में मधुरता आती है। हरे रंग की बिल्ली उत्तर-पूर्व में रखने से स्वास्थ्य ठीक रहता है, वहीं उत्तर दिशा में नीले रंग की बिल्ली दुर्भाग्य दूर करती है।

लकी कैट का इस्तेमाल कई अलग-अलग प्रयोजनों के लिए किया जाता है। दुर्भाग्य भगाने के लिए व सुख-संपन्नता पाने के लिए इसका उपयोग अधिक किया जाता है। भारत में आमतौर पर लकी कैट गोल्डन कलर की मिलती है। इसे जमीन से 4-5 फुट ऊपर लगाना चाहिए। इसकी कीमत 300 रुपए से 1500 रुपए तक होती है। माना जाता है कि गोल्डन लकी कैट गोल्ड यानी सोने की तरह घर व कार्य- स्थल में संपन्नता की बरसात करती है।

धीमी गति से फैलता है कार्सिनॉइड ट्यूमर

फेफड़े के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स को धीमी गति का कैंसर कहा जाता है, क्योंकि इसका विकास बहुत ही धीमी गति से होता है और अन्य ट्यूमर्स की अपेक्षा शरीर के अन्य भागों में इसके फैलने की आशंका भी बहुत कम होती है। हालांकि हमेशा ऐसा नहीं होता है। कभी-कभी इसका विकास और फैलाव अपेक्षाकृत जल्दी हो सकता है।

अधिकांश कार्सिनॉइड ट्यूमर्स की शुरूआत छोटी आंत में होती है, लेकिन लगभग 25 प्रतिशत फेफड़ों में शुरू होते है। कार्सिनॉइड ट्यूमर्स फेफड़ों के मध्य से शुरू होते हैं। कुछ कार्सिनॉइड ट्यूमर्स विशेषकर जो गैस्ट्रो इंटेस्टाईन ट्रैक्ट या अपेंडिक्स में पनपते हैं वे ऐसे हार्मोन होते हैं जिनसे अनेक लक्षण उत्पन्न होते हैं। जबकि फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स में कभी भी ऐसा नही होता हैं। हालांकि यह घातक होने की क्षमता रखता है लेकिन फिर भी धीरे धीरे बढ़ने के कारण कार्सिनॉइड ट्यूमर्स होने पर भी लोग आमतौर पर कई वर्षो तक जीवित रहते है और कभी-कभी तो एक सामान्य जीवन जीते हैं।

कार्सिनॉइड ट्यूमर्स के प्रकार–फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स के दो प्रकार होते हैं- विशिष्ट कार्सिनॉइड ट्यूमर्स और असामान्य कार्सिनॉइड ट्यूमर्स।

असामान्य कार्सिनॉइड ट्यूमर्स

विशिष्ट कार्सिनॉइड ट्यूमर्स की अपेक्षा असामान्य कार्सिनॉइड ट्यूमर्स लगभग नौ गुना ज्यादा पाए जाते हैं, इनकी फेफड़ों तक फैलने की सम्भावना बहुत कम होती है।

विशिष्ट कार्सिनॉइड ट्यूमर्स

विशिष्ट प्रकार के कार्सिनॉइड बहुत दुर्लभ होते हैं। वह असामान्य की तुलना में तेजी से बढ़ते है और इनके फेफड़ों से बाहर फैलने के ज्यादा मौके होते हैं। फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स अधिकतर 45 से 55 वर्ष की आयु के पुरूषों और महिलाओं में समान रूप से पाए जाते हैं। फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स को वर्गीकृत करने का एक और रास्ता भी है कि उसे उनके स्थान द्वारा वर्गीकृत किया जाए। केन्द्रीय कार्सिनॉइड फेफड़ों के बीच निकट बड़े वायुमार्ग की दीवारों में पाए जाते हैं। परिधीय कार्सिनॉइड संकरा वायु मार्ग में फेफड़ों के किनारों के करीब पाए जाते हैं। दोनों केंद्रीय और परिधीय कार्सिनॉइड आमतौर पर विशिष्ट कार्सिनॉइड हैं।

दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स ट्यूमर का एक असामान्य प्रकार है जो फेफड़ों में शुरू होता हैं और अन्य प्रकार के फेफड़ों के कैंसर की तुलना में धीमी वृद्धि करते हैं। फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स विशेष प्रकार की कोशिकाओं से बनते हैं जो न्यूरोएन्डोक्राइन कोशिका कहलाती हैं।

न्यूरोएन्डोक्राइन कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि से कार्सिनॉइड ट्यूमर

ज्यादातर कार्सिनॉइड ट्यूमर छोटी आंत से आरंभ होते हैं लेकिन कैंसराभ फेफड़ों ट्यूमर सभी कारसीनोइड ट्यूमर के बारे में 10% का प्रतिनिधित्व करते हैं। कार्सिनॉइड फेफड़ों ट्यूमर में 1%–6% सभी फेफड़ों के ट्यूमर शामिल हैं।

यह जानने के बाद कभी नहीं चटकाएंगे उंगलियां

हमारी हड्डियां लिगामेंट से एक दूसरे से जुड़ी होती हैं और जहां दो हड्डियां आपस में जुड़ती हैं उसे जोड़ कहते हैं जब हम उंगलियां चटकाते हैं और इस तरह हड्डियों को एक दूसरे से दूर खींचते हैं। तो उंगलियों के जोड़ों में एक विशेष प्रकार का द्रव पाया जाता है, ऐसे में द्रव में बुलबुले बन जाते हैं। जब हम जोड़ों को काफी अधिक खींचते हैं तो यह बुलबुले फूट जाते हैं और हड्डियों के जोड़ पर मौजूद ऊतक नष्ट भी हो सकते हैं।

जान का खतरा बन सकता है ट्रैफिक

खोजकर्ताओं के मुताबिक, ट्रैफिक जाम में बार-बार फंसने से आपकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। अगर आप एक घंटे से ज्यादा ट्रैफिक जाम में फंसते हैं तो दिल का दौरा पड़ने का खतरा बढ़ जाता है। ट्रैफिक जाम के कारण गाड़ियों से निकलने वाला धुआं जहरीली गैस बनाता है, जो कि कि घर में बैठे व्यक्ति की तुलना में ट्रैफिक में फंसे लोगों को कई गुना अधिक प्रभावित करता है।

लेसिक आई सर्जरी के फायदे और नुकसान

अन्य सर्जरी की तुलना में लेसिक सर्जरी कम खतरनाक है । यह आसान है और मात्र 30 मिनट में ही हो जाती है। इसे एक बार कराने के बाद दोबारा नहीं करा सकते हैं।

आंखें कुदरत की ओर से दी गई सबसे कीमती उपहार हैं। ये जितनी कीमती हैं, उतनी ही संवेदनशील भी हैं। इसलिए तो लोग आंखों का विशेष ख्याल रखते हैं और थोड़ा भी सरदर्द होने पर तुरंत डॉक्टर से जांच करवाते हैं। पहले लोग आंखों की समस्या से निजात पाने के लिए चश्मा पहनते थे। लेकिन चश्मा एक बार चढ़ गया तो जिंदगी भर लगाना पड़ता है। लेकिन विकसित होती तकनीक ने आंखों के उपचार को आसान कर दिया है। आजकल डॉक्टर चश्मा लगाने वाले को लेसिक सर्जरी करने की हिदायत देते हैं और लोग लेसिक सर्जरी का फायदा भी उठा रहे हैं। लेसिक सर्जरी कराने से पहले डॉक्टर से परामर्श जरूर लें। आइए इस लेख में लेसिक सर्जरी के फायदे और नुकसान के बारे में जानते हैं।

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इससे जुड़ी किसी भी तरह की सर्जरी कराने से पहले चिकित्सक की सलाह जरूर लें।

आंखें कुदरत की ओर से दी गई सबसे कीमती उपहार हैं। ये जितनी कीमती हैं, उतनी ही संवेदनशील भी हैं। इसलिए तो लोग आंखों का विशेष ख्याल रखते हैं और थोड़ा भी सरदर्द होने पर तुरंत डॉक्टर से जांच करवाते हैं। पहले लोग आंखों की समस्या से निजात पाने के लिए चश्मा पहनते थे।

लेकिन चश्मा एक बार चढ़ गया तो जिंदगी भर लगाना पड़ता है। लेकिन विकसित होती तकनीक ने आंखों के उपचार को आसान कर दिया है। आजकल डॉक्टर चश्मा लगाने वाले को लेसिक सर्जरी करने की हिदायत देते हैं और लोग लेसिक सर्जरी का फायदा भी उठा रहे हैं। लेसिक सर्जरी कराने से पहले डॉक्टर से परामर्श जरूर लें। आइए इस लेख में लेसिक सर्जरी के फायदे और नुकसान के बारे में जानते हैं।

क्या है लेसिक सर्जरी

जो लोग चश्मा पहनते हैं और जिनका पावर –1 से –10 के बीच है, उन्हें तुरंत आंखों की लेसिक सर्जरी करवानी चाहिए। जांच में देख लें कि आपके कॉर्निया की थिकनेस कैसी है। जितनी अधिक थिकनेस होगी इस सर्जरी का फायदा उतना अधिक होगा। साथ ही लेसिक सर्जरी की सबसे अच्छी बात है कि ये अन्य दूसरी सर्जरी की तुलना में ज्यादा आसान और बेहतर है। यह सस्ती होती है और इसमें कॉर्निया को नुकसान पहुंचने का खतरा न के बराबर होता है। जबकि दूसरी सर्जरी में कॉर्निया पर खतरा ज्यादा रहता है।

लेसिक सर्जरी के फायदे

- लेसिक सर्जरी 30 मिनट या उससे कम समय में हो जाती है। साथ ही यह सर्जरी आंखों के लिए काफी प्रभावी और कारगार मानी गई है, जिस कारण अधिकतर लोग आंखों के लिए लेसिक सर्जरी करने की हिदायत देते हैं।
- 92–98% लोग आंखों की समस्या से निजात पाने के लिए लेसिक सर्जरी का ही सहारा लेते हैं, क्योंकि ये आंखों की दृष्टि के लिए काफी फायदेमंद होती है और किसी भी अन्य सर्जरी की तुलना में आसान और किफायती होती है।
- लेसिक सर्जरी दृष्टि से जुड़ी सभी समस्याओं और खतरों को काफी हद तक दूर कर देती है।

लेसिक सर्जरी के नुकसान

- लेसिक सर्जरी आंखों के सबसे संवेदनशील हिस्से में की जाती है और इसे दोबारा नहीं किया जा सकता है।
- लेसिक सर्जरी के कुछ दिनों के बाद ही लोगों को पढ़ने के लिए तो चश्मे की जरूरत पड़ती ही है।
- सबसे बड़ा खतरा लेसिक सर्जरी का ये है कि, ये आपकी इंश्योरेंस पॉलिसी का हिस्सा नहीं होता। मतलब की इस सर्जरी के दौरान अगर आपकी आंखों को कुछ होता है तो इसकी जिम्मेदारी न डॉक्टर की और न इंश्योरेंस विभाग की होगी।
- आंखें अनमोल हैं, इसलिए इससे जुड़ी किसी भी तरह की सर्जरी कराने से पहले चिकित्सक की सलाह जरूर लें।

प्राकृतिक उपायों से दूर करें होठों का कालापन

होंठों को खूबसूरत बनाने के लिए आप क्या नहीं करतीं। लिपस्टिक, लिप बाम, माश्चराइजर और ना जाने क्या-क्या। लेकिन, होंठों पर लगाए जाने वाले कई उत्पाद वास्तव में उन्हें खूबसूरत बनाने के बजाय लंबे समय में उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। अगर आप भी अपने होठों के फटने या कालेपन से परेशान हैं तो इस लेख में बताए गए उपायों को अपनाकर अपनी समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

कोको बटर

दो बड़े चम्मच कोको बटर, आधा छोटा चम्मच मधु वैक्स लीजिए। उबलते पानी पर एक बर्तन में वैक्स डालकर पिघला दीजिए। इसमें कोको बटर मिलाएं। अब इस मिश्रण को ठंडा होने के बाद ब्रश की मदद से होंठों पर लगाइए। इससे होंठ मुलायम होंगे और उनका कालापन दूर हो जाएगा।

दूध की मलाई

होंठों से रूखापन हटाने के लिए थोडी सी मलाई में चुटकी भर हल्दी? मिलाकर नियमित रूप से धीरे-धीरे होठों पर मालिश करें। आप देखेंगे कि इस घरेलू उपाय से कुछ ही दिनों में आपके होठ मुलायम और गुलाबी होने लगेंगे।

गुलाब की पंखुडियां

होंठों के कालेपन को दूर करने के लिए गुलाब की पंखुड़ियां बहुत ही फायदेमंद होती है। इसके नियमित इस्तेमाल से होठों का रंग हल्का गुलाबी और चमकदार हो जाएगा इसके लिए गुलाब की पंखुडियों को पीसकर उसमें थोड़ी सी ग्लिसरीन मिलाकर इस घोल को रोज रात को सोते समय अपने होंठों पर लगाकर सो जाएं और सुबह धो लें।

- **नींबू:** क्या आप जानते है होंठों को कालापन नींबू से भी दूर हो सकता है। इसके लिए आप निचोड़े हुए नींबू को अपने होठों पर सुबह और शाम को रगड़ें।
- **केसर**:होंठों का कालापन दूर करने के लिए कच्चे दूध में केसर पीसकर होंठों पर मलें। इसके इस्तेमाल से होंठों का कालापन तो दूर होता ही है साथ ही वे पहले से अधिक आकर्षक बनने लगते हैं।
- **शहद:** शहद के इसॅतेमाल से कुछ ही दिनों में आपके होंठ चमकदार और मुलायम हो जाते हैं। इसके लिए थोड़ा–सा शहद अपनी उंगली में लेकर धीरे–धीरे अपने होंठों पर मलें या फिर शहद में थोड़ा सा सुहागा मिलाकर अपने होंठों पर लगाएं। ऐसा एक दिन में दो बार करें फिर देखें इसका असर।
- **अंडे की जर्दी:** अंडा खाना आपकी सेहत के लिए तो अच्छा होता ही हैं, लेकिन क्या आप जानते है यह होंठों का कालापन दूर करने में भी सहायक होता है। होंठों पर अंडे की जर्दी का लेप लगाने से होंठों की लालिमा बरकरार रहती है।
- **जैतून का तेल:** यदि होंठ पूरी तरह से फट चुके हैं और उनमें कालापन भी आ रहा है तो जैतून का तेल यानी ऑलिव ऑयल और वैसलीन मिलाकर दिन में तीन या चार बार फटे होंठों पर लगाने से फायदा होता है। इनका लेप होंठों पर 4–5 दिन लगातार लगाने से होठों की दरारें भी भरने लगती हैं और होंठ हल्के गुलाबी भी होने लगते हैं।
- **चुकंदर:** चुकंदर को ब्लड बनाने वाली मशीन भी कहते है। चुकंदर होंठ के लिए भी उतना ही फायदेमंद होता है। चुकंदर को काटकर उसके टुकड़े को होंठों पर लगाने से होठ गुलाबी व चमकदार बनते हैं।

जहरीली मकड़ी काटने पर करें ये घरेलु उपाय

घर की नियमित सफाई नहीं होती है तो मकड़ी के जालें दिखने लगते हैं। सामान्य मकड़ी द्वारा काटा जाना हमारे लिए इतना घातक नहीं होता। लेकिन कुछ खास प्रकार की मकड़ियां जैसे ब्लैक विडो, या ब्राउन स्पाइडर इनका काटना खतरनाक भी हो सकता है। ये मकड़ियां काफी जहरीली होती हैं। इन मकड़ियों के काटने पर जब यह अपना जहर काटे गए हिस्से में छोड़ देती है तो वहां सूजन, तेज खुजली, दर्द, लाल हो जाना और जलन जैसे लक्षण उभर कर सामने आते हैं। ऐसे में हम कुछ घरेलु उपचारों द्वारा इस परेशानी से निजात पा सकते हैं-

सबसे पहले काटे गए स्थान को अच्छे से धो लें और फिर बर्फ से सिकाई करें। इस से न सिर्फ जलन और दर्द में राहत मिलेगी बल्कि सूजन भी कम होगी। याद रहे कि बर्फ को सीधे उस जगह पर न रखें नही तो जलन और तेज हो सकती है। बेकिंग सोडा एक या दो चम्मच लेकर पानी के साथ मिलकर पेस्ट बना लें और काटने के स्थान पर लगाएं। इस विधि से काटे गए स्थान पर जल्दी राहत मिल जाएगी।

यदि एक बार में काम न चलें तो इस विधि को कुछ समय बाद दोबारा भी दोहराया जा सकता है। नमक इस जहर को उतारने में बहुत उपयोगी औषधि है, यह मकड़ी ही नहीं अनेकों विषाक्त कीड़ों के काटने पर राहत दे सकता है। इसके लिए एक छोटे चम्मच नमक की लेकर इसे काटे गए स्थान पर किसी कपड़े की सहायता से बांध दें। इसे तब तक बंधा रहने देना चाहिए जब तक कि सूजन कम न होने लगे।

कैंसर, डायबिटीज और मोटापे का दुश्मन है यह फल

आलूबुखारे का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है। कहते हैं कि एक कटोरा भर के फलों में जितने पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं उतने ही एक आलूबुखारे में होते हैं। आलूबुखारा कई पोषक तत्वों और मिनरल्स से भरपूर होता है। इसमें विटामिन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, कॉपर, आयरन, पोटेशियम और फाइबर मौजूद होते हैं। आलूबुखारा खाने से कैंसर, डायबिटीज और मोटापे संबंधी कई गंभीर रोगों में आराम मिलता है।

अस्थिभंग की आशंका नहीं

एक शोध के अनुसार रोजाना आलूबुखारा खाने से अस्थिभंग यानी हड्डियों की क्षति की आशंका को कम किया जा सकता है। आयु बढ़ने के साथ ही हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में सूखा आलूबुखारा हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है। एक नए अध्ययन में पता चला है कि आलूबुखारा हड्डी टूटने से बचा सकता है। अध्ययन के अनुसार यदि महिलाएं रजोनिवृत्ति के बाद इस फल का सेवन करें तो वे स्वयं को ओस्टियोपोरेसिस और हड्डी टूटने से बचा सकती हैं। अध्ययन में पता चला है कि प्रतिदिन 10 आलूबुखारा खाने से अस्थिभंग की आशंका को कम किया जा सकता है। आयु बढने के साथ ही हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। सूखा आलूबुखारा हड्डियों को मजबूती प्रदान करने के लिए सूखे अंजीर, सूखे स्ट्रॉबेरी, सूखे सेब और किशमिश से अधिक लाभकारी है।

इन बातों का रखें ध्यान

आलूबुखारे में आयरन होता है जो एनीमिया (रक्त की कमी) के रोगियों के लिए फायदेमंद होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट की मौजूदगी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। इसके कई तरह के पोषक तत्व शरीर को नियंत्रित करने का काम करते हैं। कोई भी व्यक्ति इसे खा सकता है लेकिन जिन्हें गले में खराश, खांसी और जुकाम की समस्या हो वे इन्हें खाने से परहेज करें। एक दिन में इनकी 100 से 150 ग्राम मात्रा खाई जा सकती है। जहां तक संभव हो इन्हें इनके मौसम में ही खाना चाहिए।

इसके हैं कई लाभ

- आलूबुखारे में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है। इससे पेट संबंधी समस्या दूर होकर पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है। इसके सेवन से पेट में भारीपन नहीं होता है और आंतों को भी आराम मिलता है। आलूबुखारे में फैट की मात्रा कम होती है जिससे मोटापा नहीं बढ़ता और वजन नियंत्रण में रहता है।
- इसमें विटामिन ए और बीटा कैरोटीन अधिक मात्रा में होता हैं।
- विटामिन–ए, आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।
- आलूबुखारे में पोषक फाइबर जिया एक्साथिन होता है जो आंखों के रेटिना को मजबूत बनाता है।
- आलूबुखारा कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है। इसमें घुलनशील फाइबर होता है जो शरीर में बढ़ने वाले कोलेस्ट्रॉल पर नियंत्रण रखता है।
- यह बालों से संबंधित समस्याओं में राहत दिलवाने में मदद करता है।

रेसिपी

मिलानो मिनेस्ट्रान

सामग्री

1/4 कप गेहूं से बना पैने, 2 टी–स्पून सूखा ऑरेगानो, 1 1/2 टी–स्पून तेल, 2 टेबल–स्पून बारीक कटे हुए प्याज़, 2 तेजपत्ता, 1 1/2 कप बारीख कटे हुए गाजर, 2 टेबल–स्पून बारीक कटी हुई फूलगोभी, 2 टेबल–स्पून हरे मटर, 3/4 कप छिले और बारीक कटे हुए आलू, 3 टेबल–स्पून बारीक कटी हुई पत्तागोभी, 1 टेबल–स्पून कोर्नफ्लॉर , 1/2 कप पानी में घोला हुआ, 2 टेबल–स्पून कटे हुए टमाटर, 4 टेबल–स्पून टमाटर की प्यूरी, नमक और ताज़ी पीसी काली मिर्च स्वादअनुसार, **सजाने के लिए,**2 टेबल–स्पून बारीक कटा हुआ पार्सले,

विधि

एक गहरे नॉन–स्टिक पैन में तेल गरम करें, प्याज़ और तेजपत्ता डालकर मध्यम आंच पर 30 सेकन्ड तक भूनें। गाजर, फूलगोभी, हरे मटर और 5 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर बीच–बीच में हिलाते हुए 2–3 मिनट तक पकाएं। आलू, पत्तागोभी और गेहूं से बने पैने डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर 7 से 8 मिनट या सब्ज़ी के नरम होने तक, बीच–बीच में हिलाते हुए पका लें। कोर्नफ्लॉर–पानी का मिश्रण, टमाटर, टमाटर की प्यूरी, ऑरेगानो, नमक और काली मिर्च डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए 1 से 2 मिनट तक पकाएं। पार्सले से सजाकर गरमा गरम परोसें।

दही सौंफीयानी टिक्की

सामग्री

1 कप चक्का दही, 1/2 कप कसा हुआ पनीर, 3 टी–स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 टी–स्पून कटा हुआ लहसुन, एक चुटकी शक्कर, नमक स्वादअनुसार, 2 टेबल–स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 2 टेबल–स्पून बारीक कटा हुआ पुदिना, 1 टी–स्पून सौंफ पाउडर, 1 टेबल–स्पून घी, 2 टेबल–स्पून भूनी हुई चना दाल का पाउडर, 2 टी–स्पून कोर्नफ्लॉर, तेल , तलने के लिए

विधि

दही, पनीर, हरी मिर्च, लहसुन, शक्कर, नमक, धनिया, पुदिना और सौंफ पाउडर को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। पैन में घी गरम करें, भुनी हुई चना दाल का पाउडर, दही का मिश्रण और कोर्नफ्लॉर डालकर मिश्रण के गाढ़े होने तक या पैन से अलग होने तक पका लें। ठंडा करने एक तरफ रख दें। मिश्रण को 8 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग के गोल चपटी टिक्की बना लें। मध्यम आंच पर कढ़ाई में तेल गरम करें और टिक्की को दोनो तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ में निकालकर गरमा गरम परोसें।

संपादकीय

बड़ी दिमागी खोज

मानवता के कल्याण के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए, जिस प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार की स्थापना की गई थी, इस बार चिकित्सा विज्ञान में खोज के लिये दिया जा रहा पुरस्कार उस कसौटी पर खरा उतरता है। मेडिसिन के लिये वर्ष 2026 का नोबेल पुरस्कार अमेरिका और जर्मनी के तीन वैज्ञानिकों को देने की घोषणा की गई है। कार्ल डेसरॉथ, पीटर हेगेमान और जॉर्ज नेगल को यह सम्मान दिमाग की कोशिकाओं को रोशनी से नियंत्रित करने वाली खोज के लिये मिला है। इस खोज ने दिमाग के अध्ययन करने का एक नया तरीका वैज्ञानिकों को उपलब्ध कराया है। उनकी खोज व अनुसंधान से 'ऑप्टोजेनेटिक्स' तकनीक विकसित करने में मदद मिली है, जो मनुष्य की तंत्रिका कोशिकाओं को नियंत्रित करने के लिये रोशनी का प्रयोग करती है। दरअसल, इस तकनीक का विचार इसके जटिल नाम से ज्यादा आसान है। उल्लेखनीय है कि मनुष्य के मस्तिष्क में अरबों नर्व सेल्स यानी न्यूरॉन्स होते हैं, जो इलेक्ट्रिकल और केमिकल सिग्नल्स के जरिये आपस में संवाद स्थापित करते हैं। विज्ञानी लगातार खोज करते रहे हैं कि मस्तिष्क की सक्रियता, याददाश्त, भावनाओं और व्यवहार को नियंत्रित करने में न्यूरॉन्स समूहों की कैसी भूमिका होती है। निस्संदेह, यह वैज्ञानिकों के लिये एक बड़ी चुनौती थी क्योंकि आधुनिक तकनीकों से दिमाग की गतिविधि पर तो नजर रखी जा सकती थी, लेकिन विभिन्न कोशिकाओं को ठीक से नियंत्रित करना कठिन था। इस खोज की शुरुआत पीटर हेगेमान द्वारा हरे शैवाल के रोशनी की ओर तैरने के रहस्य को सुलझाने से हुई। हेगेमान और नेगल ने एक ऐसा प्रोटीन खोजा जो नीली रोशनी पड़ने पर आयन चैनल खोलकर इलेक्ट्रिकल हलचल पैदा करता है। वैज्ञानिकों ने इस बात का अध्ययन किया कि यह प्रोटीन रोशनी पर कैसी प्रतिक्रिया करता है। अंततः इस खोज का प्रयोग न्यूरॉन्स को रोशनी के प्रति संवेदनशील बनाने के लिये किया गया। इसके बाद ही शोधकर्ता चुनिंदा तंत्रिका कोशिकाओं को सक्रिय या निष्क्रिय करके देख सके कि इसका कैसा प्रभाव होता है। माना जा रहा है कि दिमाग की कोशिकाओं का नियमन करने वाले स्विच बटन की खोज चिकित्सा विज्ञान में बड़े बदलाव का वाहक बन सकती है। अब तक वैज्ञानिकों को ज्ञात था कि किसी क्रिया या भावना की अभिव्यक्ति में दिमाग के कौन-सा हिस्सा सक्रिय था। लेकिन नई खोज के जरिये वैज्ञानिक पता लगा सकते हैं कि किन खास कोशिकाओं को सक्रिय या शांत करने से यह वास्तविक प्रतिक्रिया सामने आती है। निश्चित रूप से अब विशिष्ट तंत्रिका कोशिकाओं के व्यवहार की व्यापक जानकारी जुटायी जा सकेगी। कह सकते हैं कि दिमाग के व्यवहार को समझने के लिये अब नये रास्ते खुल गये हैं। बहरहाल, यह खोज इस बात का शानदार उदाहरण है कि बुनियादी वैज्ञानिक शोध से कैसे अप्रत्याशित और बड़ी कामयाबी मिल सकती है। शुरुआत में एक छोटे से शैवाल में मौजूद रोशनी के प्रति संवेदनशील प्रोटीन का अध्ययन इस बात के लिये किया गया था कि वह जीव रोशनी पर कैसी प्रतिक्रिया करता है। लेकिन अंततः यह खोज प्रकृति के सबसे बड़े रहस्यों में से एक, यानी इंसानी दिमाग की प्रामाणिक जांच के लिये एक मजबूत व विश्वसनीय साधन बन गयी। भरोसा है कि यह खोज मानव कल्याण के नये मार्ग खोलेगी। वैज्ञानिक दावा कर रहे हैं कि इस खोज के सामने आने के बाद आंखों की रेटिना कोशिकाओं को प्रकाश के प्रति संवेदनशील बनाकर, उन लोगों के जीवन में रोशनी लायी जा सकेगी, जो किसी रोग के कारण दृष्टिहीन हो गए थे। वहीं दुनिया में तेजी से बढ़ रहे दिमागी रोग पार्किंसंस के रोग में, खास दिमागी कोशिकाओं को नियंत्रित करके ऐसे रोगी के शरीर में कंपन व अन्य लक्षणों को नियंत्रित किया जा सकेगा। दूसरी तरफ आधुनिक जीवन शैली से उपजे अवसाद व तनाव के नियंत्रण में भी यह खोज सहायक बन सकती है। उम्मीद जगी है कि यह खोज अवसाद व तनाव के दौरान दिमाग के प्रभावित हिस्सों की पहचान कर सकेगी। इसमें दो राय नहीं कि इस खोज का लाभ आम आदमी तक पहुंचने में अभी कुछ वक्त लगेगा, लेकिन मनुष्य के जीवन में इस खोज ने एक नई उम्मीद तो जगा दी है।

निस्संदेह, यह वैज्ञानिकों के लिये एक बड़ी चुनौती थी क्योंकि आधुनिक तकनीकों से दिमाग की गतिविधि पर तो नजर रखी जा सकती थी, लेकिन विभिन्न कोशिकाओं को ठीक से नियंत्रित करना कठिन था। इस खोज की शुरुआत पीटर हेगेमान द्वारा हरे शैवाल के रोशनी की ओर तैरने के रहस्य को सुलझाने से हुई। हेगेमान और नेगल ने एक ऐसा प्रोटीन खोजा जो नीली रोशनी पड़ने पर आयन चैनल खोलकर इलेक्ट्रिकल हलचल पैदा करता है। वैज्ञानिकों ने इस बात का अध्ययन किया कि यह प्रोटीन रोशनी पर कैसी प्रतिक्रिया करता है। अंततः इस खोज का प्रयोग न्यूरॉन्स को रोशनी के प्रति संवेदनशील बनाने के लिये किया गया। इसके बाद ही शोधकर्ता चुनिंदा तंत्रिका कोशिकाओं को सक्रिय या निष्क्रिय करके देख सके कि इसका कैसा प्रभाव होता है। माना जा रहा है कि दिमाग की कोशिकाओं का नियमन करने वाले स्विच बटन की खोज चिकित्सा विज्ञान में बड़े बदलाव का वाहक बन सकती है। अब तक वैज्ञानिकों को ज्ञात था कि किसी क्रिया या भावना की अभिव्यक्ति में दिमाग क... सक्रिय था। लेकिन नई खोज के जरिये वैज्ञानिक पता लगा सकते हैं कि किन खास कोशिकाओं को सक्रिय या शांत करने से यह वास्तविक प्रतिक्रिया सामने आती है। निश्चित रूप से अब विशिष्ट तंत्रिका कोशिकाओं के व्यवहार की व्यापक जानकारी जुटायी जा सकेगी। कह सकते हैं कि दिमाग के व्यवहार को समझने के लिये अब नये रास्ते खुल गये हैं। बहरहाल, यह खोज इस बात का शानदार उदाहरण है कि बुनियादी वैज्ञानिक शोध से कैसे अप्रत्याशित और बड़ी कामयाबी मिल सकती है। शुरुआत में एक छोटे से शैवाल में मौजूद रोशनी के प्रति संवेदनशील प्रोटीन का अध्ययन इस बात के लिये किया गया था कि वह जीव रोशनी पर कैसी प्रतिक्रिया करता है। लेकिन अंततः यह खोज प्रकृति के सबसे बड़े रहस्यों में से एक, यानी इंसानी दिमाग की प्रामाणिक जांच के लिये एक मजबूत व विश्वसनीय साधन बन गयी।

शिकार प्रजातियों और संपूर्ण खाद्य-श्रृंखला की सुरक्षा को बढ़ावा दिया है

वन्यजीव संरक्षणः प्रकृति के साथ भविष्य की सुरक्षा

वन्यजीव किसी देश की प्राकृतिक संपदा भर नहीं होते, बल्कि वे उसके पारिस्थितिक तंत्र की जीवंत कड़ियाँ हैं। जंगल, घासभूमि, आर्द्रभूमि, नदियाँ और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र तभी संतुलित रह सकते हैं, जब उनमें रहने वाली विभिन्न प्रजातियाँ सुरक्षित रहें। भारत जैव-विविधता की दृष्टि से दुनिया के महत्वपूर्ण देशों में शामिल है। यहाँ हिमालय से लेकर पश्चिमी घाट, थार के मरुस्थल से लेकर सुंदरबन और अंडमान-निकोबार तक विविध प्रकार के आवास पाए जाते हैं। ऐसे में वन्यजीव संरक्षण केवल कुछ दुर्लभ प्रजातियों को बचाने का प्रयास नहीं, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों और मानव जीवन की सुरक्षा का भी प्रश्न है। राजस्थान में कैद में पाले गए ग्रेट इंडियन बस्टर्ड यानी गोडावण को वैज्ञानिक तरीके से पुनः प्राकृतिक आवास में स्थापित करने के प्रयास इस बात का उदाहरण हैं कि भारत अब संरक्षण में पारंपरिक उपायों के साथ वैज्ञानिक हस्तक्षेपों को भी महत्व दे रहा है। वन्यजीव संरक्षण का पहला और सबसे स्पष्ट महत्व जैव-विविधता की रक्षा है। प्रत्येक प्रजाति पारिस्थितिक तंत्र में किसी न किसी भूमिका का निर्वहन करती है। किसी प्रजाति का विलुप्त होना केवल एक जीव के समाप्त होने की घटना नहीं होती, बल्कि उसके साथ जुड़ी अनेक जैविक प्रक्रियाएँ भी प्रभावित हो सकती हैं। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड जैसी गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजाति का संरक्षण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके अस्तित्व के साथ उसके पूरे घासभूमि आवास का संरक्षण जुड़ा हुआ है। इसी प्रकार बाघ के संरक्षण ने भारत में बड़े वन क्षेत्रों, शिकार प्रजातियों और संपूर्ण खाद्य-श्रृंखला की सुरक्षा को बढ़ावा दिया है। इसलिए किसी 'छत्र प्रजाति' का संरक्षण अनेक अन्य प्रजातियों के लिए भी सुरक्षा कवच बन सकता है। वन्यजीव पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिकारी प्रजातियाँ शाकाहारी जीवों की संख्या को नियंत्रित करती हैं, परागणकर्ता पौधों के प्रजनन में सहायता करते हैं और अनेक पक्षी तथा छोटे जीव बीजों के प्रसार में योगदान देते हैं। यदि खाद्य-श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी कमजोर हो जाए तो उसका प्रभाव पूरे पारिस्थितिक तंत्र पर पड़ सकता है। स्वस्थ वन और घासभूमियाँ जल संरक्षण, मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने और कार्बन को अवशोषित करने में भी योगदान देती हैं। इस प्रकार वन्यजीव संरक्षण जलवायु और पर्यावरणीय सुरक्षा से भी सीधे जुड़ा हुआ है। वन्यजीवों का संरक्षण मानव समाज के लिए अनेक पारिस्थितिकी सेवाएँ भी सुनिश्चित करता है। वनों और आर्द्रभूमियों का संरक्षण जल को संचित करने, भूजल पुनर्भरण, बाढ़ नियंत्रण और तापमान को संतुलित करने में सहायता करता है। मधुमक्खियों, तितलियों और अन्य परागणकर्ताओं का संरक्षण कृषि उत्पादकता से जुड़ा है। इसी प्रकार प्राकृतिक आवास कार्बन भंडारण में योगदान देकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में सहायता करते हैं। इसलिए प्रकृति की रक्षा को केवल पर्यावरणीय दायित्व समझना पर्याप्त नहीं; यह खाद्य, जल और आजीविका की सुरक्षा का भी आधार है। वन्यजीव संरक्षण का आर्थिक महत्व भी कम नहीं है। राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य और टाइगर रिजर्व प्रकृति-आधारित पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, जिससे स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार और आय के अवसर पैदा होते हैं। यदि पर्यटन का विकास स्थानीय लोगों की भागीदारी और पर्यावरणीय सीमाओं के अनुरूप किया जाए तो संरक्षण और आजीविका एक-दूसरे के पूरक बन सकते हैं। इसके अतिरिक्त वन्यजीव भारत की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का हिस्सा हैं। आने वाली पीढ़ियों को बाघ, हाथी, गोडावण, गैंडा, सिंह और अनेक पक्षी-प्रजातियाँ उसी प्राकृतिक परिवेश में दिखाई दें, यह हमारी पीढ़ी की जिम्मेदारी है। हालाँकि वन्यजीव संरक्षण के सामने चुनौतियाँ गंभीर हैं। सबसे बड़ी चुनौती आवासों का क्षरण और विखंडन है। बढ़ती आबादी, कृषि विस्तार, खनन, सड़क, रेल, उद्योग और अन्य आधारभूत परियोजनाओं के कारण वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास सिकुड़ रहे हैं। अलग-अलग हिस्सों में बँट चुके जंगल जानवरों की आवाजाही और प्रजनन को प्रभावित करते हैं। विशेष रूप से हाथी, बाघ और तेंदुए जैसी बड़ी प्रजातियों के लिए वन्यजीव गलियारों का सुरक्षित रहना आवश्यक है। आधुनिक आधारभूत ढाँचा विकास के साथ एक नई चुनौती भी सामने आई है। सड़क और रेल दुर्घटनाएँ, विद्युत लाइनों से टकराव तथा ऊर्जा अवसंरचना कई पक्षी और अन्य वन्यजीव प्रजातियों के लिए खतरा बन सकती है। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। इसके संरक्षण के लिए केवल पक्षियों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा; उसके प्राकृतिक आवास में मौजूद खतरों को भी कम करना होगा। इससे स्पष्ट होता है कि संरक्षण नीति को प्रजाति-केंद्रित होने के साथ-साथ लैंडस्केप-केंद्रित भी होना चाहिए। मानव-वन्यजीव संघर्ष भी संरक्षण के सामने बड़ी चुनौती है। जब हाथी खेतों में प्रवेश करते हैं, तेंदुए आबादी के निकट दिखाई देते हैं या जंगली जानवर फसलों को नुकसान पहुँचाते हैं, तो स्थानीय लोगों के सामने वास्तविक आर्थिक और सुरक्षा संबंधी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। यदि संरक्षण का लाभ स्थानीय समुदायों तक नहीं पहुँचता, तो संरक्षण के प्रति असंतोष पैदा हो सकता है। इसी तरह अवैध शिकार और वन्यजीवों की तस्करी कुछ प्रजातियों के लिए लगातार खतरा बनी हुई है। जलवायु परिवर्तन इस चुनौती को और जटिल बनाता है क्योंकि तापमान और वर्षा के बदलते पैटर्न से कई प्रजातियों के पारंपरिक आवास प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में आगे की रणनीति बहुआयामी होनी चाहिए। सबसे पहले प्राकृतिक आवासों की रक्षा के साथ-साथ क्षतिग्रस्त आवासों का पुनर्स्थापन किया जाए। वन्यजीव गलियारों की वैज्ञानिक पहचान कर उन्हें सुरक्षित किया जाना चाहिए। विकास परियोजनाओं की पर्यावरणीय स्वीकृति में केवल किसी एक संरक्षित क्षेत्र को नहीं, बल्कि पूरे लैंडस्केप और वन्यजीवों की आवाजाही को ध्यान में रखा जाना आवश्यक है। जहाँ वैज्ञानिक रूप से उपयुक्त हो, वहाँ कैप्टिव ब्रीडिंग, जीन बैंक, रेडियो-टैगिंग, कैमरा ट्रैप और अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाए। गोडावण जैसे संकटग्रस्त पक्षियों के लिए प्रजनन और पुनर्स्थापन कार्यक्रम तभी सफल होंगे, जब उनके प्राकृतिक आवास को भी सुरक्षित रखा जाए। स्थानीय समुदायों की भागीदारी संरक्षण की सबसे महत्वपूर्ण शर्तों में से एक है। ग्रामीणों को केवल संरक्षण नियमों का पालन करने वाला समूह मानने के बजाय उन्हें संरक्षण का भागीदार बनाया जाना चाहिए। इको-टूरिज्म, स्थानीय हस्तशिल्प, प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित टिकाऊ आजीविका और संरक्षण से जुड़े रोजगार के अवसर बढ़ाए जा सकते हैं। मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति में त्वरित और पारदर्शी मुआवजा व्यवस्था तथा स्थानीय स्तर पर त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र भी आवश्यक है। अंततः वन्यजीव संरक्षण को 'जानवर बचाने' की सीमित अवधारणा से आगे ले जाने की आवश्यकता है।

भारत जैव-विविधता की दृष्टि से दुनिया के महत्वपूर्ण देशों में शामिल है। यहाँ हिमालय से लेकर पश्चिमी घाट, थार के मरुस्थल से लेकर सुंदरबन और अंडमान-निकोबार तक विविध प्रकार के आवास पाए जाते हैं। ऐसे में वन्यजीव संरक्षण केवल कुछ दुर्लभ प्रजातियों को बचाने का प्रयास नहीं, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों और मानव जीवन की सुरक्षा का भी प्रश्न है। राजस्थान में कैद में पाले गए ग्रेट इंडियन बस्टर्ड यानी गोडावण को वैज्ञानिक तरीके से पुनः प्राकृतिक आवास में स्थापित करने के प्रयास इस बात का उदाहरण हैं कि भारत अब संरक्षण में पारंपरिक उपायों के साथ वैज्ञानिक हस्तक्षेपों को भी महत्व दे रहा है। वन्यजीव संरक्षण का पहला और सबसे स्पष्ट महत्व जैव-विविधता की रक्षा है। प्रत्येक प्रजाति पारिस्थितिक तंत्र में किसी न किसी भूमिका का निर्वहन करती है। किसी प्रजाति का विलुप्त होना केवल एक जीव के समाप्त होने की घटना नहीं होती, बल्कि उसके साथ जुड़ी अनेक जैविक प्रक्रियाएँ भी प्रभावित हो सकती हैं।

देश दुनिया से

देश में हुए व्यापक बदलावों को देखने-समझने का अवसर

नरेंद्र मोदी ने एक सरकार के प्रमुख के रूप में 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह सार्वजनिक जीवन की ऐसी यात्रा है, जिसकी शुरुआत साल 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने से हुई और 2014 में भारत के प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभालने के साथ राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ी। यह वह दौर है, जिसमें भारत ने आर्थिक, तकनीकी, बुनियादी ढांचे और सामाजिक क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन देखा है। एक-चौथाई सदी का यह पड़ाव राजनीतिक उपलब्धियों से आगे बढ़कर देश में हुए व्यापक बदलाव को देखने-समझने का अवसर प्रदान करता है। 2014 के बाद मोदी सरकार ने बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन, प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचे, वित्तीय समावेशन, विनिर्माण, सामाजिक कल्याण और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती भागीदारी पर केंद्रित दृष्टिकोण अपनाया है। समर्थक इस अवधि को तेज गति से हुए राष्ट्र-निर्माण का दौर बताते हैं, जबकि आलोचकों और स्वतंत्र विश्लेषकों ने क्रियान्वयन, संस्थागत प्रक्रियाओं और आर्थिक लाभों के वितरण को लेकर प्रश्न उठाए हैं। इसलिए इस पूरे दौर को समझने के लिए मापनीय बदलावों के साथ-साथ उनसे जुड़े विमर्शों को भी ध्यान में रखना आवश्यक है। इस अवधि की प्रमुख विशेषताओं में से एक 'डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना' का विस्तार रहा है। 2015 में शुरू किए गए डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में सहायता की, जिसमें पहचान, बैंकिंग, मोबाइल कनेक्टिविटी और सार्वजनिक सेवाएं बड़े पैमाने पर संचालित हो सकें। मार्च 2026 तक भारत में 144 करोड़ से अधिक आधार पहचानें, 57.71 करोड़ जन धन खाते व तेजी से विस्तारित होता डिजिटल सेवाओं का नेटवर्क मौजूद था। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) इस परिवर्तन के सबसे स्पष्ट प्रतीकों में से एक है। वित्त वर्ष 2016-17 में लगभग 2 करोड़ वार्षिक लेन-देन से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में यूपीआई लेन-देन 24,162 करोड़ से अधिक हो गए। यूपीआई का विस्तार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हुआ। डिजिटल भुगतान ने छोटे व्यवसायों, रेहड़ी-पटरी वालों, उपभोक्ताओं और उद्यमियों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली में अधिक आसानी से भाग लेने में मदद की। वहीं डिजिलॉकर, उमंग, कॉमन सर्विस सेंटर और भारतनेट जैसे प्लेटफॉर्मों ने सरकारी तथा आवश्यक सेवाओं तक नागरिकों की पहुंच का विस्तार किया है। 'बुनियादी ढांचा' भी इस अवधि का प्रमुख स्तंभ रहा है। पिछले 12 वर्षों के दौरान भारत ने सड़कों, रेलवे, हवाई अड्डों, बंदरगाहों, जलमार्गों, आवास, ऊर्जा और शहरी परिवहन में निवेश को तेज किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 तक भारतीय रेल नेटवर्क का 99.6 प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका था, जबकि देश का मेट्रो नेटवर्क 1,155 किलोमीटर से अधिक हो गया था। वहीं विनिर्माण और आर्थिक आत्मनिर्भरता पर भी जोर दिया गया है। 'मेक इन इंडिया', उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं और व्यापक 'आत्मनिर्भर भारत' ढांचे के जरिए घरेलू विनिर्माण क्षमता बढ़ाने, निवेश आकर्षित करने तथा इलेक्ट्रॉनिक्स व दूरसंचार से लेकर फार्मास्यूटिकल्स और रक्षा तक कई रणनीतिक क्षेत्रों में क्षमता विकसित करने का प्रयास किया गया। इस अवधि में जन धन खाते, आधार और मोबाइल कनेक्टिविटी ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के लिए आधार तैयार किया, जिससे सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाई जा सके। आवास, स्वच्छता, खाना पकाने के ईंधन, पेयजल, स्वास्थ्य बीमा और खाद्य सुरक्षा से संबंधित योजनाओं के माध्यम से बड़े पैमाने पर बुनियादी घरेलू जरूरतों को पूरा करने का प्रयास किया गया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल के एक प्रस्ताव में सरकार ने दावा किया कि इस दौरान 25 करोड़ से अधिक लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए। कोविड-19 महामारी के दौरान देश ने कोविन डिजिटल प्लेटफॉर्म के सहयोग से दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियानों में से एक संचालित किया जिसके जरिए 220 करोड़ से अधिक वैक्सीन खुराक दी गईं, जबकि ईसंजीवनी जैसी डिजिटल सेहत पहलों ने टेलीमेडिसिन की पहुंच बढ़ाई। मोदी काल में भारत ने स्वयं को ग्लोबल साउथ की आवाज, एक प्रमुख प्रौद्योगिकी और विनिर्माण अर्थव्यवस्था तथा जलवायु कार्रवाई से लेकर डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना तक विभिन्न वैश्विक पहलों में एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में प्रस्तुत किया है। साल 2023 में जी20 की सफल अध्यक्षता ने भारत को विकास संबंधी चिंताओं, डिजिटल समावेशन और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के हितों को अंतर्राष्ट्रीय एजेंडे पर अधिक प्रमुखता से रखने का मंच प्रदान किया। डिजिटल भुगतान और आधार से लेकर अंतरिक्ष अन्वेषण, सेमीकंडक्टर विनिर्माण और एआई तक, नीतिगत जोर तेजी से स्वदेशी क्षमताओं के निर्माण की ओर बढ़ा है। हालांकि, इस दौर में भारत की यात्रा रोजगार, असमानता, कृषि संकट, केंद्र-राज्य संबंधों, सामाजिक समरसता व विमर्श की गुणवत्ता जैसे अहम प्रश्नों से भी जुड़ी रही है। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी जी के कार्यकाल में हरियाणा को भी राष्ट्रीय विकास यात्रा में महत्वपूर्ण निवेश और विकास परियोजनाएं मिली हैं, जिनमें गुरुग्राम मेट्रो, एम्स रेवाड़ी, द्वारका एक्सप्रेसवे तथा रेलवे और राजमार्ग कनेक्टिविटी का विस्तार शामिल है। वहीं स्वास्थ्य, ऊर्जा, विमानन और औद्योगिक बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं को भी समर्थन दिया।

आप का नज़रिया

पर्यटन का समन्वित विकास

अचानक या चौबीस घंटे पर्यटन के लिए हम कितना तैयार हैं, यह बरसात के बाद दो से चार अक्तूबर के बीच आए सैलानियों की संख्या व वाहनों की कतार से दर्ज हो रहा है। बेशक बढ़ता पर्यटन राहत देता है, क्योंकि राज्य में इस समय सबसे अधिक निजी निवेश इसी उद्योग में हो रहा है। यह एकतरफा निवेश है, जहां पर्यटन के नाम पर होटल व रेस्तरां तो निर्मित हो रहे हैं, लेकिन पर्यटक स्थलों की अधोसंरचना, सडक़ों का रखरखाव, वाहनों के लिए माकूल पार्किंग, सफाई तथा नागरिक सुविधाओं में विस्तार नहीं हो पा रहा है। नतीजतन जब अचानक लंबा सप्ताहांत, त्योहार या छुट्टियां आ जाती हैं, तो पर्यटक स्थल जाम में फंस जाते हैं। दो से चार अक्तूबर के सेलिब्रेशन में पर्यटन का जखीरा बिखर जाता है। अकेले शिमला में ही एक लाख के करीब वाहन या पूरे हिमाचल में निजी वोल्वो तथा पर्यटक बसों की तादाद अगर 500 से अधिक तक पहुंच जाती है, तो ऐसे वाहनों के लिए पार्किंग स्थल बनाने होंगे। मनाली की तर्ज पर शिमला, धर्मशाला, बीड़-बिलिंग व कुछ अन्य डेस्टिनेशन पर पर्यटक तथा निजी वोल्वो बसों के बस स्टैंड व सुविधा केंद्र विकसित करने चाहिएं। ट्रैफिक जाम व्यवस्थागत प्रश्न भी है और इसके समाधान के लिए पुलिस पेट्रोलिंग के अलावा पूरे प्रदेश के पर्यटन मानचित्र का संचालन ऐप के जरिए करना होगा। तमाम प्रवेश द्वारों पर ही पर्यटकों का पंजीकरण करके इन्हें ऐप के जरिए अपनी यात्रा, सुविधाओं, सुरक्षा तथा सहायता की गारंटी मिलनी चाहिए। आश्चर्य तब होता है जब हम पर्यटक को शौचालय तक मुहैया नहीं करवा पाते। ट्रैकिंग स्थलों पर सुरक्षा, पेयजल तथा टॉयलट का प्रबंध करना होगा। अचानक और 24 घंटे के पर्यटन के लिए तैयारी का आलम यह कि भारी भीड़ में हमारे गंतव्य दब जाते हैं। आकर्षण या मनोरंजन के विकल्प मिट जाते हैं। रह जाती हैं यादें उस कठिन दौर या अव्यवस्था की, जो परिवहन से शुरू होकर सुकून तक परेशान होती हैं। पर्यटन के प्रति किसी भी सरकार का कोई संकल्प पत्र सामने नहीं आता, बल्कि राजनीति की हंडिया में हर बार कुछ ऐसा पक जाता है जो पर्यटन के नजरिए को मजबूत नहीं करता। अब ट्रैफिक जाम ही अगर हिमाचल की पर्यटन गतिविधियों का परिणाम है, तो ये सिलसिले एक दिन बहुत कुछ खारिज कर देंगे। पर्यटन क्षेत्र में समन्वित विकास की नई रूपरेखा बननी चाहिए। जिन गंतव्यों में निजी निवेश ने बाहें फैलाई हैं, वहां सार्वजनिक निवेश की भूमिका भी तय होनी चाहिएं। शिमला, मनाली, मकलोडगंज, कसौली या बीड़-बिलिंग में निजी निवेश अगर बढ़ा है, तो इसके अनुपात में सरकार को भी अपने निवेश का दायरा बड़ा करते हुए हर आगंतुक की सुविधा का ध्यान रखना होगा। पर्यटन के दिन बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने होंगे, वरना इस क्षेत्र की अधोसंरचना शेष साल में अप्रासंगिक होकर, भयंकर वित्तीय संकट में फंस जाएगी। एक अनुमान के अनुसार पूरे प्रदेश में कम से कम तीन सौ होटल अपने औचित्य की भूमिका में निराश होकर, बिकने को तैयार हैं, तो कहीं न कहीं पर्यटन विकास का हमारा मॉडल सही नहीं है। निजी निवेश के साथ सरकारी निवेश की सूझबूझ व निष्पक्षता न बढ़ाई, तो पर्यटन क्षेत्र में गुणवत्ता नहीं आएगी।

बेशक बढ़ता पर्यटन राहत देता है, क्योंकि राज्य में इस समय सबसे अधिक निजी निवेश इसी उद्योग में हो रहा है। यह एकतरफा निवेश है, जहां पर्यटन के नाम पर होटल व रेस्तरां तो निर्मित हो रहे हैं, लेकिन पर्यटक स्थलों की अधोसंरचना, सडक़ों का रखरखाव, वाहनों के लिए माकूल पार्किंग, सफाई तथा नागरिक सुविधाओं में विस्तार नहीं हो पा रहा है। नतीजतन जब अचानक लंबा सप्ताहांत, त्योहार या छुट्टियां आ जाती हैं, तो पर्यटक स्थल जाम में फंस जाते हैं। दो से चार अक्तूबर के सेलिब्रेशन में पर्यटन का जखीरा बिखर जाता है। अकेले शिमला में ही एक लाख के करीब वाहन या पूरे हिमाचल में निजी वोल्वो तथा पर्यटक बसों की तादाद अगर 500 से अधिक तक पहुंच जाती है, तो ऐसे वाहनों के लिए पार्किंग स्थल बनाने होंगे। मनाली की तर्ज पर शिमला, धर्मशाला, बीड़-बिलिंग व कुछ अन्य डेस्टिनेशन पर पर्यटक तथा निजी वोल्वो बसों के बस स्टैंड व सुविधा केंद्र विकसित करने चाहिएं। ट्रैफिक जाम व्यवस्थागत प्रश्न भी है और इसके समाधान के लिए पुलिस पेट्रोलिंग के अलावा पूरे प्रदेश के पर्यटन मानचित्र का संचालन ऐप के जरिए करना होगा। तमाम प्रवेश द्वारों पर ही पर्यटकों का पंजीकरण करके इन्हें ऐप के जरिए अपनी यात्रा, सुविधाओं, सुरक्षा तथा सहायता की गारंटी मिलनी चाहिए। आश्चर्य तब होता है जब हम पर्यटक को शौचालय तक मुहैया नहीं करवा पाते। ट्रैकिंग स्थलों पर सुरक्षा, पेयजल तथा टॉयलट का प्रबंध करना होगा। अचानक और 24 घंटे के पर्यटन के लिए तैयारी का आलम यह कि भारी भीड़ में हमारे गंतव्य दब जाते हैं। आकर्षण या मनोरंजन के विकल्प मिट जाते हैं। रह जाती हैं यादें उस कठिन दौर या अव्यवस्था की, जो परिवहन से शुरू होकर सुकून तक परेशान होती हैं।

कुछ अलग

उनके पितर और मैं सद्चरित्र

अपने पितर का मेरे पेट के माध्यम से अपना भक्षण करवाने के लिए कल उनका बार बार फोन आ रहा था। पर मैं हर बार काट रहा था ताकि उन्हें मेरी वैल्यू का पता चले। आखिर जब वे हद से आगे के परेशान लगे तो मैं फोन उठाया, 'और हमारे पितर देवता कैसे हो?' 'बस, सुस्ता रहा हूं। उनके पितर को खुश करने के बाद, मैंने पेट पर हाथ फेरते कहा तो वे बोले, 'आपसे एक अनुरोध था।' 'एक नहीं। अनेक कहो।' 'कल हमारे यहां पितर की प्रसन्नता के लिए श्राद्ध है। और हम चाहते हैं कि...' आगे मैं सब समझ गया। 'तो कितने बजे आपको खाऊं, सॉरी! आऊं?' मैंने उनसे गुर्राते पूछा तो वे बोले, 'जो कल कहीं और व्यस्त न हों तो दस बजे आ जाइएगा। हमारे पितर को भूख बहुत जल्दी लगती थी।' 'रुको जरा। डायरी देख कर बताता हूं कि...', कह मैंने सिरहाने रखी पितरों के कल्याण की बुकिंग वाली डायरी निकाल देखी तो कल बस, एक जगह और उनके पितरों के कल्याण के लिए खाने जाना था।

दृष्टि कोण

संवैधानिक आज़ादी के मायने कानूनी आज़ादी नहीं

कई महीनों से, मतदाता सूची में 'विशेष गहन पुनरीक्षण' यानी एसआईआर ने मतदाताओं को परीक्षा में डाल रखा है। सोमवार को, सर्वोच्च न्यायालय में केंद्रीय चुनाव आयोग के फ़ैसले लेने के तौर-तरीके पर सवाल उठे। न्यायालय उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था जो इन खबरों से जुड़ी थीं कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने आयोग के नाम पर लिए गए फ़ैसलों या कामों पर कम से कम 14 बार आपत्तियां जताई थीं। वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को तुरंत पद से हटाने की मांग की। न्यायालय ने इसे अस्वीकार करके सही किया कि केवल अख़बार की खबरों के आधार पर और एकतरफ़ा तौर पर ऐसा असाधारण कदम नहीं उठाया जा सकता। लेकिन इसके बाद जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि उम्मीद की जाती है कि आयोग के फ़ैसले आम सहमति से हों; जहां आम सहमति संभव न हो, वहां निर्णय बहुमत के आधार पर हो। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने कहा कि अगर रिकॉर्ड से पता चलेगा कि कुछ निर्णय विशेष इस नियम के उलट लिए गए थे तो अदालत उन पर रोक लगा सकती है, उन्हें अधिकार-क्षेत्र से बाहर घोषित कर सकती है। अब एक नोटिस जारी किया गया है— विसंगति साबित करने में संबंधित लोगों का पक्ष सुना जाए। लेकिन विवाद का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। अब सवाल सिर्फ़ यह नहीं रहा कि क्या विशेष गहन पुनरीक्षण प्रशासनिक रूप से सुस्पष्ट है। इससे भी पहले एक सवाल उठता है : क्या कुछ विवादित काम कानूनी

तौर पर केंद्रीय चुनाव आयोग के फ़ैसले थे भी या नहीं? 2023 के कानून की धारा 18 स्पष्ट है। इसका मुख्य कामकाज आम सहमति से होना चाहिए; जहां पर आयुक्तों की राय अलग-अलग हो, तो फैसला बहुमत के आधार पर लिया जाए। यह सिद्धांत 'मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों' से भी पुराना है (संदर्भ : नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल अधिनियम)। मुख्य चुनाव आयुक्त एक अध्यक्ष है, न कि एक कमांडर। सर्वोच्च न्यायालय ने टीएन शेषन मामले में भी यही कहा था। तीन सदस्यों वाली संवैधानिक संस्था में, दो सदस्यों की एक जैसी राय ही बहुमत है। किसी सामूहिक संस्था के भीतर मतभेद होना सामान्य है, यहां तक कि जब सब 'ठीक' हो। जो चीज़ मायने रखती है, वह यह कि बाद में क्या होता है। अगर आयुक्त 'अ' कोई एक प्रस्ताव रखता है और बाकी दो 'भिन्न राय' दर्ज करते हैं, तो 'अ' के प्रस्ताव को 'केंद्रीय चुनाव आयोग' का फ़ैसला नहीं कहा जा सकता। फॉर्म 6 मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के तहत एक कानूनी प्रपत्र है। 'द इंडियन एक्सप्रेस' के हवाले से आई रिपोर्ट से पता चला कि आयुक्त जोशी ने मई में एक प्रशासनिक निर्देश के ज़रिए एसआईआर की ज़रूरतों में अतिरिक्त प्रावधान जोड़ने पर आपत्ति जताई थी। यह कहकर कि कानूनी फ़ॉर्म में बदलाव के लिए पहले नियमों में संशोधन की ज़रूरत है। ख़बरों के मुताबिक, कमिश्नर संधू भी इससे सहमत थे। फिर भी, बदली हुई ऑनलाइन प्रक्रिया ईसीआई नेट पर दिखाई दी। सोमवार को मामला नए मोड़ पर पहुंचा, जब फ़ॉर्म 6 में बदलाव का मुद्दा उठाया गया। मुख्य न्यायाधीश ने साफ़ किया कि सर्वोच्च न्यायालय ने इसका अनुमोदन नहीं किया था। यह भी कि अदालत इस बात की जांच करेगी कि 'किसने क्या बदलाव किया है'। अब यही सवाल केंद्र में हो गया है। विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद 'फॉर्म 6' ने एक और दिलचस्प भूमिका ले ली है। आयोग ने उन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के अधिकारियों को निर्देश दिया है, जहां एसआईआर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, कि वे पुरानी और संशोधित वोटर लिस्ट की तुलना करें। फिर उन पात्र मतदाताओं की पहचान की जाए, जिनके नाम लिस्ट से हटाए गए हैं। उन्हें फिर से शामिल करने में मदद करें। यह सुधारात्मक कदम बहुत अच्छा है।

पाक महिला क्रिकेटर कायनात अब रैफरी की जिम्मेदारी निभाएंगी

लाहौर

पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी तेज गेंदबाज कायनात इम्तियाज खेल को अलविदा कहने के बाद अब रैफरी की भूमिका निभाएंगी। इस क्रिकेटर का कहना है कि वह खेल से जुड़ी रहना चाहती है। वह इसी लिए अपनी मां सलीमा इम्तियाज की तरह ही मैच रेफरी के रूप में खेल में अपनी नई पारी की शुरुआत करेंगी। यह एक अनूठा और प्रेरणादायक अध्याय है जहां एक बेटी अपनी मां द्वारा स्थापित एक विरासत को आगे बढ़ा रही है। 34 वर्षीय कायनात ने पाकिस्तान के लिए 19 एकदिवसीय और 21 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने अक्टूबर 2010 में पोटचेफस्ट्रूम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना टी20 डेब्यू किया था और इसके ठीक एक साल बाद बांग्लादेश के फातुल्लाह में आयरलैंड के खिलाफ अपना पहला एकदिवसीय मैच खेला था। कायनात ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का समापन एकदिवसीय में 10 विकेट और टी20 में 8 विकेट के साथ किया। मैदान पर उनकी उपस्थिति और तेज गेंदबाजी ने कई मौकों पर पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया।कायनात के करियर की उपलब्धियां भी काफी हैं। वह चीन (2010) और दक्षिण कोरिया (2014) में आयोजित एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पाकिस्तानी टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा थीं। इसके अलावा, उन्होंने 2017 महिला क्रिकेट विश्व कप में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया, जहां उन्होंने चार मैच खेले, और 2022 के कामनवेल्थ गेम्स में भी पाकिस्तानी टीम में शामिल थीं। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच जनवरी 2023 में ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर आस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मुकाबला था, जिसके बाद उन्हें राष्ट्रीय टीम में मौका नहीं मिल सका।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा से पहले ही कायनात ने रेफरी के तौर पर अपनी नई भूमिका में कदम रख दिया था। उन्होंने इसी साल अगस्त और सितंबर में कराची में आयोजित पीसीबी नेशनल विमेंस अंडर-19 टूर्नामेंट के दौरान मैच रेफरी की जिम्मेदारी संभाली थी। यह कदम उनकी मां के प्रेरणादायक सफर से गहराई से जुड़ा है। गौरतलब है क कायनात की मां, सलीमा इम्तियाज, एक प्रतिष्ठित मैच अधिकारी रही हैं। वह 2024 में आईसीसी के इंटरनेशनल डेवलपमेंट पैनल में शामिल होने वाली पाकिस्तान की पहली महिला अंपायर बनी थीं। सलीमा ने साल 2008 में पीसीबी महिला पैनल के साथ अंपायरिंग शुरू की थी और तब से उन्होंने 9 महिला एकदिवसीय और 69 महिला टी20 मैचों में अंपायरिंग की है। उन्हें आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में अंपायरिंग करने वाली पहली पाकिस्तानी महिला अंपायर होने का भी गौरव प्राप्त है।कायनात का यह निर्णय सिर्फ उनके खेल करियर का अंत नहीं, बल्कि उनकी मां द्वारा स्थापित एक विरासत को आगे बढ़ाने की शुरुआत है। यह मां-बेटी की जोड़ी पाकिस्तानी क्रिकेट में महिला सशक्तिकरण और खेल के प्रति अदम्य जुनून का एक अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती है, जहां दोनों ने अलग-अलग भूमिकाओं में खेल को अपना जीवन समर्पित किया है।

न्यूज ब्रीफ

धोनी सहित ये क्रिकेटर अपने डेब्यू मैच में खाता भी नहीं खोल पाये थे

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट में पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी सहित कुछ ऐसे भी क्रिकेटर हुए हैं जो अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय के डेब्यू मैच में तो खाता भी नहीं खोल पाये पर इसके बाद इन खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से इतिहास रच दिया। इस सूची में धोनी के अलावा के एल राहुल से लेकर अभिषेक शर्मा तक हैं। इस सूची में पहला और शायद सबसे हैरन वाला नाम धोनी का है। जिन्होंने देश को पहला टी20 विश्व कप दिलाया और अनगिनत रिकार्ड अपने नाम किए, उनका टी20 इंटरनेशनल डेब्यू भी बिना रन बनाए आउट होने की घटना से जुड़ा है। साल 2006 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने पहले टी20 मैच में, धोनी सिर्फ 2 गेंदें खेलकर बोल्ड हो गए थे। यह घटना इस बात का प्रमाण है कि शुरुआती झटके किसी महान करियर की राह में बाधा नहीं बनते, बल्कि कभी-कभी तो एक प्रेरक बिंदु बन जाते हैं। अगला नाम प्रतिभाशाली बल्लेबाज केएल राहुल का है, जो अपने टी20 इंटरनेशनल करियर की शुरुआत में गोल्डन डक का शिकार हुए थे। साल 2016 में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने पहले टी20 मुकाबले में, राहुल पहली ही गेंद पर आउट हो गए थे। हालांकि, उनकी यह खराब शुरुआत उनके टी20 करियर को परिभाषित नहीं कर सकी। इसके बाद उन्होंने इस फार्मेट में कई शानदार पारियां खेलीं, शतक जड़े और भारतीय टीम के अहम सदस्य बने। हाल ही में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से आईपीएल में धूम मचाने वाले अभिषेक शर्मा भी इस सूची में शामिल हैं। जिस अभिषेक की विस्फोटक बल्लेबाजी से आज दुनिया भर के गेंदबाज खौफ खाते हैं, उन्हें भी अपने टी20 इंटरनेशनल डेब्यू में शून्य पर आउट होने का अनुभव हुआ। साल 2024 में जिम्बाब्वे के खिलाफ टीम इंडिया के लिए डेब्यू करते हुए, अभिषेक शर्मा 4 गेंदें खेलने के बावजूद अपना खाता नहीं खोल पाए और बिना रन बनाए पवेलियन लौट गए।

नार्खिया आस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से वापसी के लिए तैयार

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज अनरिक नार्खिया करीब तीन साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी के तैयार हैं। नार्खिया आस्ट्रेलिया के खिलाफ 9 अक्टूबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलते हुए दिखेंगे। 32 वर्षीय नार्खिया ने मार्च 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम बार टेस्ट खेला था। इसके बाद से, उनका ध्यान मुख्य रूप से टी20 क्रिकेट पर रहा पर अब वह फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में फिर वापसी कर रहे हैं। नार्खिया ने कहा कि वह काफी समय से लाल गेंद से अपने कौशल को बेहतर बनाने, धीरे-धीरे गेंदबाजी का भार बढ़ाने और ओवरों की संख्या बढ़ाने पर काम कर रहे थे। उनकी तैयारी में अपने गेंदबाजी एक्शन को मजबूत और टिकाऊ बनाना भी शामिल है, जिसके लिए उन्होंने कोच पीट बोथा के साथ मिलकर काफी काम किया है। नार्खिया ने अपने गेंदबाजी तकनीक में भी सुधार किया है, ताकि पांच दिवसीय क्रिकेट के लिए उनका एक्शन भरोसेमंद बन सके। अप्रैल 2023 के बाद से किसी प्रतिस्पर्धी मैच में पांच से ज्यादा ओवर न फेंकने के बावजूद, नार्खिया टेस्ट क्रिकेट में लौटने के लिए बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें दोबारा टेस्ट कैप पहनने का मौका मिला तो वह बहुत खुश होंगे, क्योंकि बचपन से ही टेस्ट क्रिकेट वह फार्मेट है जिसे हर खिलाड़ी खेलना चाहता है।

एशियन गेम्सः गर्व के पदक का रंग एक, पर राज्यों में इनाम अलग-अलग; एक जैसे मेडल जीतने पर भी राशि में फर्क

मुम्बई। जापान में एशियाई खेलों में देश के लिए एक जैसा पदक जीतकर लौटे खिलाड़ियों के लिए राज्यों की इनामी राशि का फर्क अब महज नीति का एक पन्ना नहीं, दिल पर लगी चोट बन गया है। नागोया में तिरंगा सबके लिए एक ही ऊंचाई पर लहराया गया, गले में पदक की चमक एक जैसी थी। मगर वतन लौटते ही वह किसी राज्य में करोड़ों का हो गया तो किसी राज्य में चंद लाख में सिमट गया। इकलौते पदकधारी की कसक बाक्सिंग के 90 किलो भार वर्ग में कांस्य विजेता कपिल पोखरिया उत्तराखंड के इकलौते पदकधारी हैं। पर राज्य की खेल नीति के मुताबिक उनके हिस्से महज 15 लाख रुपये आएंगे। वह कहते हैं कि पड़ोसी राज्य यूपी अपने स्वर्ण विजेताओं को तीन करोड़, रजत विजेताओं को डेढ़ करोड़ और कांस्य विजेताओं को 75 लाख रुपये दे रहा है। कपिल की आवाज में शिकायत कम, कसक ज्यादा है। उनका सवाल सीधा है, जो पदक यूपी के खिलाड़ी के गले में 75 लाख का है, वही उत्तराखंड के खिलाड़ी के गले में 15 लाख का कैसे हो गया। 44 साल बाद स्वर्ण दिलाने वाली लालरेमसियामी को मिलेंगे सिर्फ 40 लाख महिला हाकी टीम ने 44 साल बाद देश की झोली में स्वर्ण डाला। इस जीत की नायिकाओं में शामिल मिजोरम की लालरेमसियामी को राज्य सरकार ने 40 लाख रुपये दिए हैं। सियामी इसी में संतोष ढूंढ़ लेती हैं, क्योंकि एशियाड पदक जीतने के बावजूद पहले उन्हें राज्य से एक रुपया तक नहीं मिला था।

ओलंपिक मेजबानी के लिए भारत ने बढ़ाए कदम : फ्यूचर होस्ट कमीशन के सामने कब दिया जाएगा प्रेजेंटेशन सामने आया विजन

नई दिल्ली।

भारत के 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के दावे का विजन राइजिंग टूगेदर यानी एक साथ आगे बढ़ना होगा। इस महीने के अंत में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के फ्यूचर होस्ट कमीशन के सामने पहला प्रेजंटेशन दिया जाएगा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पी. टी. उषा ने यह घोषणा की।

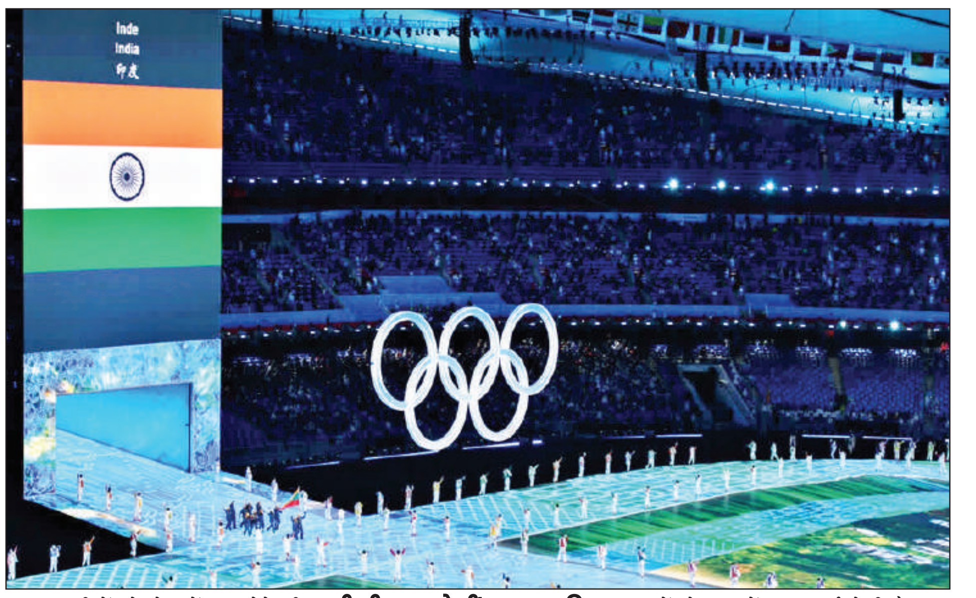

भारत को प्रेजंटेशन के लिए किया गया आमंत्रित

आईओसी ने कहा था कि 2036 के ओलंपिक की मेजबानी में रुचि रखने वाले सात देशों में भारत, जर्मनी, कतर और तुर्किये शामिल हैं। इन्हें अगले महीने आईओसी के फ्यूचर होस्ट कमीशन के सामने अपनी खेल परियोजनाओं को प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया है। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा, 2036 के लिए भारत की महत्वाकांक्षा एक साधारण विचार पर आधारित है। खेल हमारे देश के भविष्य को आकार देने में मदद कर सकते हैं। ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी से लाखों युवा भारतीयों को खेल में भाग लेने की प्रेरणा मिलेगी। शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक विकास के क्षेत्र में हमारे युवाओं के लिए नए अवसर पैदा होंगे।

भारत ने किस शहर को मेजबानी के लिए चुना

इस मेगा इवेंट की मेजबानी के लिए भारत के पसंदीदा शहर के रूप में अहमदाबाद को चुना गया है और अगर ओलंपिक की मेजबानी मिलती है तो देश में इस तरह का यह पहला आयोजन होगा। भारत ने खेलों की मेजबानी के लिए अपनी इच्छा व्यक्त की थी, जिसके बाद 2024 में औपचारिक रूप से अपनी अर्जी सौंपी थी। आईओए अध्यक्ष पी. टी. उषा ने कहा कि भारत की आकांक्षाओं को आईओसी द्वारा मान्यता दिए जाने से संघ सम्मानित महसूस कर रहा है।

पी.टी. उषा बोलीं- ग्रुप का हिस्सा बनकर गर्व हो रहा है

पी.टी. उषा ने कहा, भविष्य के संस्करणों के लिए संभावित मेजबानों के एक असाधारण समूह का हिस्सा बनकर गर्व महसूस हो रहा है। हमारे लिए राइजिंग टूगेदर सिर्फ एक नारा नहीं है, यह भारत की ऊर्जा, महत्वाकांक्षा और विविधता को एक साझा ओलंपिक सपने के पीछे एकजुट करने की एक शक्तिशाली प्रतिबद्धता है। जैसे-जैसे हम 2036 के लिए अपने विजन को आगे बढ़ा रहे हैं, हम ऐसे खेल आयोजित करना चाहते हैं जो एक युवा, गतिशील और उभरते हुए भारत के आत्मविश्वास को दर्शाते हों। इसके साथ ही दुनिया भर की नई पीढ़ियों, नए समुदायों और नए क्षितिज तक पहुंचने की ओलंपिक एवं पैरालंपिक आंदोलनों की महत्वाकांक्षा में योगदान दें। हम आईओसी के साथ अपने संवाद को जारी रखने और इस महीने के अंत में पहली बार फ्यूचर होस्ट कमीशन के सामने अपनी महत्वाकांक्षा को प्रस्तुत करने के लिए उत्सुक हैं।

आईओसी के अनुसार, मेजबानी का मूल्यांकन कई तकनीकी कारकों पर किया जाएगा, जिसमें वेन्यू मास्टर-प्लान और एथलीटों का अनुभव, फंडिंग रणनीति, राजनीतिक और सार्वजनिक समर्थन, खेल वितरण क्षमताएं और मेजबान समुदायों के लिए दीर्घकालिक लाभ पैदा करने वाली लिगेसी रणनीति शामिल हैं। नवंबर की प्रस्तुतियों के बाद का अगला चरण टारगेटेड डायलाग की बजाय स्ट्रैटेजिक डायलाग होगा, जो संशोधित मेजबान चयन प्रक्रिया में भी निर्णय लेने की अंतिम प्रक्रिया बना रहेगा। अंतिम चरण की शुरुआत 2028 में होगी।

मेसी ने अर्जेंटीना को कहा अलविदा, बोले- मुझे इसकी कमी खलेगी

ब्यूनस आयर्स

लियोनेल मेसी ने ब्यूनस आयर्स में बेनिन के खिलाफ 3-0 की जीत के साथ अर्जेंटीना के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का समापन किया। दो गोल में सहयोग और एक पेनल्टी पर गोल करने के बाद मेसी ने खचाखच भरे एस्टाडियो मोनुमेंटल में भावुक भाषण दिया और अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहा।

मेसी ने कहा कि वह अर्जेंटीना के लिए खेलना याद करेंगे। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत अपने दिवंगत पिता जार्ज को याद करते हुए की, जिनका लंबी बीमारी के बाद अगस्त में निधन हो गया था।

मेसी ने कहा, मैं जिस पहले व्यक्ति के बारे में सोचता हूं, वह मेरे पिता हैं। मैं आप सभी का सिर्फ धन्यवाद कर सकता हूं। 20 से अधिक वर्षों तक इस जर्सी की रक्षा करना मेरे लिए बहुत बड़े गर्व की बात रही है। हमने कभी लड़ना बंद नहीं किया, कभी अपना सब कुछ देना बंद नहीं किया।

उन्होंने कहा, मेरी इच्छा है कि मैं पूरी जिंदगी खेल सकूं, क्योंकि अर्जेंटीना के लिए खेलना सबसे खूबसूरत चीज है।

मेसी ने कहा, बेशक, मैं शायद बहुत सी ऐसी बातें भूल रहा हूं जो मैं कहना चाहता हूं। यह मेरे लिए एक मुश्किल पल है। मुझे इसकी कमी खलेगी।

39 वर्षीय मेसी ने यह भी कहा कि वह अर्जेंटीना के लिए उनके बाद खेलने वाले खिलाड़ियों का समर्थन करते रहेंगे। उन्होंने कहा, जब हम एकजुट होते हैं, तो हम किसी भी अन्य टीम से ज्यादा मजबूत होते हैं। और हम किसी भी चीज से पार पा सकते हैं। मेसी ने अपने भावुक भाषण का समापन करते हुए कहा, मैं आपसे प्यार करता हूं, मैं आपसे प्यार करता हूं। मुझे आपकी कमी खलेगी। और मैं अर्जेंटीना का होने पर बेहद आभारी और गौरवान्वित हूं।

महापौर ने तैराकी कर शुरू किया नेहरू पार्क का नया स्विमिंग पूल

इंदौर। नेहरू पार्क के स्विमिंग पूल में महापौर पुष्यमित्र भार्गव और विधायक महेंद्र हार्डिया खुद पानी में उतरे और तैराकी कर जीर्णोद्धारित तरणताल का शुभारंभ किया। करीब 4 करोड़ 7 लाख 32 हजार रुपए की लागत से तैयार किए गए इस पूल में खिलाड़ियों और नागरिकों के लिए कई आधुनिक सुविधाएं जोड़ी गई हैं। जीर्णोद्धार के बाद पूल में नया फिल्टर प्लांट और अंतरराष्ट्रीय स्तर का डाइविंग टावर बनाया गया है। इसके अलावा नई टाइल्स, चेंजिंग-शावर रूम, मेडिकल रूम, डेक, आकर्षक लाइटिंग और नई विद्युत व्यवस्था विकसित की गई है। इससे तैराकों और खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। शुभारंभ कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य निरंजन सिंह चौहान, नंदकिशोर पहाड़िया, जीतू यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। महापौर सहित जनप्रतिनिधियों ने नवश्रृंगारित तरणताल में तैराकी भी की। नेहरू पार्क से निकले कई तैराक महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि नेहरू पार्क का स्विमिंग पूल इंदौर के इतिहास से जुड़ा है और इससे शहरवासियों की भावनाएं जुड़ी हैं। यहां से कई तैराक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं। पूल के आधुनिकीकरण से खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए बेहतर माहौल मिलेगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम शहर के अन्य क्षेत्रों में भी आधुनिक स्विमिंग पूल तैयार कर रहा है, ताकि युवाओं और खिलाड़ियों को उनके क्षेत्र के नजदीक बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं मिल सकें। तैराकी के साथ बैडमिंटन को भी बढ़ावा विधायक महेंद्र हार्डिया ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से तैयार पूल का लाभ नागरिकों, युवाओं और खिलाड़ियों को मिलेगा। परिसर में तैराकी के साथ बैडमिंटन और अन्य खेल गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। महापौर ने कार्यक्रम के दौरान गर्मी को देखते हुए नागरिकों से पानी बचाने और उसके सदुपयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण को लेकर घरों और मोहल्लों में भी जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है।

कार्तिक बोले, अब शमी से आगे बढ़ी टीम युवा गेंदबाजों पर ही ध्यान दें, विराट और रोहित खेलना जारी रखें

मुम्बई

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा है कि अब भारतीय टीम में अनुभवी गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी संभव नही है। कार्तिक के अनुसार टीम इंडिया अब शमी से आगे बढ़ गयी है। ऐसे में हमें युवा गेंदबाजों पर ही अपना भरोसा बनाये रखना चाहिये। शमी ने अपना पिछला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला मार्च 2025 में खेला था। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर चल रहे हैं। वह लगातार घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं पर इसके बाद भी टीम में उनकी वापसी नहीं हो रही है जबकि कई क्रिकेट विशेषज्ञ और प्रशंसक उन्हें फिर से टीम में शामिल करने की मांग करते रहे हैं। इसी को लेकर कार्तिक ने कहा है कि अब मोहम्मद शमी को राष्ट्रीय टीम में वापस लाने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि भारतीय टीम उनसे आगे बढ़ चुकी है और अब दूसरे गेंदबाजों की तरफ देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि चयनकर्ताओं को अब अन्य उभरते हुए तेज गेंदबाजों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। कार्तिक के शब्दों में, मुझे लगता है कि वहां और भी गेंदबाज हैं। भारत उनसे आगे बढ़ चुका है। वापस जाने का कोई मतलब नहीं है। मैं शमी की तरफ नहीं देख रहा हूं, भले ही उन्होंने शानदार गेंदबाजी की है। यह बयान शमी के प्रशंसकों के लिए निश्चित रूप से निराशाजनक हो सकता है, जो उनकी प्रभावशाली घरेलू फार्म को देखते हुए टीम में उनकी वापसी की उम्मीद कर रहे थे।

जहां एक ओर कार्तिक ने मोहम्मद शमी की वापसी को सिरे से खारिज कर दिया, वहीं उन्होंने टीम के दो सबसे बड़े स्तंभों, विराट कोहली और रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर बिल्कुल विपरीत राय रखी। कार्तिक का मानना है कि इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों को खेलना जारी रखना चाहिए।उन्होंने कहा कि कोहली और रोहित सिर्फ भारतीय टीम के लिए ही नहीं, बल्कि विश्व क्रिकेट के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। उनके अनुसार, हां, वो दो सबसे बड़े नाम हैं और भारत वर्ल्ड क्रिकेट का केंद्र है, इसलिए अगर हम दो बेहतरीन क्रिकेटरों को खो देते हैं, तो इसका असर जरूर पड़ेगा। यह दर्शाता है कि कार्तिक अनुभवी बल्लेबाजों के महत्व को स्वीकार करते हैं, जबकि गेंदबाजी विभाग में नए चेहरों को मौका देने की वकालत कर रहे हैं।माना जा रहा है कि कार्तिक के इस बयान के पीछे, संभवत: इन दोनों बल्लेबाजों की हालिया प्रभावशाली फार्म भी एक कारण हो सकती है। विराट कोहली ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की वनडे सीरीज में अपनी बल्लेबाजी का जौहर दिखाया था। सीरीज के पहले मुकाबले में उन्होंने नाबाद 139 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई थी।

इसके बाद दूसरे वनडे में उन्होंने 29 रन बनाए थे, हालांकि तीसरे मुकाबले में वह बिना खाता खोले आउट हो गए थे, लेकिन उनकी ओवरआल फार्म सराहनीय रही है।इसी तरह, टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने भी वेस्टइंडीज वनडे सीरीज में बल्ले से कमाल दिखाया था। हिटमैन के लिए यह सीरीज बेहद शानदार रही, जहां उन्होंने एक शतक और एक अर्धशतक की मदद से तीन मैचों में क्रमश: 32, 101 और 92 रन बनाए थे। उनकी कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों ने टीम को मजबूती प्रदान की। कुल मिलाकर, दिनेश कार्तिक के इस बयान ने भारतीय क्रिकेट में एक नई बहस छेड़ दी है, जहां एक ओर मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी गेंदबाज के भविष्य पर सवालिया निशान लगा है, वहीं विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों की अहमियत को फिर से रेखांकित किया गया है।

2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए भारत-पाकिस्तान के एक ही ग्रुप में होने से रोमांच बढ़ा

मुम्बई

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2027 एकदिवसीय विश्वकप में भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप ए में रखा गया है, जिसने टूर्नामेंट के रोमांच को और बढ़ा दिया है। विश्वकप कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में 2 अक्टूबर से 21 नवंबर तक खेला जाएगा। इसमें कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी, जो 12 मैदानों पर 57 मुकाबले खेलेंगी।

ये टूर्नामेंट तीन चरणों में आयोजित होगा। कुल 10 टीमों को सीधे ग्रुप स्टेज में जगह मिली है, जिनमें भारत और पाकिस्तान भी शामिल हैं। शेष दो स्थानों के लिए तीन टीमों के बीच एक सुपर-सीरीज़ खेली जाएगी, जिनमें से केवल दो टीमें ही अंतिम 12 में अपनी जगह पक्की कर पाएंगी।

ग्रुप ए को निस्संदेह सबसे चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है, जिसमें क्रिकेट जगत की कुछ सबसे बड़ी टीमें शामिल हैं: भारत, आस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और मेजबान जिम्बाब्वे। यह ग्रुप इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें तीन पूर्व विश्व चैंपियन छह बार की विजेता आस्ट्रेलिया, दो बार की विजेता भारत और एक बार का विजेता पाकिस्तान मौजूद हैं। ग्रुप ए का पहला महामुकाबला 7 अक्टूबर को भारत और आस्ट्रेलिया के बीच खेला जाएगा, जो 2023 वर्ल्ड कप फाइनल का रीमैच होगा, जिसमें कंगारुओं ने भारत को 6 विकेट से हराया था।

वहीं प्रशंसकों फैंस को सबसे ज्यादा जिस मैच का इंतजार है, वह भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मुकाबला है। एकदिवसीय विश्व इतिहास में पाकिस्तान कभी भारत को नहीं हरा पाया है, फिर भी दोनों टीमों के बीच होने वाला यह मुकाबला हमेशा अप्रत्याशित उत्साह से भरा होता है।

यह बहुप्रतीक्षित भिड़ंत 10 अक्टूबर को जोहानसबर्ग के ऐतिहासिक वांडरर्स स्टेडियम में होगी। भारत के शुरुआती मैचों का शेड्यूल इस प्रकार है: 7 अक्टूबर को आस्ट्रेलिया से, 10 अक्टूबर को पाकिस्तान से, 14 अक्टूबर को अफगानिस्तान से, 17 अक्टूबर को क्वालीफायर ए से और 24 अक्टूबर को जिम्बाब्वे से मुकाबला।

दूसरी ओर, ग्रुप बी में भी मजबूत टीमें हैं, जिनमें इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश शामिल हैं। इस ग्रुप में भी एक क्वालीफायर टीम जुड़ेगी। ग्रुप बी में दो पूर्व विश्व चैंपियन हैं – एक बार के विजेता इंग्लैंड और एक बार के विजेता श्रीलंका। न्यूजीलैंड की टीम पिछले तीन में से दो वर्ल्ड कप फाइनल खेलकर अपनी निरंतरता साबित कर चुकी है, वहीं बांग्लादेश ने हाल के वर्षों में आस्ट्रेलिया और पाकिस्तान जैसी बड़ी टीमों को हराकर अपने खेल का स्तर काफी ऊंचा उठाया है।

अब सवाल यह उठता है कि कौन सा ग्रुप ज्यादा कठिन है अगर हम मौजूदा रैंकिंग पर गौर करें, तो शीर्ष-5 टीमों में से तीन (भारत, आस्ट्रेलिया और पाकिस्तान) ग्रुप ए में हैं। यह स्पष्ट रूप से ग्रुप ए को कागज़ पर अधिक कठिन बनाता है। हालांकि, क्रिकेट में रैंकिंग ही सब कुछ नहीं होती। मौजूदा फार्म और टीमों की तैयारी के आधार पर भी ग्रुप ए ही ज्यादा कड़ा मुकाबला पेश करता दिख रहा है, जहां हर मैच एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन सी टीमें इन चुनौतियों से पार पाकर नाकआउट स्टेज में जगह बनाती हैं।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

न्यूज ब्रीफ

घरेलू या कमर्शियल सिलेंडर की कीमत हर शहर में अलग-अलग होती हैं

नई दिल्ली। भारत में खाना पकाने के लिए एलपीजी सिलेंडर का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाता है इसलिए इसकी कीमतों में घट-बढ़ का असर सीधे रसोई के बजट पर पड़ता है, जहां आम उपभोक्ताओं की नजर घरेलू सिलेंडर के रेट पर रहती है। वहीं, रेस्टोरेंट, होटल, ढाबे और कैटरिंग सर्विस चलाने वाले कमर्शियल एलपीजी कीमतों पर बारीकी से नजर रखते हैं क्योंकि यह उनके रोज के खर्च का एक नियमित हिस्सा है। पूरे भारत में एलपीजी की कीमतें एक जैसी नहीं होती हैं। घरेलू या कमर्शियल सिलेंडर की कीमत एक शहर से दूसरे शहर में अलग-अलग हो सकती है। दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 942 रुपए है, जबकि मुंबई में इसकी कीमत 912.50 रुपए है। एलपीजी सिलेंडर की रिटेल कीमतों पर करेंसी में उतार-चढ़ाव, ट्रांसपोर्ट का खर्च और लागू टैक्स जैसे कई कारकों का असर पड़ता है। राज्य सरकारें एलपीजी सिलेंडर पर अपने हिसाब से वैल्यू एडेड टैक्स और स्थानीय कर लगाती हैं, चूंकि हर राज्य में टैक्स की दरें अलग-अलग होती हैं इसलिए राज्यों की सीमाओं के पार होते ही सिलेंडर की कीमतें भी बदल जाती हैं। गैस सिलेंडर रिफाइनरी या एलपीजी बाटलिंग प्लांट से आपके शहर के डिस्ट्रीब्यूटर तक ट्रकों या ट्रेनों के जरिए पहुंचाए जाते हैं। ऐसे में प्लांट से जिस शहर की दूरी जितनी ज्यादा होगी, भाड़ा उतना ही ज्यादा लगेगा।

एमएसएमई सेक्टर के लिए बड़ा ऐलान, 10,000 करोड़ रुपये के ग्रोथ फंड बनेगा, केंद्रीय कैबिनेट ने दी मंजूरी

नई दिल्ली

देश के छोटे और मझौले कारोबारियों के लिए केंद्र सरकार 10,000 करोड़ के एसएमई ग्रोथ फंड को मंजूरी दे दी है। इस फंड का उद्देश्य इसतरह के छोटे कारोबारों और कंपनियों को इक्विटी सपोर्ट उपलब्ध कराना है, जिसमें तेजी से विस्तार कर बड़े उद्यम बनने की क्षमता है, लेकिन पूंजी की कमी उनके विकास में बाधा बन रही है। मोदी सरकार ने यूनियन बजट 2026-27 में इस फंड का ऐलान किया था।

इसका फोकस चुनिंदा संभावनाशील उद्यमों तक ग्रोथ कैपिटल पहुंचाना है। यह सामान्य बैंक लोन की तरह नहीं होगा, बल्कि इक्विटी सपोर्ट के तौर पर प्रस्तावित है। इसतरह के फंड का लाभ लेने की प्रक्रिया पारंपरिक कारोबारी ऋण से अलग हो सकती है। एमएसएमई सेक्टर देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। छोटे कारोबारियों को उत्पादन बढ़ाने, नई मशीनरी खरीदने, कारोबार का विस्तार करने और नए बाजारों में पहुंच बनाने के लिए लगातार पूंजी की जरूरत होती है। बैंक से कर्ज हासिल करना हर उद्यम के लिए आसान नहीं होता। इसके बाद केंद्र सरकार का प्रस्तावित फंड विकास की संभावनाओं वाले कारोबारों के लिए वैकल्पिक पूंजी का जरिया बन सकता है।

यह योजना सभी एमएसएमई को सीधे नकद सहायता देने के लिए नहीं है। निर्धारित मानदंडों के आधार पर ऐसी कंपनियों की पहचान की जाएगी, जिनमें विस्तार और बड़े भारतीय उद्यम बनने की क्षमता हो सकती है। सरकार का लक्ष्य मजबूत और प्रतिस्पर्धी कारोबार तैयार करना है। बजट में एमएसएमई सेक्टर के लिए इक्विटी, लिक्विडिटी और पेशेवर सहायता पर भी जोर दिया गया है। इसके अलावा आत्मनिर्भर भारत कोष में 2,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त समर्थन देने का प्रस्ताव है। केंद्र सरकार ने कारोबारियों की भुगतान और कार्यशील पूंजी से जुड़ी समस्याओं को कम करने के लिए टी-रीडीएस से संबंधित उपायों की भी घोषणा की है। प्रस्तावित 10,000 करोड़ रुपये का फंड इसी व्यापक समर्थन ढांचे का हिस्सा है।

महिंद्रा जल्द ही पेश करेगी चार नए एसयूवी माडल्स पेश

नई दिल्ली। वाहन निर्माता स्वदेशी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी आने वाले समय में चार नए माडल्स पेश करने की योजना बना रही है, जिनमें थार राक्स फेसलिफ्ट, स्कार्पियो एन फेसलिफ्ट, स्कार्पियो क्लासिक फेसलिफ्ट और बहुप्रतीक्षित स्कार्पियो लाइफस्टाइलर पिकअप ट्रक शामिल हैं। इन नए वाहनों के साथ महिंद्रा ग्राहकों को बेहतर विकल्प और उन्नत फीचर्स देने का वादा कर रही है। स्कार्पियो लाइफस्टाइलर, जिसे कंपनी ने अपने वार्षिक कार्यक्रम में प्रदर्शित किया था, अगले साल बाजार में आने की उम्मीद है। यह स्कार्पियो एन के प्लेटफार्म पर आधारित होगी, लेकिन ड्यूल-कैब बाडी और बड़े कार्गो बेड के लिए इसमें महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इसमें एल-शेप डीआरएल, एलईडी हेडलैंप, 18-इंच अलाय व्हील और मजबूत बाडी क्लैडिंग मिल सकती है। केबिन में एक बड़ी टचस्क्रीन, लेदरेट सीटें, ड्यूल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, वेंटिलेटेड सीटें और लेवल 2 एडीएएस जैसे प्रीमियम फीचर्स मिलने की संभावना है। यह 2.0-लीटर पेट्रोल और 2.2-लीटर टर्बो-डीजल इंजन विकल्पों के साथ 2डब्ल्यूडी और 4×4 ड्राइवट्रेन में उपलब्ध होगी। थार राक्स के फेसलिफ्ट वर्जन में महिंद्रा नई डेविंची सस्पेंशन तकनीक पेश कर सकती है, जिसे हाल ही में थार ओजी में भी देखा गया था। यह यांत्रिक अडैप्टिव सस्पेंशन एसयूवी की राइड को और भी आरामदायक बनाने का लक्ष्य रखता है। मौजूदा पेट्रोल और डीजल इंजन विकल्प मैनुअल और आटोमैटिक गियरबाक्स के साथ बरकरार रहने की उम्मीद है। स्कार्पियो एन के फेसलिफ्ट माडल में स्कार्पियो लाइफस्टाइलर से प्रेरित डिजाइन देखने को मिल सकता है, जिसमें नई फ्रंट ग्रिल, अपडेटेड हेडलैंप और टेल लैंप के साथ नए अलाय व्हील दिए जा सकते हैं। इंटीरियर में नया थीम और अपडेटेड टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जा सकता है।

महंगाई को काबू करने साढ़े तीन साल बाद बढ़ी रेपो रेट

नई दिल्ली

रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने लगातार बढ़ी रही खाद्यान्यों पर महंगाई को काबू करने के लिए आखिरकार साढ़े तीन साल बाद (43 महीने) रेपो रेट बढ़ा ही दिया। महंगाई और ग्लोबल मार्केट के तमाम दबाव के बावजूद अभी तक आरबीआई ने इसे काबू में रखा था, लेकिन आखिरकार इसमें 0.25 फीसदी रेट बढ़ा दिया है। अब रेपो रेट बढ़कर 5.50 फीसदी पहुंच गया है, जो अभी तक 5.25 फीसदी रहा था। रेपो रेट बढ़ने से होम लोन, आटो लोन समेत अन्य सभी तरह के खुदरा लोन की ब्याज दरें भी बढ़ सकती हैं। इसका सीधा असर मकान खरीदारों पर पड़ेगा। आरबीआई गवर्नर ने पिछले तीन दिनों से चल रही मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद इसके फैसलों का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि महंगाई के दबाव में आखिरकार रेपो रेट को बढ़ाना पड़ रहा है। गवर्नर ने रेपो रेट में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी का ऐलान किया और अब प्रभावी रेपो रेट बढ़कर 5.50 फीसदी पहुंच गया है। इसका सीधा असर होम लोन, आटो लोन समेत अन्य सभी तरह के खुदरा कर्ज पर पड़ेगा, क्योंकि अब ज्यादातर बैंकों की ब्याज दरें रेपो रेट से ही जुड़ी होती हैं। रेपो रेट में यह बढ़ोतरी फरवरी, 2023 के बाद पहली बार की गई है।

होम लोन समेत सभी खुदरा लोन की बढ़ेगी ईएमआई

रेपो रेट में यह बढ़ोतरी फरवरी, 2023 के बाद पहली बार की गई

गवर्नर ने बताया कि स्टैंडिंग डिपाजिट फैसिलिटी यानी एसडीएफ की दरों को 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा है, जबकि मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी को 5.75 फीसदी पर बनाए रखा है। आरबीआई ने ब्याज दरों को बढ़ाने के साथ ही अपने रुख को भी न्यूट्रल से बदलकर सख्त कर दिया है। इसका मतलब है कि आने वाले समय में अगर महगाई की ब्याज दरें नहीं सुधरीं तो रेपो रेट में और बढ़ोतरी हो सकती है।

आरबीआई गवर्नर ने बताया कि ग्लोबल मार्केट में जारी उठापटक और घरेलू बाजार में ईंधन महंगा होने के बाद खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतों ने महंगाई का दबाव बढ़ा दिया है। इसी दबाव के कारण साढ़े तीन साल बाद पहली बार रेपो रेट बढ़ाना पड़ा है। चीनी और प्याज जैसी जरूरी चीजों के दाम बढ़ने से खुदरा महंगाई का अनुमान भी अगस्त में बढ़कर 4.8 फीसदी पहुंच गया है। जुलाई में यह अनुमान 4.50 फीसदी रहा था। हालांकि, भारत की विकास दर का अनुमान और बेहतर हुआ है और चालू वित्तवर्ष में यह 7.1 फीसदी रहने का अनुमान है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ज्ञानेश के..

जनता के हक के लिए लड़ते रहेंगे। पुलिस द्वारा जबरन उठाए जाने पर श्रीमती वाड्रा ने कहा, ये कोई तरीका नहीं है। देश देख रहा है... क्या हो रहा है।

उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल उनके बारे में नहीं, बल्कि लोकतंत्र के भविष्य के बारे में है। श्री गांधी और श्रीमती वाड्रा को हिरासत में लिए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, चाहे कितने भी केस करने दो, कितना भी डराने दो, हम डरने वाले नहीं हैं, हंसते रहेंगे और आगे बढ़ते रहेंगे।

दो दिन से जारी है प्रदर्शन

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में पिछले दो दिन से चल रहे धरना-प्रदर्शन के दौरान श्री गांधी और श्रीमती वाड्रा को दूसरी बार हिरासत में लिया गया। मंगलवार को विपक्षी सांसदों ने संसद भवन से निर्वाचन सदन तक 'लोकतंत्र बचाओ मार्च' निकाला था। पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद दोनों नेता आकाशवाणी भवन परिसर में धरने पर बैठ गए थे और निर्वाचन आयोग से मिलने की मांग कर रहे थे। दिनभर चले प्रदर्शन के बाद दोनों को देर शाम हिरासत में लेकर किंग्सवे कैंप भेजा गया था, जहां देर रात उन्हें रिहा कर दिया गया। विपक्षी दलों के सांसद बुधवार दोपहर के भोजन पर एकत्रित हुए और वहां से श्री गांधी के साथ जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन के लिए रवाना हुए, लेकिन पुलिस ने उन्हें जंतर-मंतर से पहले ही रोक दिया। प्रदर्शन में विभिन्न विपक्षी दलों के सांसद मौजूद थे। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि कई सांसदों को भी हिरासत में लिया गया और उनके साथ बदसलूकी की गई। प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस तथा पार्टी की छात्र इकाई भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के कई कार्यकर्ताओं को भी पुलिस ने जंतर-मंतर से हिरासत में लिया। प्रदर्शनकारी मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और निर्वाचन आयोग से मिलने की मांग को लेकर नारेबाजी कर रहे थे।

राहुल की...

पिछले कुछ वर्षों में उनकी इस रणनीति में तेजी दिखाई दी है। राहुल गांधी पहले भी कह चुके हैं कि वह अपने विरोधियों को 'निष्प्रभावी' करने के लिए उनकी कमजोरियों पर अधिक ध्यान देते हैं।

उन्हें इस सोच की प्रेरणा अपने मार्शल आर्ट के अभ्यास से मिलने की बात भी कही जाती है। राहुल गांधी मार्शल आर्ट की कई विधाओं का अभ्यास करते रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी वह दिनभर चलने के बाद शाम को भारत यात्रियों के मार्शल आर्ट प्रशिक्षण सत्र में हिस्सा लेते थे।

धरना राजनीति के लिए फिटनेस पर जोर

धरना और सड़क पर विरोध की राजनीति के लिए भी शारीरिक ऊर्जा की जरूरत होती है। राहुल गांधी एक वीडियो में स्वयं बता चुके हैं कि तमाम व्यस्तताओं के बावजूद वह शारीरिक फिटनेस को बेहद जरूरी मानते हैं और रोज करीब एक घंटे व्यायाम करते हैं।

राहुल गांधी इन बातों को पहले भी कहते रहे हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उनके राजनीतिक तौर-तरीकों के साथ इन बयानों को नए संदर्भ में देखा जा रहा है। खास तौर पर तब, जब कांग्रेस उनकी जमीनी सक्रियता और धरना-प्रदर्शन वाली राजनीतिक छवि को लगातार सामने ला रही है।

'अड़ियल' तेवर या सोची-समझी रणनीति?

हाल के दिनों में राहुल गांधी अपनी आक्रामक राजनीतिक रणनीति के जरिए सरकार को घेरते नजर आए हैं। चाहे प्रधानमंत्री आवास की ओर बढ़ते हुए धरने पर बैठना हो या संसद मार्ग पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज किए जाने तक वहीं अड़े रहनाइन कदमों से टकराव की राजनीतिक स्थिति को अधिक प्रमुखता मिलती दिखाई देती है।

धरना-प्रदर्शन की राजनीति में राहुल गांधी का यह दृढ़ रवैया उनके राजनीतिक विरोध को और मुखर बनाता है।राहुल गांधी के करीबी लोगों का मानना है कि वह अपने फैसलों को केवल राजनीतिक लाभ-हानि के आधार पर नहीं तौलते। कई बार उन्होंने ऐसे फैसले लिए हैं जिनका राजनीतिक नुकसान भी उन्हें उठाना पड़ा, लेकिन उनके साथ काम करने वाले नेताओं के अनुसार वह जिस बात पर विश्वास करते हैं, उस पर कायम रहते हैं।

'ब्रांड मोदी' के सामने 'एंटी-मोदी' छवि बनाने की कोशिश?

राहुल गांधी के सामने चुनौती बड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्थापित राजनीतिक छवि और मजबूत जनाधार के बीच राहुल गांधी की राजनीति को उनसे अलग पहचान देने की कोशिश दिखाई देती है।

एक ओर नियंत्रित और स्थापित सत्ता की राजनीतिक शैली है, तो दूसरी ओर औचक कार्रवाई, सड़क पर उतरने और राजनीतिक टकराव को स्वीकार करने वाली शैली दिखाई देती है।ऐसे में आने वाले समय में राहुल गांधी की यह राजनीतिक रणनीति किस तरह आकार लेती है और इसका जनता तथा विपक्षी राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ता है, यह राजनीतिक घटनाक्रम के साथ स्पष्ट होगा।

कांग्रेस आज मनाएगी ...

को प्रदेश कांग्रेस समितियों के अध्यक्षों को पत्र भेजकर पार्टी की सभी राज्य, जिला और प्रखंड-मंडल इकाइयों को 8 अक्टूबर को विरोध प्रदर्शन आयोजित करने का निर्देश दिया है। इसके जरिए मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को और तेज करने की तैयारी की गई है। पत्र में कहा गया है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन के सांसद निर्वाचन आयोग से जवाबदेही की मांग को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से जंतर-मंतर की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन उन्हें रोक दिया गया और कथित तौर पर बल प्रयोग किया गया।

सांसदों के साथ बदसलूकी का आरोप

कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और इंडिया गठबंधन के सांसदों के साथ कथित रूप से 'बदसलूकी' की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया गया, जिसमें कई नेता घायल हो गए।

केसी वेणुगोपाल ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई 'संविधान पर हमला' है।कांग्रेस महासचिव ने कहा कि इसी कारण कांग्रेस ने 8 अक्टूबर को भारतीय लोकतंत्र के लिए 'काला दिवस' घोषित किया है। पार्टी ने सभी प्रदेश, जिला और प्रखंड कांग्रेस समितियों को तत्काल प्रभाव से निर्देशों का पालन करते हुए विरोध प्रदर्शन आयोजित करने को कहा है।

सीईसी नियुक्ति...

वापस लेने के लिए आवेदन दाखिल किया गया है। उन्होंने बताया कि न्यायमूर्ति दत्ता की पीठ के समक्ष आवेदन का उल्लेख करने पर उन्हें मामले को वर्तमान पीठ के समक्ष रखने को कहा गया, क्योंकि मामला न्यायमूर्ति दत्ता की पीठ की सूची से हटा दिया गया है।

न्यायमूर्ति दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने 23 सितंबर को 2023 के कानून की धारा 7 और 8 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अलग-अलग राय दी थी। इन धाराओं के तहत मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के लिए चयन समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और केंद्रीय मंत्रिमंडल के एक मंत्री को शामिल किया गया है। इससे जुड़ी एक अन्य याचिका में वर्तमान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू की नियुक्तियों को भी चुनौती दी गई थी। केंद्र सरकार ने दलील दी थी कि यह मामला संवैधानिक प्रश्न से जुड़ा है, इसलिए इसे बड़ी पीठ के पास भेजा जाना चाहिए। न्यायमूर्ति दत्ता ने केंद्र की इस मांग को खारिज कर दिया, जबकि न्यायमूर्ति शर्मा ने इससे सहमति जताई। मतभेद के बावजूद दोनों न्यायाधीशों ने मुख्य न्यायाधीश से मामले की सुनवाई के लिए संविधान पीठ गठित करने पर विचार करने का आग्रह किया था।

न्यायमूर्ति शर्मा के पुत्र की निर्वाचन आयोग की ओर से पैरवी पर सवाल

इस मामले में डॉ. जया ठाकुर की ओर से दाखिल एक अलग उपचारात्मक याचिका भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। इसमें कहा गया है कि केंद्र सरकार की मामले को बड़ी पीठ के पास भेजने की मांग से सहमत होने वाले न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा को कथित हितों के टकराव के कारण इस मामले की सुनवाई नहीं करनी चाहिए थी। जया ठाकुर ने दावा किया है कि न्यायमूर्ति शर्मा के पुत्र सिद्धार्थ शर्मा जुलाई 2024 से मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में भारतीय निर्वाचन आयोग की ओर से स्थायी अधिवक्ता हैं। इसी आधार पर उन्होंने मामले में पक्षपात की उचित आशंका और न्यायिक औचित्य को लेकर सवाल उठाया है। ठाकुर ने पहले पुनर्विचार याचिका दाखिल करने से छूट देने की मांग की है। उनका तर्क है कि पुनर्विचार याचिका उसी पीठ के समक्ष सूचीबद्ध होगी और ऐसी स्थिति में उसका कोई उपयोगी उद्देश्य पूरा नहीं होगा। वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया, जिन्होंने याचिका तैयार की और इसे उपचारात्मक क्षेत्राधिकार के लिए उपयुक्त प्रमाणित किया है, ने कहा कि उन्हें इसमें कोई संदेह नहीं है कि न्यायमूर्ति ने मामले का फैसला अपने गुण-दोष के आधार पर किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि होते हुए दिखाई भी देना चाहिए। इसलिए उनके अनुसार न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा के लिए इन याचिकाओं की सुनवाई से स्वयं को अलग करना उचित होता।

विकसित भारत...

मोदी ने कहा कि 25 वर्ष की यात्रा को केवल अतीत की यादों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। यह दिन नए संकल्प लेने और उन वादों तथा इरादों को पूरा करने के लिए नई ऊर्जा जुटाने का है। उन्होंने कहा कि लाल किले से उन्होंने सबका प्रयास की बात कही थी और भारत को नई बुलंदियों पर पहुंचाने के लिए इसी सामूहिक भावना की जरूरत है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत-2047, आत्मनिर्भर भारत और भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने जैसे लक्ष्यों को पूरा करना देश का संकल्प है। देश के लोगों की धमनियों में ऐसा आत्मविश्वास दौड़ रहा है, जिसे कोई रोक नहीं सकता।

अपने राजनीतिक जीवन के शुरुआती दौर को याद करते हुए उन्होंने कहा कि 25 वर्ष पहले जब वह 50 वर्ष की आयु में गुजरात की जिम्मेदारी संभालने पहुंचे, तब उनका जीवन मुख्य रूप से संगठन के काम के लिए समर्पित था। यदि उन्हें चुनावी राजनीति में आगे बढ़ने की इच्छा होती तो वह बहुत पहले ही चुनावी मैदान में उतर सकते थे, लेकिन उन्होंने कभी यह नहीं सोचा कि उन्हें जीवन में क्या बनना है। बचपन से मिली शिक्षा यही थी कि मिशन के लिए जीवन जीना है। इसलिए जो भी जिम्मेदारी मिली, उसे निभाते चले गए।

उन्होंने कहा, कर्म ही मेरा धर्म है। गीता के कर्मयोग का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके लिए कर्म केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि देश के प्रति साधना है। देश और देशवासियों के लिए बिना फल की चिंता किए निरंतर काम करना ही उनका मार्ग रहा है।

उन्होंने कहा कि जब बात देश की हो तो सत्ता, पद और प्रतिष्ठा का कोई महत्व नहीं रह जाता। पद और प्रतिष्ठा मिल सकती है, लेकिन भारत जैसी पुण्यभूमि नहीं मिल सकती। उन्होंने कहा कि जिस भारत ने कठिन दौर में भी पूरी मानवता को संदेश दिया, उसकी सेवा का अवसर मिलना अमूल्य है।

गुजरात से मिली सीख को देश की सेवा में लागू किया

प्रधानमंत्री ने कहा कि 25 वर्षों में उनका मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि इस दौरान देश कहां पहुंचा। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनका मंत्र था कि गुजरात के विकास के साथ देश का भी विकास हो। उस समय सरकार चलाने का अनुभव भले नहीं था, लेकिन जनता का विश्वास उनके पास था।

उन्होंने कहा कि जनशक्ति पर भरोसा उनके वर्षों के काम का निचोड़ था। जनता को साथ लेकर नीतियां बनाई गईं और उन्हें लागू किया गया। इसी भावना को उन्होंने वी विल डू इट का मंत्र बताया।

मोदी ने गुजरात के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि जनता को साथ लेकर किए गए प्रयासों के परिणाम सामने आए और गुजरात ने कई क्षेत्रों में करके दिखाया। उन्होंने कहा कि गुजरात से मिली सीख आज भी उनके काम आ रही है।

उन्होंने कहा कि 2014 में देश ने उन्हें प्रधानसेवक के रूप में सेवा का बड़ा दायरा दिया। उस समय देश के सामने गंभीर चुनौतियां थीं, महंगाई बढ़ रही थी और देश में निराशा का माहौल था। उन्होंने कहा कि उस समय भी उन्होंने देशवासियों के सामने विश्वास रखा कि भारत इन चुनौतियों से बाहर निकलेगा और वी विल डू इट के संकल्प के साथ आगे बढ़ेगा।

प्रधानमंत्री ने दावा किया कि पिछले 12 वर्षों में देश की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। पहले कोई बड़ा संकट आने पर भारतीय अर्थव्यवस्था प्रभावित होती थी, जबकि आज वैश्विक संकटों के बीच दुनिया भारत की क्षमता और अर्थव्यवस्था की चर्चा करती है।

'सबका साथ, सबका विकास' को बताया शासन का आधार

मोदी ने सौर ऊर्जा, कृषि विकास और अन्य क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि 2015 से 2025 का दशक कृषि क्षेत्र की वृद्धि के लिहाज से महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि जब नीयत साफ और नीति स्पष्ट होती है तो परिणाम भी आते हैं।

उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास शासन का आधार रहा है। राजनीति के लिए समाज को वोटों के हिसाब से बांटने की प्रवृत्ति रही है, लेकिन पानी, बिजली, सड़क या अन्य बुनियादी सुविधाओं की समस्या किसी एक समुदाय की नहीं होती। समस्या सबकी है तो समाधान भी सबका होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का प्रयास किया है और यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि किसी के अधिकार पर कोई डाका न डाल सके।

इंडिगो विमान...

यात्रियों के लिए दूसरे विमान का इंतजाम किया। सभी यात्री शाम करीब 6:22 बजे दूसरे विमान से अहमदाबाद के लिए रवाना हुए।

करीब 17 हजार फीट की ऊंचाई पर आकाशीय बिजली की चपेट में आने से विमान को नुकसान जरूर पहुंचा, लेकिन पायलट ने स्थिति को संभालते हुए उसे सुरक्षित लखनऊ उतार लिया। इसके बाद यात्रियों को दूसरे विमान से उनकी आगे की यात्रा के लिए रवाना किया गया। जिस विमान पर बिजली गिरी थी, उसकी फिलहाल तकनीकी जांच की जा रही है।इस पूरी घटना में सबसे अहम बात यह रही कि करीब 17 हजार फीट की ऊंचाई पर आकाशीय बिजली की चपेट में आने के बावजूद विमान को सुरक्षित लखनऊ हवाईअड्डे पर उतार लिया गया।

भारत में ...

ग्रामीण भारत में करीब 44.08 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे और प्रति 100 लोगों पर इंटरनेट घनत्व 48.31 था। इसके मुकाबले शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा प्रति 100 लोगों पर 126.80 था।

स्पेसएक्स में स्टारलिंक बिजनेस ऑपरेशंस की उपाध्यक्ष लॉरेन ड्रायर ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस में बताया कि कंपनी ने भारत के लिए विशेष सुरक्षा उपाय तैयार किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत में 20 गेटवे साइट और सैकड़ों एंटीना वाला जमीनी ढांचा तैयार किया जा चुका है। कंपनी ने भारत में अपनी परिचालन व्यवस्था भी स्थापित कर ली है।

ड्रायर के अनुसार, स्टारलिंक पिछले करीब पांच वर्षों से भारतीय नियामकों, उद्योग जगत और दूरसंचार कंपनियों के साथ काम कर रही है। कंपनी ने भारतीय सुरक्षा और नियामकीय जरूरतों के अनुरूप अपनी व्यवस्था तैयार की है तथा भारतीय उपयोगकर्ताओं का डेटा भारत में ही रखने की व्यवस्था की गई है।

लाइसेंस के बाद भी अंतिम मंजूरियों का इंतजार

भारत सरकार ने देश में उपग्रह संचार सेवाएं देने के लिए स्टारलिंक सहित तीन कंपनियों को लाइसेंस दिए हैं। हालांकि, व्यावसायिक सेवा शुरू करने के लिए अभी स्पेक्ट्रम आवंटन और सुरक्षा संबंधी मंजूरियों समेत आवश्यक अंतिम स्वीकृतियों का इंतजार है।

स्टारलिंक का कहना है कि भारत में सेवा शुरू करने के लिए आवश्यक जमीनी बुनियादी ढांचे और परिचालन तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। कंपनी अब अंतिम मंजूरियां मिलने के बाद सेवा शुरू करने के लिए तैयार है।

कट्टरपंथ खत्म...

हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई कि बांग्लादेश सरकार चरमपंथी ताकतों के खिलाफ कार्रवाई करेगी और दोनों पड़ोसी देशों के बीच रिश्ते सकारात्मक और दोस्ताना बने रहेंगे।लेखिका ने कहा, मुझे उम्मीद है कि बांग्लादेश सरकार इन मुश्किल हालात के बावजूद कार्रवाई करेगी और भविष्य में भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्ते सकारात्मक और दोस्ताना रहेंगे।जुलाई के बाद कोलकाता की अपनी दूसरी यात्रा पर पहुंचीं तसलीमा नसरीन ने कहा कि वह शहर में वापस आकर खुश हैं, लेकिन इस वर्ष दुर्गा पूजा के दौरान यहां नहीं रह पाएंगी।उन्होंने कहा, मैं इस बार पूजा में शामिल नहीं हो पाऊंगी, लेकिन अगले साल जरूर आऊंगी। मुझे यहां की पूजा बहुत पसंद है। यह किसी कला प्रदर्शनी जैसा लगता है।डॉक्टर से लेखिका बनीं तसलीमा नसरीन गुरुवार को एक कार्यक्रम में शामिल होंगी, जहां वह अपनी कविताएं सुनाएंगी और मशहूर कलाकार उनकी कविताओं पर आधारित गीत प्रस्तुत करेंगे।शिकोल भांगार गोल्पो यानी बेड़ियां तोड़ने की कहानियां नाम का यह कार्यक्रम नारीवादी कविताओं और उन गीतों पर केंद्रित होगा, जो महिलाओं के प्रेम, इच्छाओं, दुख, प्रतिरोध और अपनी शर्तों पर जीने के उनके अधिकार से जुड़े हैं।11 अक्टूबर को तसलीमा नसरीन साल्ट लेक में साहित्य में शालीनता और अश्लीलता की सीमाएं विषय पर बोलेंगी। इस कार्यक्रम में बच्चों के लिए उनकी अंग्रेजी भाषा की पुस्तक जैस्मिन का भी विमोचन किया जाएगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 08 अक्टूबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज की 9 दिवसीय डांडिया को लेकर समस्त शाखाओं की सभा आज

हैदराबाद, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की ओर से महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले 9 दिवसीय डांडिया कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आज 8 अक्टूबर, गुरुवार को शाम 7 बजे ड्रीमलैंड गार्डन, सातमराई, सिकंदराबाद में समस्त शाखाओं के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों के साथ सभा का आयोजन किया गया है।

मीडिया प्रचार-प्रसार समिति के चेयरमैन राजकुमार गुप्ता की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि इस सभा में अग्रवाल समाज तेलंगाना की सभी शाखाओं के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य शामिल होंगे। सभा में 9 दिवसीय डांडिया कार्यक्रम की तैयारियों एवं आयोजन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की जाएगी।

उन्होंने बताया कि इस बार महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5150वीं जयंती भव्य रूप से आयोजित की जाएगी। इसके तहत 11 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक 9 दिवसीय डांडिया कार्यक्रम क्लासिक कन्वेंशन-3, शमशाबाद में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में फिल्मी जगत की मशहूर हस्तियां भी भाग लेंगी।

11 अक्टूबर, रविवार को जयंती पर्व के अवसर पर प्रसिद्ध अभिनेत्री हेमा मालिनी दुर्गा नृत्य की प्रस्तुति देंगी, जबकि अभिनेता मुकेश खन्ना महाराजा अग्रसेन जी की वेशभूषा में नजर आएंगे। इसके अलावा 9 दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन फिल्मी जगत की सेलिब्रिटी कलाकार भी कार्यक्रम में शामिल होंगी।

इस भव्य आयोजन को लेकर अग्रवाल समाज तेलंगाना की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

समाज के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल ने बताया कि समाज के सभी जोन की सभाओं का आयोजन पहले ही किया जा चुका है। अब आज समस्त शाखाओं के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों के साथ सभा आयोजित की जा रही है। इसमें 9 दिवसीय डांडिया कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा प्रस्तुत की जाएगी तथा शाखाओं की सहभागिता को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

डांडिया कार्यक्रम के संयोजक प्रवीण अग्रवाल ने बताया कि समारोह के लिए सभी शाखाओं को डांडिया के प्रवेश-पास भी दिए जाएंगे, ताकि शाखा पदाधिकारी अपने सदस्यों को कार्यक्रम में भेजने की सुविधा उपलब्ध करा सकें।

परामर्शदाता सुरेश कुमार (सीएसके) ने कहा कि यह पूरे अग्रवाल समाज का कार्यक्रम है और इसे सफल बनाने के लिए सभी शाखाओं का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने सभी शाखाओं के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों से अपील की कि वे आज की सभा में अनिवार्य रूप से शामिल हों तथा 9 दिवसीय डांडिया कार्यक्रम में उपस्थित होकर अपना सहयोग प्रदान करें। सभा में रात्रिभोज की भी व्यवस्था रहेगी।

शिव शक्ति स्वर्णकार भजन मंडल का नवरात्रि महोत्सव 11 से

हैदराबाद, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शिव शक्ति स्वर्णकार भजन मंडल की ओर से नवरात्रि महोत्सव का आयोजन 11 से 20 अक्टूबर तक मदन भवन, चारकमान में धूमधाम और श्रद्धाभाव के साथ किया जाएगा। महोत्सव का शुभारंभ 11 अक्टूबर, रविवार को कलश शोभायात्रा के साथ होगा।

मंडल की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में मंत्री गौतम सुगंध ने बताया कि रविवार 11 अक्टूबर को प्रातः 8:30 बजे महिलाओं द्वारा कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा माताजी की प्रतिमा के साथ चेलापुरा हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर मदन भवन पहुंचेगी। कलश उठाने की इच्छुक महिलाएं अपना नाम श्रीराम सुनालिया के मोबाइल नंबर 9849231550 पर लिखवा सकती हैं।

उन्होंने बताया कि कलश यात्रा के पश्चात प्रातः 11:15 बजे नवरात्रि महोत्सव के मुख्य यजमान श्री हरिकिशन जी धर्मचंद जी झींगा (विष्णु झींगा) द्वारा माताजी की घट स्थापना की जाएगी।

महोत्सव के दौरान प्रतिदिन प्रातः 10:15 बजे तथा रात्रि 8:15 बजे आरती होगी। इसके बाद रात्रि 9 बजे से विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मंडल के अध्यक्ष श्रीराम सुनालिया, कोषाध्यक्ष सुनील आसट, संजय खिप्पल, प्रितेश सुनालिया, कार्यक्रम संयोजक पुनीत ठाकरान तथा सह-संयोजक अशोक डांवर ने सभी भक्तों से निवेदन किया है कि वे निर्धारित समय पर पहुंचकर नवरात्रि महोत्सव की शोभा बढ़ाएं तथा धार्मिक आयोजन में सहभागी बनकर पुण्य के भागी बनें।

नुमाइश मैदान में नेशनल वेजिटेरियन मूवमेंट का अहिंसा आंदोलन

शाकाहार को बढ़ावा देने और जीवदया के प्रति जागरूकता का संदेश

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के नुमाइश मैदान में नेशनल वेजिटेरियन मूवमेंट की ओर से अहिंसा आंदोलन चलाया जा रहा है। आंदोलन के माध्यम से लोगों को शाकाहार अपनाने तथा जीवदया और अहिंसा के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। संस्था के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में अभियान के माध्यम से हजारों मांसाहारी लोगों ने शाकाहार अपनाया है।

आयोजकों के अनुसार, अभियान का उद्देश्य लोगों को शाकाहारी जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना तथा अहिंसा एवं प्राणीमात्र के प्रति दया की भावना को बढ़ावा देना है। अभियान के दौरान लोगों को जीवों के प्रति करुणा रखने और अहिंसा के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया जा रहा है।इस अवसर पर महावीर कैंसर अस्पताल के चेयरमैन महेंद्र रांका, प्राणी जीवदया संघ के तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष जसराज श्री श्रीमाल जैन, स्वतंत्र पत्रकार स्वाती जैन तथा फीलखाना श्वेतांबर जैन मंदिर के अध्यक्ष मोहनलाल बागरेचा का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने अहिंसा, जीवदया और शाकाहार को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की।

गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने के लिए भजन जागरण

शिव मंदिर गौशाला में संत श्री प्रकाश दासजी महाराज ने प्रस्तुत किए भक्ति गीत

हैदराबाद, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शमशेरगंज स्थित शिव मंदिर गौशाला में शिव मंदिर गौशाला कार्य समिति की ओर से 'गो सम्मान आह्वान अभियान' के अंतर्गत भजन संध्या एवं भजन जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूज्यपाद संत श्री प्रकाश दासजी महाराज ने भक्ति गीत प्रस्तुत कर उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्तिरस से भावविभोर किया।

गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने के उद्देश्य से आयोजित इस भजन जागरण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गौभक्त एवं गौसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गौशाला के अध्यक्ष अमित अग्रवाल, गोवर्धनदास तापड़िया, गणेश अग्रवाल, द्वारकादास परताणी, संजय अग्रवाल, जय गोपाल अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, गोविंद शर्मा, आनंद तिवारी, 'लव फॉर काऊ' के अध्यक्ष जसमत पटेल, गौसेवक हरिकिशन मायच, भाग्यनगर कांवड़ सेवा संघ के पंकज वर्मा, धीरज शुक्ला, यादेश शुक्ला, वैदिक ऋषि अमिताचार्यजी महाराज, श्री राधे महाराज, अनिल बजाज, जीत जायसवाल सहित अन्य श्रद्धालु एवं गौसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान गौ माता के संरक्षण, सम्मान एवं सेवा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया तथा गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने के अभियान को आगे बढ़ाने का आह्वान किया गया।

सुदामा चरित्र ने भाव-विभोर किए श्रद्धालु, श्रीमद्भागवत कथा का हुआ विराम

भक्ति में डूबा रहा मंदिर परिसर

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अत्तापुर के एन.एम. गुड़ा स्थित साई बाबा मंदिर में राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन कथा वाचक सुश्री प्रियाकिशोरीजी ने श्रद्धालुओं को सुदामा चरित्र का विस्तारपूर्वक वर्णन सुनाया। सुदामा चरित्र के मार्मिक प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। कथा के साथ ही श्रीमद्भागवत कथा का विधिवत विराम हुआ।

कथा वाचक सुश्री प्रियाकिशोरीजी ने भगवान श्रीकृष्ण और उनके परम मित्र सुदामा की मित्रता का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि सुदामा अत्यंत निर्धन होने के बावजूद संतोषी, धर्मनिष्ठ और भगवान श्रीकृष्ण के अनन्य भक्त थे। दोनों ने गुरुकुल में साथ शिक्षा प्राप्त की थी और उसी समय से उनके बीच गहरी मित्रता थी। समय बीतने के बाद भगवान श्रीकृष्ण द्वारका के राजा बने, जबकि सुदामा अत्यंत साधारण जीवन व्यतीत करते रहे।

उन्होंने बताया कि सुदामा की पत्नी ने परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए उन्हें अपने बालसखा भगवान श्रीकृष्ण से मिलने के लिए द्वारका जाने का आग्रह किया।

पत्नी के आग्रह पर सुदामा अपने मित्र के लिए भेंट स्वरूप घर में उपलब्ध थोड़े से चिवड़े लेकर भगवान श्रीकृष्ण से मिलने द्वारका पहुंचे। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने बालसखा सुदामा को देखते ही उनका अत्यंत प्रेम और आत्मीयता से स्वागत किया। उन्होंने सुदामा को गले लगाया और उनके चरण धोकर मित्रता की अनूठी मिसाल प्रस्तुत की।

कथा वाचक ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने सुदामा की गरीबी नहीं देखी, बल्कि उनके हृदय में बसे प्रेम और भक्ति को देखा।

सुदामा अपने मित्र से अपनी आर्थिक परेशानी नहीं बता सके और बिना कुछ मांगे ही वापस लौट आए। भगवान श्रीकृष्ण ने उनकी मनोकामना बिना कहे ही पूरी कर दी। जब सुदामा अपने घर पहुंचे तो वहां उनकी झोपड़ी के स्थान पर सुंदर भवन और समृद्धि दिखाई दी। उनकी पत्नी और परिवार सुख-सुविधाओं से संपन्न हो चुके थे।

उन्होंने कहा कि सुदामा चरित्र हमें सच्ची मित्रता, निःस्वार्थ प्रेम, संतोष, विनम्रता और भगवान के प्रति अटूट विश्वास का संदेश देता है। भगवान भक्त की भावना को देखते हैं, उसकी बाहरी स्थिति को नहीं। सुदामा ने भगवान श्रीकृष्ण से कुछ नहीं मांगा, फिर भी भगवान ने उनकी आवश्यकता को समझकर सब कुछ प्रदान कर दिया। कथा के इस प्रसंग को सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

भक्तिमय वातावरण में कथा का समापन

कथा के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण किया और आध्यात्मिक आनंद प्राप्त किया।

सुदामा चरित्र के प्रसंग के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाए और पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा।

समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने किया सहयोग

कार्यक्रम को सफल बनाने में राजस्थानी जागृति समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी, उपाध्यक्ष प्रेमचंद मुणोत जैन, अशोक कुमार हीरावत जैन, मंत्री महेश अग्रवाल, सह-मंत्री रामदेव नागला, कोषाध्यक्ष संजय राठी, सह-कोषाध्यक्ष मनीष सोमाणी, संगठन मंत्री रमेश मोदानी, प्रचार-प्रसार मंत्री रिद्धीश जागीरदार, सदस्य श्याम सुन्दर जांगिड, निखिल सोमाणी, संजय गुप्ता, केदारनाथ लाटी, रामदेव व्यास, रामदयाल शर्मा, श्रीकिशन काबरा, आशा देवी सोमाणी, पंडित विद्या देवी शर्मा, जमुनादेवी लाटी, ज्योति शर्मा, जमुना देवी काबरा, शीला देवी शर्मा, कोमल बेहवाल, जेठमल शर्मा, रामहरि ठाकुर एवं भरत शर्मा सहित समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सहयोग प्रदान किया।

अशोक फाउंडेशन व कुंभ मेला अग्रवाल बंधुओं ने मनाया स्मृति दिवस

हैदराबाद, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अशोक फाउंडेशन एवं कुंभ मेला अग्रवाल बंधुओं के तत्वावधान में संस्था के भंडारा चौक, रिकाबगंज स्थित कार्यस्थल पर बुधवार को पंकज कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में मां भगवती का पूजन कर स्मृति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विशाल महाभोज का आयोजन किया गया।यह कार्यक्रम कुंभ मेला अग्रवाल बंधू हिंदू संरक्षण समिति के संस्थापक तथा देवी अन्नपूर्णा के पुत्र कहे जाने वाले ब्रह्मलीन श्री अशोक कुमार अग्रवाल की पुण्य स्मृति में संस्था द्वारा हर वर्ष की तरह इस बार भी 'स्मृति दिवस' के रूप में आयोजित किया गया। स्मृति दिवस एवं पितृ पक्ष के अवसर पर सुरेंद्र नारनौली, राजकमल, अनूप अग्रवाल, पंकज कुमार अग्रवाल, सुनील कुमार, श्रीनिवास एवं परमेश ने ब्रह्मलीन श्री अशोक कुमार अग्रवाल द्वारा समाज संगठन एवं धर्म रक्षा के लिए किए गए कार्यों को याद करते हुए श्रद्धापूर्वक पुष्पांजलि अर्पित की।

फलोदी के विकास का विजन लेकर हैदराबाद पहुंचे मेघराज कल्ला

फलोदी नगर परिषद के चेयरमैन बनने के बाद पहली बार हैदराबाद आगमन पर भव्य स्वागत

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं फलोदी नगर परिषद के चेयरमैन बनने के बाद पहली बार हैदराबाद पहुंचे मेघराज कल्ला का पुष्करणा विप्र समाज एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की ओर से भव्य स्वागत किया गया। एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में समाज के युवा उनके स्वागत के लिए पहुंचे। वहां से करीब 12 से 15 गाड़ियों का काफिला चूड़ी बाजार स्थित खेमदास मठ पहुंचा, जहां भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। एयरपोर्ट से खेमदास मठ तक निकले काफिले में भरत चांडा, अर्जुन थानवी, राकेश व्यास, सागर चांडा, राजेश थानवी, मुरारी बोहरा, नारायण चांडा, कृष्णा चांडा, हेमंत चांडा, महेश चांडा, महेश थानवी, पंकज थानवी, मुकेश थानवी, अश्विन कल्ला, अभिषेक अग्रवाल और आदर्श बोहरा सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

खेमदास मठ में आयोजित समारोह में महंत मनुजी महाराज के सान्निध्य में पुष्करणा विप्र समाज, मासर माता मंडल, अग्रवाल समाज, माहेश्वरी समाज, राजस्थानी ब्राह्मण समाज, राजस्थानी ब्राह्मण सभा, विप्र फाउंडेशन और श्री श्याम युवा मंडल सहित अनेक सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं समाजबंधुओं ने मेघराज कल्ला का अभिनंदन किया।

समारोह में रामदेवजी नागला, शांतिलालजी चांडा, जवरीलालजी थानवी, हुक्मीचंदजी थानवी, अशोकजी गुच्चिया, अनिलजी गुच्चिया, विजयजी चांडा, ललितजी चांडा, विपिनजी व्यास, गुड्डूजी कल्ला, अभिषेक शर्मा, दिनेशजी अग्रवाल, राजकुमारजी अग्रवाल, बृज भूषण चांडा, गोपाल व्यास, रमेश व्यास, बृज गोपाल तिवारी, प्रकाश जिंदल, विशाल ताजपुरिया, जे.पी. अग्रवाल और नवीन चांडक सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन एवं समाजबंधु उपस्थित रहे।कार्यक्रम में महिला शक्ति की भी विशेष भागीदारी रही। सुशील-ाजी व्यास, लक्ष्मीजी चांडा, विजयलक्ष्मी चांडा, भगवती देवी चांडा, नीलम चांडा, शोभाजी गुच्चिया, निशाजी थानवी और सक्कू चांडा सहित समाज की अनेक महिलाओं ने स्वागत समारोह में सक्रिय भूमिका निभाई।

अपने संबोधन में मेघराज कल्ला ने अपने जीवन एवं सार्वजनिक सफर की यादें साझा करते हुए फलोदी के विकास को लेकर अपना दृष्टिकोण रखा। उन्होंने फलोदी को आधुनिक सुविधाओं से युक्त शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य करने की बात कही।इस अवसर पर उन्होंने हैदराबाद में प्रस्तावित पुष्करणा विप्र समाज भवन के निर्माण के लिए 11 लाख रुपये की सहयोग राशि देने की घोषणा की, जिसका उपस्थित समाजबंधुओं ने स्वागत किया।

समारोह में 'विरासत फलोदी' विषय पर तैयार विशेष केक भी आकर्षण का केंद्र रहा। इसमें फलोदी की ऐतिहासिक विरासत एवं भविष्य के विकास की परिकल्पना को दर्शाते हुए फलोदी किला, मधुजी की बेरी, भैया नदी और सेवासर तालाब सहित प्रमुख स्थलों को प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम में ऊपर रामराज, नीचे मेघराज की पंक्ति भी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। उपस्थित समाजबंधुओं ने मेघराज कल्ला को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए फलोदी की विरासत को संरक्षित रखते हुए शहर के समग्र विकास की उम्मीद जताई।

सामाजिक एकता और मातृभूमि से जुड़ाव का संदेशस्वागत समारोह ने हैदराबाद में बसे फलोदी एवं राजस्थान के विभिन्न समाजों को एक मंच पर जोड़ते हुए सामाजिक एकता, आपसी अपनत्व और मातृभूमि के प्रति जुड़ाव का सशक्त संदेश दिया।

सेवा ही सबसे बड़ा धर्म : महेश अग्रवाल

हैदराबाद । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265-ए के पास बुधवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश अग्रवाल ने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। जरूरतमंदों के लिए अन्नसेवा करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा और ईश्वर की आराधना के समान है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक सेवा पहुंचाना है। अन्नसेवा के माध्यम से समाज में सेवा, संस्कार और सहयोग की भावना को मजबूत किया जा सकता है। जब मनुष्य अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद के काम आता है, तो यही मानव जीवन की सबसे बड़ी सार्थकता बन जाती है।

महेश अग्रवाल ने कहा कि सेवा में दिखावा नहीं, बल्कि समर्पण और संवेदना का भाव होना चाहिए। नियमित रूप से चल रही यह अन्नसेवा समाज को मानवता और परोपकार का संदेश दे रही है। राधे-राधे ग्रुप के सदस्य तन-मन-धन से सेवा कार्यों में सहभागी बनकर समाज में सकारात्मक वातावरण निर्माण का प्रयास कर रहे हैं।इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, महेश अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य को निरंतर आगे बढ़ाने और जरूरतमंदों की सहायता के संकल्प को दोहराया।

मलकपेट सरकारी प्राथमिक विद्यालय में पोषण माह जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, गड्डीअन्नाराम की ओर से मलकपेट सरकारी प्राथमिक विद्यालय में राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम डॉ. जी.पी. प्रसाद, सहायक निदेशक (प्रभारी) के मार्गदर्शन में हुआ।डॉ. एन. सिंदुजा ने विद्यार्थियों को संतुलित आहार, स्वच्छता और पोषण के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों

को जंक फूड से दूर रहने तथा फल, सब्जियां, पत्तेदार सब्जियां, रागी और बाजरा जैसे पौष्टिक पारंपरिक खाद्य पदार्थों को आहार में शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने भोजन से पहले और शौचालय के बाद साबुन से हाथ धोने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को फलों का रस वितरित किया गया।

इस अवसर पर संस्थान के पुस्तकालयाध्यक्ष के. श्रीनिवास राव, विद्यालय के प्रधानाध्यापक बी. श्रीनिवास राव, सुनीता, शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सेवा से संवरता समाज, अन्नसेवा से मिलता आत्मिक संतोष

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क स्थित वाटर टैंक के समीप नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सदस्यों ने जरूरतमंदों एवं राहगीरों को अन्नसेवा कर मानवता और सामाजिक सरोकार की मिसाल पेश की।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा लंबे समय से नियमित रूप से संचालित की जा रही अन्नसेवा केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में सेवा, संवेदना और सहयोग की भावना को मजबूत करने का निरंतर प्रयास है। समूह का मानना है कि किसी जरूरतमंद के चेहरे पर संतोष की मुस्कान लाना ही सच्ची सेवा है और अन्नदान से बढ़कर कोई सेवा नहीं मानी जाती। कार्यक्रम के दौरान सदस्यों ने कहा कि आज के दौर में जब समाज में व्यस्तता बढ़ती जा रही है, ऐसे समय में जरूरतमंदों के लिए समय निकालकर सेवा करना सामाजिक जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी जाति, धर्म अथवा भेदभाव के मानवता की सेवा करना है। सेवा के इसी भाव को आगे बढ़ाते हुए ग्रुप द्वारा नियमित रूप से अन्नसेवा, गौसेवा तथा अन्य सामाजिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर सेवा कार्य को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। सदस्यों ने कहा कि मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची आराधना है और सेवा का यह सिलसिला निरंतर जारी रहेगा।

अंतर्राष्ट्रीय नियुक्ति पर तेलंगाना मीडिया अकादमी के अध्यक्ष ने बजरंग शाह को दी बधाई

हैदराबाद, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना मीडिया अकादमी के अध्यक्ष श्री श्रीनिवास रेड्डी ने 'स्नैप्स इंडिया' के सहयोगी एवं फोटो संपादक बजरंग शाह को 'इंटरनेशनल जर्नलिस्ट्स नेटवर्क ऑफ यूरोप' (आईजेएनई), फिनलैंड में सहयोगी एवं फोटो संपादक के रूप में नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई दी है।श्री श्रीनिवास रेड्डी ने बजरंग शाह के पत्रकारिता और फोटोग्राफी के क्षेत्र में योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के एक वरिष्ठ फोटो पत्रकार का किसी अंतर्राष्ट्रीय पत्रकार संगठन से जुड़ना पूरे राज्य के मीडिया जगत के लिए गर्व की बात है। यह नियुक्ति दर्शाती है कि तेलंगाना के पत्रकारों और फोटो पत्रकारों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। इस अवसर पर अध्यक्ष ने बजरंग शाह को उनकी इस नई अंतर्राष्ट्रीय जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। यह नियुक्ति 'स्नैप्स इंडिया' के अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारिता संगठनों के साथ बढ़ते जुड़ाव को भी रेखांकित करती है।

शौकत अली राज्य उत्पाद शुल्क संघ के अध्यक्ष निर्वाचित

पेद्दापल्ली, 7 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उत्पाद शुल्क विभाग के राज्य स्तरीय संघ चुनाव में पेद्दापल्ली जिले के सुल्तानाबाद स्टेशन में कार्यरत उत्पाद शुल्क एवं निषेध कर्मचारी एस.के. शौकत अली राज्य संघ के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। वे वर्तमान में पेद्दापल्ली जिला निषेध एवं उत्पाद शुल्क कांस्टेबल एवं प्रधान कांस्टेबल संघ के महासचिव भी हैं।शौकत अली ने कहा कि वे राज्यभर के उत्पाद शुल्क कांस्टेबलों एवं प्रधान कांस्टेबलों की समस्याओं के समाधान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए कार्य करेंगे।

विजयादशमी 21 अक्टूबर को

पटना, 7 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आश्विन शुक्ल दशमी यानी विजयादशमी को लेकर 20 और 21 अक्टूबर की तिथि पर चल रहे भ्रम को ज्योतिर्वेद विज्ञान संस्थान, पटना के निदेशक एवं ज्योतिषाचार्य डॉ. राजनाथ झा ने स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि धर्मशास्त्रों के अनुसार सूर्योदय के समय व्याप्त तिथि को ही व्रत-त्योहार के लिए मान्य माना जाता है। डॉ. झा ने निर्णयसिन्धु, धर्मसिन्धु, देवी पुराण और अन्य धर्मग्रंथों का उल्लेख करते हुए बताया कि इस वर्ष 21 अक्टूबर, बुधवार को सूर्योदय के समय दशमी तिथि रहेगी। इसलिए इसी दिन विजयादशमी, दुर्गा विसर्जन तथा दशमी के सभी धार्मिक अनुष्ठान करना शास्त्र सम्मत और मान्य होगा।

स्वतंत्र जैन निगम की स्थापना को लेकर मध्य प्रदेश सरकार सकारात्मक : मोहन यादव

भोपाल, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मध्य प्रदेश जैन धर्म एवं जैन समाज की दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य है। यहां भगवान महावीर की परंपरा से जुड़ी तथा उससे भी प्राचीन जैन विरासत, ऐतिहासिक तीर्थस्थल एवं धार्मिक धरोहरें विद्यमान हैं। प्रदेश के सामाजिक, धार्मिक एवं आर्थिक विकास में जैन समाज का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ऐसे में जैन समाज के सर्वांगीण विकास के लिए स्वतंत्र जैन निगम की स्थापना के प्रस्ताव पर मध्य प्रदेश सरकार सकारात्मक है। यह आश्वासन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अखिल भारतीय जैन अल्पसंख्यक महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललित गांधी को दिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ललित गांधी एवं प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा परिसर में आयोजित क्षमावाणी समारोह के पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की और विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान ललित गांधी ने मध्य प्रदेश में स्वतंत्र जैन निगम की स्थापना की आवश्यकता को प्रभावी ढंग से रखते हुए कहा कि निगम के माध्यम से जैन समाज के शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा सकता है।

ललित गांधी ने अपने प्रस्ताव में विशेष रूप से जैन विद्यार्थियों के लिए छात्रावास एवं शैक्षणिक सहायता, युवाओं के लिए कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी योजनाएं, जैन युवाओं एवं महिलाओं के लिए उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु वित्तीय सहायता तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं शुरू करने की आवश्यकता बताई।

उन्होंने मध्य प्रदेश की समृद्ध जैन विरासत के संरक्षण एवं विकास का विषय भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। भोपावर तीर्थ, मोहनखेड़ा, सोनागिरि, कुंडलपुर, पापौराजी, नैनागिरि, बावनगजा तथा खजुराहो के प्राचीन जैन मंदिरों सहित प्रदेश के प्रमुख जैन तीर्थों के विकास, वहां आवश्यक बुनियादी सुविधाओं के विस्तार तथा जैन तीर्थ पर्यटन को प्रोत्साहन देने पर भी चर्चा हुई।

ललित गांधी ने कहा कि प्राचीन जैन मंदिरों, तीर्थक्षेत्रों, शिलालेखों, हस्तलिखित ग्रंथों एवं अन्य धार्मिक-सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए विशेष योजना बनाई जानी चाहिए। साथ ही जैन समाज के युवाओं को शिक्षा, व्यवसाय एवं स्वरोजगार के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए निगम को प्रभावी माध्यम बनाया जा सकता है।

गुरुजनों के पुण्य स्मरण में शांतिनाथ गौशाला में गौ सेवा

हुब्बल्ली, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री मरुधर केसरी जैन गुरु भक्तगण समिति, हुब्बल्ली-कर्नाटक के तत्वावधान में पूज्य साध्वी इंदुप्रभाजी म. सा. आदि ठाणा-5 की प्रेरणा से श्री शांतिनाथ गौशाला में पावन गौ सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

गुरुदेव मरुधर केसरी मिश्रीमलजी म. सा. एवं शेर राजस्थान लोकमान्य संत रूपचंदजी म. सा. के पुण्य स्मरण में गुरुभक्तों ने गौमाता को श्रद्धापूर्वक लापसी एवं फल-सब्जियों का प्रसाद अर्पित किया।

इस अवसर पर स्थानकवासी समाज हुब्बल्ली के कार्याध्यक्ष गौतम भुरट, पूर्व कार्याध्यक्ष अशोक कोठारी, कोषाध्यक्ष कांतिलाल बोहरा, समिति के

शांतिलाल बोहरा, नरेश गांधी सहित अनेक गुरुभक्त उपस्थित रहे। उपस्थित श्रद्धालुओं ने गौ सेवा एवं जीवदया को जीवन का महत्वपूर्ण संस्कार बताते हुए सेवा कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

मदनूर में नया रेलवे स्टेशन स्थापित करने के प्रस्ताव पर जांच शुरू

मदनूर, 6 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल में नया रेलवे स्टेशन स्थापित करने की मांग को लेकर दक्षिण मध्य रेलवे ने क्षेत्रीय मूल्यांकन कराया है। यह जानकारी हैदराबाद मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के. गोविंदा राव की ओर से दी गई है।

मदनूर निवासी बंदीवार हनमंडलु ने 11 अगस्त 2026 को दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक को इस संबंध में प्रतिनिधित्व दिया था। इसके बाद रेलवे ने मदनूर मंडल की भौगोलिक स्थिति, यात्रियों की संख्या, आवागमन और मौजूदा

परिवहन संपर्क का आकलन किया। रिपोर्ट के अनुसार, मदनूर में वर्तमान में कोई रेलवे स्टेशन नहीं है और बोधन निकटतम स्टेशन है।

रेलवे के अनुसार, नए स्टेशन की स्थापना के लिए तकनीकी व्यवहार्यता, सर्वेक्षण, भूमि की आवश्यकता, मार्ग निर्धारण, परिचालन व्यवस्था और यातायात क्षमता सहित विभिन्न पहलुओं की जांच आवश्यक है। क्षेत्रीय मूल्यांकन रिपोर्ट को तकनीकी एवं योजनागत जांच तथा आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेज दिया गया है। विस्तृत जांच के बाद सक्षम अधिकारियों द्वारा इस संबंध में निर्णय लिया जाएगा।

एलेगांव में सरकारी धान खरीद केंद्र का उद्घाटन

डोंगली, 6 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार के आदेशानुसार डोंगली प्राथमिक कृषि सहकारी समिति के तत्वावधान में स्थापित एलेगांव सरकारी धान खरीद केंद्र का उद्घाटन स्थानीय विधायक थोथा लक्ष्मीकांत राव ने किया। इस अवसर पर डीसीसी अध्यक्ष एले मल्लिकार्जुन, समिति अध्यक्ष रमेश पाटिल, डोंगली मंडल अध्यक्ष गजानन देसाई, ग्राम सरपंच, समिति निदेशक, किसान, कृषि अधिकारी, मंडल राजस्व अधिकारी, समिति सचिव एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विधायक ने बताया कि सरकार ने ग्रेड-ए धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। उन्होंने किसानों से सरकारी खरीद केंद्रों का लाभ उठाने की अपील की।

पत्नी और बच्ची से अलगाव के विरोध में युवक ने गधे-गधी की कराई शादी

सोलापुर, 7 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पत्नी और बच्ची से अलग होने तथा प्रशासन से मदद नहीं मिलने से परेशान सोलापुर के युवक दीपक नारायण सूर्यवंशी ने अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। पिछले 15 दिनों से पुनम गेट पर अनशन कर रहे दीपक ने गधे और गधी की प्रतीकात्मक शादी कराकर अपनी पारिवारिक समस्या की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया।

दीपक का दावा है कि 16 वर्ष के वैवाहिक जीवन के बाद उसकी पत्नी बच्ची के साथ उससे अलग हो गई। उसने पुलिस, प्रशासन और रिश्तेदारों से कई बार मदद की गुहार लगाई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। दीपक ने आरोप लगाया कि पत्नी और बच्ची से मिलने जाने पर उसे धमकाया और मारपीट की जाती है। उसने प्रशासन से अपने पारिवारिक मामले में न्याय दिलाने की मांग की।

प्रतीकात्मक विवाह के बाद सदर बाजार पुलिस ने दीपक को हिरासत में लिया। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अजीत लड़े ने बताया कि दीपक को हिरासत में लिया गया है और मामले में आगे की कार्रवाई जारी है। दीपक ने कहा कि उसके इस अनोखे प्रदर्शन का उद्देश्य अपनी समस्या के साथ-साथ विवाह योग्य युवाओं से जुड़ी समस्याओं की ओर भी प्रशासन का ध्यान आकर्षित करना है।

स्तन कैंसर के प्रति महिलाओं में जागरूकता जरूरी : डॉ. शरण्या

निजामाबाद, 7 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अक्टूबर को स्तन कैंसर जागरूकता माह के रूप में मनाया जा रहा है। मेडिकोवर हॉस्पिटल्स, निजामाबाद की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शरण्या ने महिलाओं से स्तन कैंसर के लक्षणों के प्रति सजग रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि शुरुआती चरण में पहचान होने पर उपचार से ठीक होने की संभावना काफी अधिक रहती है।

स्तन में गांठ, आकार या आकृति में बदलाव, निप्पल से असामान्य स्राव अथवा त्वचा में परिवर्तन होने पर तुरंत चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। उन्होंने नियमित स्वयं जांच और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार आवश्यक जांच कराने की सलाह दी। परिवार में स्तन कैंसर का इतिहास रखने वाली महिलाओं को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जागरूकता, शीघ्र पहचान और समय पर उपचार ही स्तन कैंसर से बचाव की कुंजी हैं।

आर्मूर में चेन्नई शॉपिंग मॉल की 37वीं शाखा का शुभारंभ

निजामाबाद, 7 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आर्मूर के नए बस स्टैंड पर चेन्नई शॉपिंग मॉल की 37वीं शाखा का भव्य शुभारंभ हुआ। लोकप्रिय अभिनेत्री श्रीमुखी ने मुख्य अतिथि के रूप में दीप प्रज्वलित कर शोरूम का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि वह आर्मूर की रहने वाली हैं और अब क्षेत्र के लोगों को नवीनतम फैशन के साथ पारंपरिक परिधान भी एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। उन्होंने लोगों से परिवार के साथ खरीदारी का आनंद लेने का आह्वान किया।

श्रीमुखी को देखने के लिए प्रशंसकों की भारी भीड़ उमड़ी और मॉल परिसर सेल्फी व तस्वीरों से गुलजार रहा। इससे पहले विधायक पैडिरकेश रेड्डी ने शॉपिंग मॉल का उद्घाटन किया। आयोजकों ने बताया कि दशहरा, दीपावली और विवाह समारोहों को देखते हुए यहां नए डिजाइनों के साथ आकर्षक ऑफर उपलब्ध हैं। कांग्रेस निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी विनय रेड्डी ने भी मॉल का दौरा कर लोगों से खरीदारी करने का आग्रह किया। नगर निगम अध्यक्ष लहरी रघु, उपाध्यक्ष वेंकट रेड्डी, मॉल के मालिक सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आरटीसी कर्मचारियों के हितों और नौकरी की सुरक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मंत्री विवेक

मंचेरियाल, 7 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि कांग्रेस सरकार आरटीसी कर्मचारियों के कल्याण, अधिकारों की रक्षा और नौकरी की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मंचेरियल स्थित उनके आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने आरटीसी कर्मचारियों से तेलंगाना वर्कर्स यूनियन (टीडब्ल्यूयू)-इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस (इंटक) गठबंधन के उम्मीदवारों के समर्थन में मतदान की अपील की। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद कर्मचारियों के लंबित दो महंगाई भत्ते मंजूर किए गए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि गठबंधन को कर्मचारियों का समर्थन मिलने पर आरटीसी का सरकार में विलय करने की प्रक्रिया तत्काल शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान, अधिकारों और नौकरी की सुरक्षा के लिए सरकार आगे भी आवश्यक कदम उठाएगी।उन्होंने मंचेरियल क्षेत्र के आरटीसी कर्मचारियों से बाण चिन्ह पर मतदान कर टीडब्ल्यूयू-इंटक गठबंधन के उम्मीदवारों को समर्थन देने की अपील की। इस अवसर पर पूर्व सांसद एवं विधायक वेणुगोपाल चारी, राज्य कांग्रेस नेता मंथना जगनमोहन राव सहित अन्य नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मदनूर में सिलसिलेवार चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

मदनूर, 6 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर थाना क्षेत्र के मदनूर और मेनूर गांवों में 4 सितंबर की रात चार घरों में हुई चोरी के मामलों में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने घरों से सोना, चांदी और नकदी चोरी की थी। मामलों में अपराध संख्या 183/2026 से 186/2026 के तहत बीएनएस की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।एसपी के आदेश पर सीआई रविकुमार और एसआई मोहन रेड्डी के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर महाराष्ट्र के बासमत क्षेत्र निवासी करण गुंडेवार और शिव येल्लप्पा को मदनूर के बाहरी इलाके स्थित मिर्जापुर हनुमान मंदिर के पास गिरफ्तार किया। उनके पास से 1,100 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी का 10 तोला सोना और 50 तोला चांदी भी बरामद की गई। मामले में एक अन्य आरोपी पहले गिरफ्तार हो चुका है, जबकि कुछ आरोपी फरार हैं। पुलिस टीम की कार्रवाई में कांस्टेबल विट्ठल, विष्णु सहित सीसीएस के जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस बल से जनता की आवाज नहीं दबाई जा सकती : वमसी कृष्णा

पेद्दापल्ली, 7 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली के सांसद गड्डम वामसी कृष्णा ने कहा कि लोकतंत्र और जनता के मताधिकार की रक्षा के लिए कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किए जाने पर आपत्ति जताई।वमसी कृष्णा ने कहा कि लोकतांत्रिक देश में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करना नागरिकों का अधिकार है और पुलिस बल के जरिए जनता की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने भाजपा से कहा कि यदि उसे जनता पर विश्वास है तो वह स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव का सामना करे और जनता के फैसले को स्वीकार करे।

नेमाराम चौधरी हत्याकांड

जांच के बीच कई सवाल, पेट-बशीराबाद पुलिस तलाश रही निर्णायक सुराग

ओम प्रकाश सिरवी

हैदराबाद। 07 अक्टूबर

नेमाराम चौधरी हत्याकांड की जांच आगे बढ़ने के साथ ही पुलिस के सामने कई अहम सवाल और जांच की कई कड़ियां सामने आ रही हैं। मुरहरिपल्ली तालाब के पास नेमाराम चौधरी का शव मिलने के बाद पेट बशीराबाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की है। पुलिस की ओर से सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल डेटा, कॉल रिकॉर्ड और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच के लिए विशेष टीमें गठित किए जाने की जानकारी सामने आई है।

मामले की जांच की प्रगति के संबंध में जानकारी लेने के लिए समाज के कुछ कार्यकर्ता पेट बशीराबाद पुलिस स्टेशन पहुंचे। इस दौरान पुलिस की ओर से मृतक के पास बताई जा रही बड़ी नकदी के संबंध में भी सवाल किए जाने की जानकारी सामने आई। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यदि नेमाराम के पास बड़ी रकम थी तो वह रकम कहां से आई थी, उसका उद्देश्य क्या था ?

उपलब्ध जानकारी के अनुसार परिवार की ओर से पुलिस को बताया गया था कि नेमाराम घर से करीब 10 लाख रुपये लेकर निकले थे। बाद में उनका शव मुरहरिपल्ली तालाब के पास मिला। हालांकि, शव के पास से कोई भी बडी.नकदी राशि बरामद होने की जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में नकदी से जुड़ा पहलू भी पुलिस की जांच का हिस्सा होना स्वाभाविक है।

जांच में अहम कड़ी सीसीटीवी फुटेज को माना जा रहा है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक अलवाल रेलवे ब्रिज के आसपास नेमाराम की गतिविधियां सीसीटीवी में दिखाई देने की बात सामने आई है। बताया गया है कि उन्होंने वहां अपनी दोपहिया वाहन खड़ी की और इसके बाद एक कार्टून के साथ आगे बढ़ते दिखाई दिए। इसके बाद उनकी गतिविधियों की कड़ी जोड़ना जांच के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पुलिस के सामने अब यह पता लगाने की चुनौती है कि सीसीटीवी में दिखाई देने वाली गतिविधियों के बाद नेमाराम किन लोगों के संपर्क में थे ? उनकी मोबाइल लोकेशन और कॉल रिकॉर्ड क्या संकेत देते हैं तथा अलवाल क्षेत्र से मुरहरिपल्ली तालाब तक उनकी गतिविधियों का क्रम किस तरह जुड़ता है।

मोबाइल फोन भी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है। यदि मोबाइल फोन स्विच ऑफ होने के बाद उसकी आगे की लोकेशन उपलब्ध नहीं हुई है, तो पुलिस को उससे पहले की लोकेशन, कॉल डिटेल, संपर्कों और अन्य उपलब्ध तकनीकी जानकारी के आधार पर घटनाक्रम की कड़ियां जोड़नी पड़ सकती हैं।

इसी तरह मिडिया से उपलब्ध रिपोर्टनुसार परिवार के अनुसार घर से करीब 10 लाख रुपये की कथित नकदी का पहलू भी जांच में महत्वपूर्ण हो सकता है। रकम का स्रोत, संभावित लेन-देन, रकम किस उद्देश्य से ले जाई जा रही थी और उसके बाद उसका क्या हुआ ? इन सभी बिंदुओं की पुष्टि दस्तावेजी एवं अन्य ठोस साक्ष्यों से करना पुलिस के लिए आवश्यक होगा। केवल नकदी के आधार पर हत्या के कारण या किसी व्यक्ति की भूमिका के संबंध में निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। फिलहाल पुलिस सभी अहम सुरागों की कड़ियां जोड़ने की भरपुर कोशिश को नकारा नहीं जा सकता !

पुलिस की ओर से मामले में पांच विशेष टीमों के गठन की जानकारी सामने आई है। इससे संकेत मिलता है कि जांच को अलग-अलग कोणों से आगे बढ़ाया जा रहा है। सीसीटीवी, मोबाइल डेटा, कॉल रिकॉर्ड, संभावित वाहन गतिविधियों, आर्थिक लेन-देन और घटनास्थल से जुड़े साक्ष्यों को एक साथ जोड़ना जांच की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि पुलिस को अब तक कौन-सा निर्णायक सुराग मिला है और सीसीटीवी तथा तकनीकी जांच से घटनाक्रम की कितनी कड़ी स्पष्ट हुई है। क्या कथित रूप से गायब नकदी के संबंध में कोई सुराग मिला है ? क्या मोबाइल डेटा से कोई महत्वपूर्ण संपर्क सामने आया है ? क्या अलवाल रेलवे ब्रिज से मुरहरिपल्ली तालाब तक की गतिविधियों का क्रम स्पष्ट हो पाया है ? इन सवालों के जवाब जांच आगे बढ़ने के साथ सामने आ सकते हैं।

फिलहाल उपलब्ध तथ्यों के आधार पर यह कहना उचित होगा कि पुलिस जांच कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर केंद्रित है और निर्णायक निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए तकनीकी तथा भौतिक साक्ष्यों को आपस में जोड़ना जरूरी होता है, और उतना ही साक्ष्यों का सत्यापन भी करना होता है । इतना जरुर कहा जा सकता है कि पुलिस के लिए इस घटना का पर्दाफाश करने के लिए जरुर कोई बडी. चुनौतियां का सामना करना पड़ रहा है । इसलिए घटना की जड़ तक पहूंचने के लिए पुलिस को देरी लग रही है ।

नेमाराम चौधरी हत्याकांड में अब पुलिस की अगली कार्रवाई और जांच से सामने आने वाले तकनीकी साक्ष्य पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल डेटा, कॉल रिकॉर्ड, फॉरेंसिक जांच और अन्य साक्ष्यों की कड़ियां यदि आपस में जुड़ती हैं, तो मामले की तस्वीर और अधिक स्पष्ट हो सकती है।

स्टंटबाजी करने वालों पर अत्तापुर पुलिस की कार्रवाई

सड़क पर खतरनाक करतब करने वाले तीन युवक गिरफ्तार, सोशल मीडिया पर वीडियो प्रसारित करने का आरोप

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सार्वजनिक सड़कों पर तेज रफ्तार से वाहन चलाकर खतरनाक स्टंट करने और सोशल मीडिया पर उनके वीडियो प्रसारित करने वालों के खिलाफ हैदराबाद सिटी पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में अत्तापुर पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार 6 अक्टूबर की रात गश्त के दौरान अत्तापुर पिलर नंबर 257, फ्लिपकार्ट गोदाम के पास तीन युवक बिना नंबर प्लेट वाली तीन होंडा डियो स्कूटरों पर तेज गति से वाहन चलाते हुए खतरनाक स्टंट कर रहे थे। इनमें एक स्कूटर सफेद-नीले रंग का और दो ग्रे रंग के बताए गए हैं। पुलिस का कहना है कि इन युवकों द्वारा किए गए स्टंट के वीडियो सोशल मीडिया, विशेष रूप से इंस्टाग्राम पर भी प्रसारित किए गए।

पुलिस के मुताबिक इस तरह की गतिविधियों से सड़क पर चलने वाले अन्य वाहन चालकों में भय पैदा होने के साथ ही सड़क सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा था। अत्तापुर पेट्रोल कार प्रभारी के. अंजनेयुलु की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और तीनों आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद मोहीनुद्दीन उर्फ मोहीन (24), मोहम्मद रिजवान (21) और तोहिद (19) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके खिलाफ अपराध संख्या 1072/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 281, 125, 3(5) तथा मोटर वाहन अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने माता-पिता से भी अपील की है कि वे नाबालिगों अथवा बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाले बच्चों को दोपहिया वाहन न दें। साथ ही सोशल मीडिया पर लोकप्रियता और लाइक्स के लिए युवाओं द्वारा खतरनाक स्टंट किए जाने की स्थिति में उनकी गतिविधियों पर नजर रखने की सलाह दी है।

पुलिस ने चेतावनी दी है कि अत्तापुर तथा पी.वी.एन.आर. एक्सप्रेस-वे के आसपास सार्वजनिक सड़कों और फ्लाईओवरों पर गलत दिशा में वाहन चलाने, बिना नंबर प्लेट वाहन चलाने, तेज रफ्तार में रेसिंग करने अथवा स्टंट करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार सीसीटीवी कैमरों और सोशल मीडिया पर निगरानी के माध्यम से ऐसे मामलों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने स्पष्ट किया कि सड़क पर अपनी और दूसरों की जान को खतरे में डालने वाली स्टंटबाजी को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

तेरापंथ महिला मंडल की कार्यसमिति बैठक में संवाद और आध्यात्मिक मार्गदर्शन पर जोर

मुनि श्री दीप कुमार ने कहा– महिलाओं के विकास का मंच है तेरापंथ महिला मंडल

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद की अक्टूबर माह की कार्यसमिति बैठक अध्यक्ष श्रीमती नमिता सिंघी की अध्यक्षता में तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी, सिकंदराबाद में संपन्न हुई। बैठक की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के मंगलाचरण से हुई।

अध्यक्ष श्रीमती नमिता सिंघी ने उपस्थित सभी कार्यसमिति बहनों, पूर्वाध्यक्षों एवं परामर्शिकाओं का स्वागत किया। उन्होंने अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के 51वें अधिवेशन 'संवाद' में प्राप्त अनुभवों को साझा किया।

मंत्री श्रीमती निशा सेठिया ने पिछली बैठक के मिनट्स का वाचन किया और उनका स्वीकरण करवाया। पूर्वाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बरड़िया ने 'विवेगे धम्म माहिए' के अंतर्गत चातुर्मास काल में विवेक रखने योग्य बातों की जानकारी बहनों को दी, ताकि सभी अनावश्यक हिंसा से बच सकें।मंत्री श्रीमती निशा सेठिया ने गत माह की गतिविधियों की जानकारी बैठक के पटल पर रखी। प्रचार-प्रसार मंत्री श्रीमती मनीषा सुराणा ने संविधान में हुए संशोधनों की जानकारी प्रदान की।

सह-मंत्री श्रीमती संगीता गोलछा ने 'नारी लोक' का वाचन किया। उन्होंने अक्टूबर माह के करणीय कार्य 'मेरी शक्ति की कहानी' की संक्षिप्त जानकारी बहनों को दी। इस कार्य के लिए संयोजिका बहनों की नियुक्ति भी की गई। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की कार्यसमिति सदस्य श्रीमती शिल्पा सुराणा ने बताया कि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल नई दिल्ली में अपना कार्यालय बनाने जा रहा है। कार्यालय के निर्माण के लिए अनुदान का प्रस्ताव रखा गया, जिसे अध्यक्ष ने विचाराधीन रखा।बैठक के अंत में मंत्री श्रीमती निशा सेठिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया। बैठक के पश्चात हैदराबाद में विराजित मुनि श्री दीप कुमार जी ठाणा-2 का सान्निध्य भी प्राप्त हुआ। अध्यक्ष श्रीमती नमिता सिंघी ने राष्ट्रीय अधिवेशन की संक्षिप्त जानकारी मुनि श्री को निवेदित की।

मुनि श्री ने बहनों को प्रेरणा-पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि तेरापंथ महिला मंडल महिलाओं के विकास का मंच है। अधिवेशन से शाखा मंडलों को नई ऊर्जा प्राप्त होती है, क्योंकि संवाद ही समाधान है। जो समाधान गुरु से प्राप्त होता है, वह अनुकरणीय होने के साथ आध्यात्मिक राह दिखाने वाला होता है।इस अवसर पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा प्राप्त एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के प्रमाणपत्र का भी मुनि श्री ने अवलोकन किया। यह प्रमाणपत्र कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में विशिष्ट कार्य करने वाले शाखा मंडलों को प्रदान किया गया।

बैठक में कार्यसमिति की बहनों की अच्छी उपस्थिति रही।

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में 'कौन बनेगा श्री अन्नपति' प्रश्नमंच प्रतियोगिता संपन्न

24 प्रतिभागियों ने छह समूहों में लिया हिस्सा, हिंदी और श्री अन्न संबंधी ज्ञान की हुई परख

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में चल रहे हिंदी चेतना मास समारोह के अंतर्गत बुधवार, 7 अक्टूबर 2026 को हिंदी में 'कौन बनेगा श्री अन्नपति' नामक प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में संस्थान के विभिन्न संवर्गों के वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक एवं शोध अध्येताओं सहित कुल 24 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता कुल 12 चक्रों में संपन्न हुई। इसमें 7 चक्र सामान्य हिंदी, 1 चक्र राजभाषा, 2 चक्र सामान्य ज्ञान, 1 चक्र कृषि ज्ञान तथा 1 चक्र श्री अन्न ज्ञान पर आधारित रहा। प्रतिभागियों को 'बाजरा', 'ज्वार', 'रागी', 'कंगनी', 'कोदो' एवं 'कुटकी' नाम से छह समूहों में विभाजित कर प्रतियोगिता का संचालन किया गया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों से हिंदी भाषा, राजभाषा, सामान्य ज्ञान, कृषि तथा श्री अन्न से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता का उद्देश्य हिंदी के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ-साथ श्री अन्न एवं कृषि संबंधी ज्ञान को रोचक और प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से प्रोत्साहित करना रहा।

निदेशक ने प्रतिभागियों का बढ़ाया उत्साह

संस्थान की निदेशक डॉ. सी. तारा सत्यवती ने प्रतियोगिता के दौरान स्वयं उपस्थित रहकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने प्रतिभागियों को सक्रिय रूप से प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।प्रतियोगिता में डॉ. अविनाश सिंगोडे, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) तथा डॉ. वी. रवि कुमार, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने संचालक एवं निर्णायक की भूमिका निभाई।

डॉ. महेश कुमार ने आकर्षक रूप में प्रश्नमंच के लिए प्रस्तुतीकरण तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रश्नमंच को रोचक एवं सहभागिता से भरपूर बनाने में उनके द्वारा तैयार की गई प्रस्तुति का विशेष योगदान रहा।

पूरे कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन संस्थान की निदेशक डॉ. सी. तारा सत्यवती के दिशा-निर्देशन में डॉ. जिनु जेकब, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा डॉ. महेश कुमार द्वारा किया गया।

गोवंश की सेवा के लिए आगे आएं सामाजिक संस्थाएं : महेश अग्रवाल

तेलंगाना गोशाला फेडरेशन अध्यक्ष ने ओम श्री कृष्णा गोशाला का किया निरीक्षण

खम्मम , 7 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने प्रतिनिधिमंडल के साथ गोल्लागुडेम स्थित ओम श्री कृष्णा गोशाला का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गोवंश के रखरखाव, स्वच्छता, चारा-पानी तथा स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

गोशाला प्रबंधन के अनुसार, निरीक्षण के दौरान महेश अग्रवाल ने वहां की व्यवस्थाओं और गोवंश की देखभाल के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने गोशाला में किए जा रहे कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए आवश्यकता के अनुसार सहयोग उपलब्ध कराने की बात कही।

इस अवसर पर महेश अग्रवाल और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल की ओर से गोवंश के स्वास्थ्य एवं उपचार के लिए विभिन्न आवश्यक दवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। उन्होंने गोशाला में रह रहे पशुओं के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया।

महेश अग्रवाल ने कहा कि गोवंश भारतीय ग्रामीण जीवन और कृषि परंपरा से लंबे समय से जुड़ा रहा है। उनके अनुसार, गोशालाओं में रहने वाले पशुओं की देखभाल के लिए पर्याप्त चारा, स्वच्छ पानी, साफ-सफाई और चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वृद्ध, बीमार और बेसहारा गोवंश की देखभाल में सामाजिक संस्थाओं और नागरिकों की भागीदारी उपयोगी हो सकती है।

उन्होंने यह भी कहा कि गोसेवा के साथ गोशालाओं की व्यवस्थाओं को व्यवस्थित और व्यावहारिक रूप से संचालित करना आवश्यक है, ताकि वहां रहने वाले गोवंश को नियमित रूप से आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

ओम श्री कृष्णा गोशाला के अध्यक्ष ओम नारायण खंडेलवाल ने बताया कि गोशाला प्रबंधन समिति द्वारा गोवंश के रखरखाव और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं पर नियमित रूप से ध्यान दिया जाता है।

उन्होंने महेश अग्रवाल और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल द्वारा दवाएं उपलब्ध कराने के लिए धन्यवाद व्यक्त किया।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा तेलंगाना प्रदेश कोषाध्यक्ष सुनील मित्तल, हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष आकाश तलवार, डांस अकादमी के अध्यक्ष प्रभाकर राव, तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के रंगा रेड्डी जिला अध्यक्ष अरविंद कमलेकर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

गोशाला प्रबंधन की ओर से चेन सिंह, हणमंतु तथा खम्मम अग्रवाल समाज के मानद मंत्री सुनील अग्रवाल भी इस दौरान मौजूद रहे।

गोशाला प्रबंधन समिति ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

एक शाम गौमाता के नाम मां भगवती का तेरहवां विशाल जागरण 14 को

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बालाजी नगर, जवाहर नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में 'एक शाम गौमाता के नाम' मां भगवती का तेरहवां विशाल जागरण आगामी 14 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर महाप्रसादी का भी आयोजन किया जाएगा।

श्री आईजी गौशाला के अध्यक्ष किशनलाल पंवार एवं सचिव हुक्माराम सानपुरा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जागरण में राजस्थान के प्रसिद्ध गायक संत श्री प्रकाश दास महाराज एवं पिंटू सागर तथा लोकेशनाथ एंड पार्टी द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। भजन संध्या के दौरान श्रद्धालु भक्तिमय वातावरण में मां भगवती एवं गौमाता की आराधना करेंगे।

कार्यक्रम में राठौड़ साउंड की ओर से ध्वनि व्यवस्था की जाएगी, जबकि बीआरएस राजस्थानी मीडिया द्वारा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जाएगा। कार्यक्रम की मीडिया कवरेज पत्रकार जगदीश सीरवी द्वारा की जाएगी।

श्री आईजी गौशाला प्रबंधन की ओर से सभी गौभक्तों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर जागरण में शामिल होने का आग्रह किया गया है।

पर्यावरण पुनर्स्थापना में उद्योगों और नियामकों की भूमिका पर राष्ट्रीय कार्यशाला कल

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेजी से हो रहे शहरीकरण, औद्योगिकीकरण और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते संकट के कारण दुनियाभर में पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है। ऐसे में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और क्षतिग्रस्त पारिस्थितिकी तंत्र के पुनर्स्थापना की दिशा में प्रभावी प्रयासों की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (नीरी), हैदराबाद क्षेत्रीय केंद्र द्वारा नेशनल पर्यावरण सस्टेनेबिलिटी हब तथा इंडियन एसोसिएशन फॉर एनवायरनमेंटल मैनेजमेंटके सहयोग से एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 'पारिस्थितिकी तंत्र पुनर्स्थापना : उद्योगों और नियामकों की भूमिका' का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यशाला का आयोजन 9 अक्टूबर 2026 को हैदराबाद स्थित पी. एम. भार्गव सभागार, सीसीएमबी, आईआईसीटी परिसर, नचाराम-मल्लापुर रोड, हैदराबाद-500007 में किया जाएगा। कार्यशाला में वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों, सरकारी अधिकारियों, शोधकर्ताओं और उद्योग जगत से जुड़े विशेषज्ञों को एक साझा मंच पर लाया जाएगा। इस दौरान ज्ञान के आदान-प्रदान, पर्यावरण संरक्षण की बेहतर कार्यप्रणालियों, नीतिगत संवाद तथा पारिस्थितिकी तंत्र के पुनर्स्थापना से जुड़े नवाचारों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने की क्षमता बढ़ाने तथा सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की दिशा में आवश्यक प्रयासों पर भी विचार-विमर्श होगा।कार्यशाला में प्रसिद्ध भारतीय पारिस्थितिकीविद् एवं पद्मश्री सम्मान प्राप्त डॉ. एकलब्य शर्मा, हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी के आयुक्त श्री ए.वी. रंगनाथ, आईपीएस, तेलंगाना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव श्री रवि गुगुलोथु, आईएएस तथा सीएसआईआर-आईआईसीटी के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.